रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम - 12

सोने की चमक बरकरार इस साल दिया 67 प्रतिशत रिटर्न - 12

बेनिन में सैनिक विद्रोह तख्तापलट की भी कोशिश लेकिन विफल रहे - 13

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की - 14

आज का मौसम
24.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.44 | सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी 04:03 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 8 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 115, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी आज वंदे मातरम् पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। संसद में यह चर्चा, बंकिम चंद्र द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था।

एनसीएमसी कार्ड एक, यात्रियों को फायदे अनेक

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम प्रबंधन का ड्रीम प्रोजेक्ट एनसीएमसी कार्ड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) जनवरी माह में आ जाएगा। परिवहन निगम प्रबंधन इसकी तैयारी पूरी कर चुका है। इस कार्ड का यात्री न केवल रोडवेज बसों में बल्कि मेट्रो व नगर बसों में भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। सिर्फ यूपी ही नहीं देश में जहां भी ओपेन लूप प्रणाली से सार्वजनिक परिवहन जुड़ा है, यह कार्ड वहां भी काम करेगा। कार्ड का प्रारूप आ गया है।

एसबीआई की मदद से यह कार्ड विभिन्न सेवाओं में 'रन' करेगा। कार्ड में अयोध्या के राममंदिर और बाबा काशी विश्वनाथ के मंदिरों की झलक दिखाई देगी।

कार्ड उपलब्ध कराएगा ये सहूलियतें

जिस सिस्टम पर चल रही होगी ओपेन लूप प्रणाली सभी में इस कार्ड का उपयोग हो सकेगा। इसके जरिए यात्री रोडवेज, नगर बसों, मेट्रो आदि में कैशलेस टिकट प्राप्त कर सफर कर सकेंगे। सिर्फ यही नहीं इसके माध्यम से दिल्ली मेट्रो समेत यूपी और देश के विभिन्न सार्वजनिक परिवहन वाहनों में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस कार्ड में यात्री अपनी आवश्यकतानुरूप पैसा भी भरवा सकेगा। अपनी जरूरत के मुताबिक पैसा रखकर इससे शॉपिंग भी की जा सकेगी। प्रधान प्रबंधक के मुताबिक यात्री इसका बेहतर फायदा उठा सकेंगे।

- एनसीएमसी कार्ड में अयोध्या काशीधाम दिखेगा
- ओपेन लूप सिस्टम से जुड़ी सभी प्रणालियों में हो सकेगा उपयोग
- जनवरी माह में आएगा, जरूरत के मुताबिक पैसा रखकर इससे शॉपिंग भी की जा सकेगी

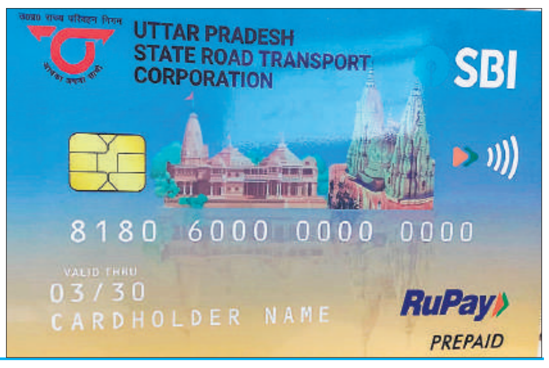

रोडवेज बसों के पूरे बेड़े में यात्री कर सकेंगे इस कार्ड का उपयोग

प्रदेश परिवहन निगम के पास अनुबंधित और स्वयं बसों का बेड़ा करीब 13,000 से अधिक है। इन सभी में यात्रा के दौरान इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। टिकट मशीनों में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा। पहले चरण में लखनऊ और गाजियाबाद क्षेत्र में बतौर ट्रायल इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू कर दिया जाएगा।

परिवहन निगम प्रबंधन इस कार्ड को अंतिम रूप दे चुका है। प्रदेश सरकार जनवरी माह से यह तोहफा यात्रियों को उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा जा रहा है। इस एक कार्ड से यात्री अनेक फायदे ले सकेगा।

-दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री उत्तर प्रदेश

यात्रियों के लिए परिवहन निगम का यह कैशलेस कार्ड काफी लाभप्रद होगा। इसका उपयोग यात्री मेट्रो, नगर बस, रोडवेज समेत तमाम सेवाओं में कर सकेंगे। राजधानी दिल्ली समेत देश के जिन प्रांतों में ओपेन लूप सिस्टम लागू है वहां भी इस कार्ड की उपयोगिता होगी। परिवहन मंत्री के निर्देश पर तैयारियां पूरी हो गई हैं।

-यजुवेंद्र कुमार, प्रधान प्रबंधक, आईटी एवं पीपीपी

ब्रीफ न्यूज

बाला जी मंदिर में लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सद्भावनानगर की फ्लोरिडोल कॉलोनी में स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में रविवार को तड़के चोर लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण और नकदी चुराकर ले गया। चोरों ने बालाजी की प्रतिमा से करीब सवा किलो चांदी के दो छत्रों को उखाड़ लिया। इसके अलावा मंदिर के अंदर कार्यालय में रखी लोहे की अलमारी को तोड़कर करीब नौ तोले सोने का एक हार, सोने का एक छत्र, चांदी के विभिन्न आकारों के कई छत्र, कुछ नकदी और बालाजी के दरबार में रखे दान-पात्र से चढ़ावा राशि चुरा ली। कुल मिलाकर इस चोरी का अनुमानित मूल्य 20 से 25 लाख बताया जा रहा है।

डोडा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के घने जंगल में रविवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर एक राइफल और गोला-बारूद बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने थाथरी के भल्लारा वन क्षेत्र में संयुक्त रूप से अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जंगल के अंदर एक ठिकाने से एक राइफल, उसकी दो मैगजीन और 20 राउंड बरामद किए गए।

गोवा के नाइट क्लब में आग, पांच पर्यटकों समेत 25 जिंदा जले

डांस फ्लोर पर चल रहे थे इलेक्ट्रिक पटाखे, मृतकों में 2 उत्तर प्रदेश के निवासी

- डांस फ्लोर पर थे 100 से ज्यादा पर्यटक मरने वालों में 20 क्लब के कर्मचारी
- क्लब के महाप्रबंधक समेत चार गिरफ्तार सीएम ने गठित की जांच कमेटी

पणजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार आधी रात के बाद अचानक लगी आग से 25 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में 5 पर्यटक और 20 क्लब के कर्मचारी हैं। छह लोगों की हालत नाजुक है। घटना उस समय हुई जब नाइट क्लब पर्यटकों से भरा हुआ था और डांस फ्लोर पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

सूची के अनुसार आग में मारे गए पांच पर्यटकों में से चार दिल्ली के थे, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। पांचवां पर्यटक कर्नाटक का था। मृतकों में से 20 नाइटक्लब के कर्मचारी थे, जिनमें उत्तराखंड के पांच, नेपाल के चार, झारखंड और असम के तीन-तीन, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के दो-दो और पश्चिम बंगाल का एक व्यक्ति शामिल है। उत्तराखंड के मृतकों की पहचान जितेंद्र सिंह, सतीश सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुमित नेगी और मनीष सिंह के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश के रोहन सिंह और सुनील कुमार भी शामिल हैं।

उत्तरी गोवा जिले में नाइट क्लब में जले हुए अवशेष मिले, जहां शनिवार आधीरात के बाद आग लग गई थी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि अंदर इलेक्ट्रिक पटाखे फोड़े गए थे, जिससे आग लगी। क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और द्वार प्रबंधक रियांशु ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव डॉ. वी. कैंडावेलू और डीजीपी आलोक कुमार को दोषी सरकारी अधिकारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने नाइट क्लब अग्निकांड की जांच के लिए समिति गठित की है। ये समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देगी।

यह नाइट क्लब राजधानी पणजी से लगभग 25 किलोमीटर दूर अरपोरा में स्थित है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल हैं। इसी बीच सीएम ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि कारण का पता लगाया जा सके और जिम्मेदारी तय की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग क्लब की पहली मंजिल पर लगी थी और भीड़भाड़ होने एवं छोटे दरवाजों के कारण ग्राहक बाहर नहीं निकल सके।

राष्ट्रपति- प्रधानमंत्री ने अग्निकांड पर शोक जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को पांच लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

ओवरटेकिंग में रोडवेज बस से टकराई कार, 3 की मौत

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार: वजीरगंज थाना क्षेत्र के अनभुला गांव के पास रविवार सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दो को लखनऊ रेफर किया है।

हादसा रविवार की सुबह करीब 8 बजे उस वक्त हुआ जब गोंडा से अयोध्या की तरफ जा रही ब्रेजा कार अपने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करते समय सामने से आ रही उत्तराखंड रोडवेज की बस से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बस के भीतर घुस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को पहले सीएचसी वजीरगंज पहुंचाया जहां से सभी को जिला अस्पताल भेज दिया गया। जिला अस्पताल में डाक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो लोगों को गंभीर हालत में लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान आशु अग्रवाल (32) निवासी आगरा, अक्षत (34) व नीता अग्रवाल (55) कानपुर के रूप में हुई है। नितिन अग्रवाल (32) व नेहा (32) की हालत गंभीर बताई जा रही है।
जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कालोनी के रहने वाले नितिन अग्रवाल अग्रवाल की चार दिसंबर को शादी थी। उसमें शामिल होने के लिए कानपुर व आगरा से रिश्तेदार आए हुए थे। वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रविवार सुबह अयोध्या से फ्लाइट पकड़ने के लिए गोंडा से अयोध्या जा रहे थे। नितिन कार चला रहा था। रास्ते में वजीरगंज थाना क्षेत्र के अनभुला गांव के समीप कार चालक नितिन ने अपने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेकिंग करने के प्रयास किया। इसी बीच उनके कार की सामने से आ रहे उत्तराखंड रोडवेज बस से भिड़ंत हो गई। इस भीषण हादसे में कार सवार सभी लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए वजीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो घायलों को बेहतर उपचार के लिए केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय ने बताया कि कार सवार एक बच्ची अनाया (3) को हल्की चोट आई थी।

गले में फंसी टॉफी, दम घुटने से ढाई साल के बच्चे की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: नहटौर क्षेत्र के ग्राम चक गोवर्धन में गले में टॉफी फंसने से ढाई साल के बच्चे की मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। गांव के शमशाद का पुत्र शाफैज शनिवार दोपहर घर में खेल रहा था। इसी दौरान उसने टॉफी खा ली, जो गले में फंस गई। उस वक्त वहां कोई परिजन नहीं था। सांस रुकने से वह छटपटाते हुए बेहोश होकर गिर पड़ा। बच्चे के गिरने की आवाज पर परिजन उसे सीएचसी नहटौर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिंदगी की आस में परिजन उसे धामपुर के एक निजी अस्पताल भी ले गए, लेकिन वहां भी डॉक्टर ने निराशा जाहिर कर दी। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शमशाद ने बताया कि घर पर काफी कोशिश के बाद भी टॉफी नहीं निकाली जा सकी तो अस्पताल ले गए।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष कुमार आर्य ने अभिभावकों से अपील की कि छोटे बच्चों को सख्त टॉफी, पॉपकॉर्न, च्यूइंग गम, मूंगफली, अंगूर तथा छोटे आकार वाले खाद्य पदार्थ बिना निगरानी के न दें।

मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे को उठा ले गया भेड़िया

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज थाना क्षेत्र में स्थित गोड़हिया नंबर 3 के मजरे मल्लाहनपुरवा में शनिवार देर रात एक बजे घर में घुसकर भेड़िया मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे सुभाष को उठा ले गया। वनविभाग की टीम ग्रामीणों के साथ मिलकर सर्च अभियान चला रहीं हैं।

परिवार और ग्रामीण बच्चे की तलाश में जुटे हुए हैं। लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में भेड़ियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की जा रही है। वहीं बहराइच वन प्रभाग के डीएफओ राम प्रकाश यादव का कहना है कि घटना के बाद से ही वन विभाग की टीमें सर्च अभियान चला रही हैं पर अभी कोई सफलता नहीं मिली है। बता दें कि वन्यजीवों के हमले में अब तक दस लोगों की मौत हो चुकी है और 32 लोग घायल हुए हैं।

1650 तक पहुंच गई इंडिगो की उड़ानें

- तेजी से सामान्य हो रहे हालात इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड पूरा किया

मुंबई, एजेंसी

इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने बताया कि विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे।

नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा कि इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को 706 से बढ़कर शनिवार को 1,565 हो गईं और रविवार को उड़ानों की संख्या 1,650 तक पहुंच गयी।

इंडिगो के बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह का गठन किया

मुंबई। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने एक संकट प्रबंधन समूह का गठन किया है, जो हालात की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है। एयरलाइन ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि कंपनी का निदेशक मंडल ग्राहकों को हो रही परेशानियों का समाधान करने और यात्रियों को रिफंड सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ा लाभ का दायरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी होंगे लाभान्वित

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में विद्युत बिल राहत योजना में उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभ का दायरा और बढ़ा दिया गया है। ऐसे में अब 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी लाभान्वित होंगे। अधिकतम लोगों को राहत देने के मद्देनजर राज्य सरकार ने यह संवेदनशीलता दिखाई है।

दरअसल, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी। पहले 31 मार्च के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। जिलों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, फिर भी उनका काफी बकाया शेष है।

वन्यजीव | जंगल में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है

पर्यटकों को खूब भा रहे दुधवा-पीटीआर, हो रही बाघों की साइटिंग

संवाददाता, लखीमपुर/ पीलीभीत

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क और पीटीआर का नया पर्यटन सीजन शुरू होते ही बाघ प्रेमियों की किस्मत खूब चमक रही है। दुधवा पार्क के जंगल के हर कोने में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बल्कि खूबसूरत और ताकतवर बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है।

अब तक दर्जनों बार दिखा बाघ : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन के अनुसार, इस सीजन में अब तक दर्जनों बार बाघों, तेंदुओं और गैंडे जैसे दुर्लभ वन्यजीवों की साइटिंग हो चुकी है। वनकर्मी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि पर्यटकों को रोमांचक अनुभव के साथ-साथ सुरक्षा का भी पूरा भरोसा मिल सके। दुधवा आने वाले सैलानियों के लिए यह बाघ दर्शन किसी जंगल सफारी बोनस से कम नहीं था। नजदीक से देखे गए इस शेर-ए-दुधवा की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे पर्यटकों में दुधवा घूमने का उत्साह और बढ़ गया है।

दुधवा पार्क की द. सोनारीपुर रेंज में दिखे बाघ।

पीटीआर में शावकों संग अठखेलियां करती दिखी बाघिन

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रकृति को करीब से निहारने एवं बाघों के दीदार करने के लिए सैलानी पहुंच रहे हैं। शनिवार शाम शावकों के साथ अठखेलिया करती बाघिन के दीदार होने पर सैलानी खासे उत्साहित दिखे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र बीते 1 नवंबर से शुरू किया गया था। बीते माह में 4500 से अधिक सैलानी पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचे थे। वहीं 30 दिन के अंदर 70 से अधिक विदेशी सैलानियों ने भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में दस्तक दी थी। रविवार को दिनभर में 300 से अधिक सैलानी टाइगर रिजर्व पहुंचे। महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण सैलानियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

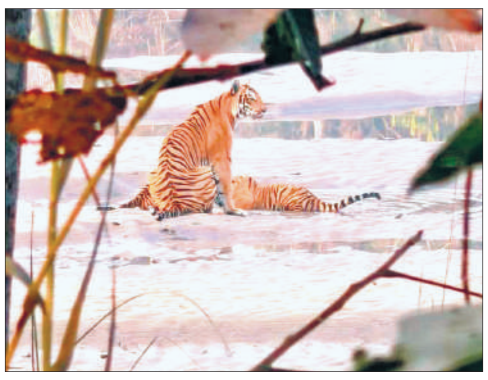

प्रदेश के परिवहन ढांचे में आएगा बड़ा बदलाव

सरकार का 'सुरक्षित सड़क मिशन' तेज, हाई रिस्क जिलों में इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार ने अब जमीनी बदलाव की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय ने अत्याधुनिक तकनीक आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारियों को हरी झंडी दे दी है। मुख्य सचिव की बैठक में कई महत्वपूर्ण पूंजीगत और राजस्व योजनाओं को मंजूरी मिल गई है।

इस कवायद से प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी और ट्रैफिक अनुशासन में बड़े सुधार की उम्मीद की जा रही है। राजधानी सहित अन्य प्रमुख शहरों में ट्रैफिक मॉनिटरिंग को डिजिटल रूप देने के प्रयास तेज हैं। लखनऊ के महत्वपूर्ण चौराहों पर इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए 4.96 करोड़ रुपये, जबकि मुरादाबाद और बलिया में 3.10 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन कैमरों से न केवल नियम उल्लंघन की निगरानी होगी, बल्कि शहरों में रीयल-टाइम ट्रैफिक कंट्रोल, दुर्घटनाओं में त्वरित प्रतिक्रिया और अपराध रोकथाम में भी मदद मिलेगी।

नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान

सड़क हादसों पर नियंत्रण योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। इसी लक्ष्य से डीआरएससी मॉडल पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस लगाने के लिए 25 हाई रिस्क जिलों को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। शेष जनपदों के लिए 50 लाख रुपये प्रति जिले की दर से अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इन उपकरणों के जरिए ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, रेड लाइट जंपिंग और गलत दिशा में वाहन चलाना जैसे नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान जारी होंगे।

इंटरसेप्टर वाहनों से बढ़ी सख्ती

परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में स्वीकृत 19 .95 करोड़ रुपये में से 70 इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद हो चुकी है। ये वाहन अब हाईवे और शहरों के प्रमुख मार्गों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, 18 के-इन-मोशन सेंसरों की स्थापना के लिए 14 .05 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं, जिससे ट्रकों की ओवरलोडिंग पर सटीक कार्रवाई होगी।

लखनऊ : जय नारायण पीजी कॉलेज से क्लैट की परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

11 जिलों में 17 केंद्रों पर हुई क्लैट परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विधि स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में शैक्षिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) का आयोजन देश भर में रविवार को किया गया। जबकि यूपी के लखनऊ समेत कुल 11 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया। लखनऊ में कुल 6 परीक्षा केंद्रों पर क्लैट की परीक्षा सम्पन्न हुई। सर्वाधिक अभ्यर्थी डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में मौजूद रहे। परीक्षा केंद्रों में जाने के लिए लंबी लाइनें लगीं, जिसमें घंटों तक परीक्षार्थी प्रतीक्षा के बाद चेकिंग के बाद गए। परीक्षा का आयोजन कन्सोर्टियम ऑफ एनएलयू द्वारा डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया है।

देशभर में कुल 173 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 92,344 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। यूपी के 11 जिलों में 17 केंद्रों पर परीक्षा हुई, जिसमें 14,578 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। लखनऊ क्षेत्र में कुल 5365 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 5212 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 153 अनुपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंक के मैनेजर व चपरासी पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो ने ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक के प्रबंधक व चपरासी के खिलाफ रिश्वत मांगने की रिपोर्ट दर्ज की है। इस मामले में आजमगढ़ के गहाजी निवासी किसान ने शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद सीबीआई ने कार्रवाई की है। सीबीआई अधिकारी के मुताबिक आजमगढ़ के गहाजी निवासी विशाल कुमार ने शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया कि आजमगढ़ स्थित ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक की दुर्वाषा शाखा से उन्होंने 2 .52 लाख रुपये का केसीसी सीमा का आवेदन किया था। इसे मंजूरी दे दी गई। इसकी पहली किस्त उनके खाते में आ गई। इसके बाद बैंक के शाखा प्रबंधक ने अपने चपरासी विश्राम के माध्यम से ऋण राशि के 10 प्रतिशत की दर से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। पीड़ित ने इसकी शिकायत की तो जांच में सामने आया कि बैंक के शाखा प्रबंधक के चपरासी द्वारा मांगे जाने वाली रिश्वत की पुष्टि हुई।

प्रोग्रेसिव खेती के टिप्स देंगे मास्टर ट्रेनर्स

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अब किसानों को आय का साधन और प्रोग्रेसिव खेती की टिप्स देने को मास्टर ट्रेनर्स तैयार करने जा रही है। ये मास्टर ट्रेनर्स किसानों के बीच से ही विकसित किए जाएंगे। इसके लिए बकायदा अभियान चलेगा, जिसमें कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार को अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए कम लागत में अधिक लाभ कमाने का हुनर सिखाया जाएगा। अभियान सोमवार से ही शुरू हो जाएगा, जिसके तहत मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी। बाद में जिलास्तरीय ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 9 से 10 दिसंबर के बीच चलेगा। इसी कड़ी में आगे भी कार्यक्रम चलेंगे। अभियानों के आयोजन के लिए पैक्स सोसायटी, किसान कल्याण केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र और प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया जा रहा है।

जिलाधिकारियों को पेंशनर्स देंगे ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : पेंशनर्स दिवस (17 दिसंबर) को प्रदेशभर के पेंशनर्स जिला मुख्यालयों पर एकजुट होकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इस ज्ञापन में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की शर्तों में पेंशन पुनरीक्षण को कर्मचारियों के वेतन-भत्तों की तर्ज पर शामिल किए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी जाएगी। यह घोषणा संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश ने की है । समिति के संयोजक एनपी त्रिपाठी और सह संयोजक क्षमा नाथ दुबे ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 3 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना में आठवें वेतन आयोग के विचार-बिन्दुओं में पेंशनरों की पेंशन बढ़ोतरी से संबंधित मुद्दा शामिल नहीं है। चूंकि प्रदेश सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र के समान आधार पर ही सुविधाएं स्वीकृत होती हैं, इसलिए आयोग में यह बिंदु शामिल न होने से पेंशनरों में स्वाभाविक रूप से असंतोष व्याप्त है।

यहियागंज गुरुद्वारे का होगा पर्यटन विकास

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग राजधानी स्थित ऐतिहासिक यहियागंज गुरुद्वारे का पर्यटन विकास करने जा रहा है। गुरुद्वारे के धार्मिक महत्व, सामुदायिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए दो करोड़ रुपये से इसके कायाकल्प की योजना तैयार की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर और दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह की स्मृतियों से जुड़े इस गुरुद्वारे का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता में है।

अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर में सबसे अधिक फर्जी वोट : मुख्यमंत्री

एसआईआर में देरी पर जताई नाराजगी, संगठनात्मक बैठक से दूर रखे गए अधिकारी

अलीगढ़ में जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में भाजपा के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य पार्टी नेता।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अलीगढ़ में एसआईआर (वृहद मतदाता पुनरीक्षण) की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में मिले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन जिलों में मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं दिख रही हैं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए और अंतिम समय सीमा नजदीक होने के कारण किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री की यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई, जहां उन्होंने मंडलभर के भाजपा नेताओं और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की। खास बात यह रही कि बैठक पूरी तरह संगठन के लिए रखी गई थी और इसमें किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि इस अभियान को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विवाह जैसे व्यक्तिगत कार्यक्रम हों, तब भी एसआईआर का काम नहीं रुकना चाहिए। मुख्यमंत्री विशेष रूप से अलीगढ़ शहर और कोल विधानसभा क्षेत्रों में देरी को लेकर नाराज दिखे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि दोनों क्षेत्रों में बोगस वोटों की संख्या अधिक होने के कारण विशेष निगरानी जरूरत है।

बैठक समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री छेरत पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व मंत्री और बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के पुत्र के तिलक समारोह में शामिल होकर उन्हें आशीर्वाद दिया। इसके बाद वे छेरत से ही कोटद्वार के लिए उड़ान भर गए।

चर्चा में रहा योगी का हेलीकॉप्टर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वेलिंगडन क्रिकेट पवेलियन में उतरा। शहर में इस बात की खूब चर्चा रही कि हाल ही में जहां स्ट्रीट लाइटों से मुख्यमंत्री की तस्वीरें हटाए जाने पर विवाद हुआ था, वहीं उसी परिसर में मुख्यमंत्री का आगमन हुआ। विश्वविद्यालय क्षेत्र में विद्यार्थियों की मांगों को लेकर आंदोलन की पृष्ठभूमि में छात्र नेता मोहम्मद मोहसिन मेवाती को पुलिस ने पहले ही नजरबंद कर लिया था।

सहारनपुर में भी की एसआईआर की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सहारनपुर में अलीगढ़ की तर्ज पर संगठनात्मक व प्रशासनिक समीक्षा करते हुए एसआईआर (मतदाता पुनरीक्षण) कार्य की प्रगति को गंभीरता से परखा। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बंद-द्वार बैठक की, जिसमें किसी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने एसआईआर अभियान में तेजी लाने और मतदाता सूची में बोगस प्रविष्टियों को प्राथमिकता से हटाने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान जिले की कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन को सतर्कता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा।

यूपी की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने को महाराष्ट्र में मिलेगा गुरुमंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 29 जिलों से चुने प्रतिनिधि जाएंगे महाराष्ट्र, सीखेंगे पंचायतों में नई तकनीक से विकास
- प्रति ग्राम पंचायत लगेगी किसान पाठशाला, 80 से 100 किसान होंगे शामिल

अमृत विचार : उप्र. की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने का गुरुमंत्र महाराष्ट्र से मिलेगा। राज्य के 23 जिलों से कुल 29 ऐसे प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जो महाराष्ट्र रवाना हो चुके हैं और वहां 11 दिसंबर तक पंचायतों में नई तकनीक के साथ विकास करने की बारीकियां सीखेंगे।

नवाचार मॉडल की बारीकियां सीखने के बाद ये प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश लौटेंगे और फिर प्रति ग्राम पंचायत किसान पाठशाला लगेगी। इस पाठशाला में 80 से 100 किसान प्रतिभाग करेंगे, जिनके बीच प्रतिनिधि सीखे गए मॉडल्स को उनके गांवों में लागू करने के उपाय और रास्ते सुझाएंगे।

महाराष्ट्र में ऐसे हजारों गांव हैं, जहां उनके सफल मॉडलों के कारण ग्रामीणों ने अपने बल पर गांवों को नई दिशा दी है। पंचायती राज विभाग की इस पहल का मूल उद्देश्य उत्तर प्रदेश की पंचायतों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और नवाचारी बनाने का है।

महाराष्ट्र दौरे में यूपी के चुनिंदा विजिटर्स को उन पंचायतों में ले जाया जाएगा, जहां स्वच्छता प्रबंधन, अपने बूते आय के संसाधन बनाना, सामाजिक उद्यमिता, बायोगैस-आधारित ऊर्जा मॉडल और सामुदायिक सहभागिता जैसी एडवांस कार्यसंस्कृति विकसित है। ऐसे में यूपी विजिटर्स वहां के ग्राम पंचायतों में हो रहे उत्कृष्ट व सफल मॉडल्स को अपने क्षेत्रों में लागू कर सकेंगे।

> विश्वास है कि महाराष्ट्र का अनुभव हमारे युवाओं, प्रतिनिधियों और अधिकारियों की सोच को व्यापक बनाएगा। ऐसे में यूपी की पंचायतें नवाचार आधारित विकास की ओर और तेज़ी से अग्रसर होंगी।
> – ओमप्रकाश राजभर, पंचायती राज मंत्री

> हमारे लोगों के लिए सीख, अनुभव और नेतृत्व विकास का अनोखा अवसर है। वहां से मिली जानकारी को वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में लागू करेंगे और वहीं से एक नई विकास यात्रा आगे बढ़ेगी।
> –अमित कुमार सिंह, निदेशक पंचायती राज विभाग

33 जिलों में 14 से चलेगा सघन पोलियो अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 33 प्राथमिकता वाले जिलों में 14 से 22 दिसंबर तक सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत शून्य से पांच वर्ष तक के 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियोरोधी खुराक दी जाएगी। अभियान के पहले दिन 44,726 बूथ स्थापित होंगे, जबकि इसके बाद 29,360 टीमें घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं, लखनऊ में 7.03 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है।

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि उप्र. को पोलियो मुक्त हुए 15 वर्ष हो चुके हैं और राज्य में आखिरी पोलियो का मामला 21 अप्रैल 2010 को फिरोजाबाद में मिला था। उन्होंने कहा, पड़ोसी देशों में अब भी पोलियो के मामले पाए जाने के कारण सावधानी जरूरी है। दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 2,750 ट्रांजिट और 1,746 मोबाइल टीमें लगाई जाएंगी। नेपाल सीमा पर विशेष सतर्कता के तहत 30 टीकाकरण पोस्ट भी बनाए गए हैं।

इन जनपदों में चलेगा अभियान

आगरा, अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, बदायूं, भदोही, बांदा, चंदौली, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, मऊ, मथुरा, मिर्जापुर, पीलीभीत, सोनभद्र, उन्नाव और वाराणसी।

मानवतावादी संविधान सही भावना से लागू हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस संचालन में हो रही अव्यवस्था समेत गरीबी, बेरोजगारी, दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीरता और रुपये की गिरती कीमत जैसी समस्याओं से देश परेशान है। सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब बाबा साहेब के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान को सही भावना से लागू किया जाए।

बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ.भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल और नोएडा के राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन में श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे लाखों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि वे व्यावसायिक दृष्टिकोण छोड़कर विशुद्ध जनहित और जनकल्याण की नीयत से नीति व कानून बनाएं।

एसआईआर में गहनता से हो जांच : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान में लगे बीएलओ को अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृत मतदाताओं का एक बार फिर से अपने स्तर पर गहन जांच कर लेने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य में राजनीतिक दलों से नियुक्त बीएलए का भी सहयोग लेने के निर्देश हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर के कार्यों में प्रगति तेज है। उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें।

मतदाता सूची की अनियमितताओं की हो जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में मतदाता गणना प्रपत्रों में हो रही अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई है। पार्टी की तरफ से उन्होंने मांग की है कि इन मामलों में तत्काल जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को निर्वाचन आयोग को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अमेठी, गौरीगंज विधानसभा में कुल 389 मतदेय स्थलों में से 110 केंद्रों पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को बीएलओ द्वारा थर्ड ऑप्शन में सबमिट कर दिया गया है, जबकि अधिकांश मतदाताओं ने 2003 की मतदाता सूची से संबंधित विवरण सही ढंग से भरकर जमा किया था। इतना ही नहीं, मतदेय स्थल संख्या 322 पर एक मतदाता का विवरण किसी अन्य मतदाता के नाम से प्रदर्शित हो रहा है।

इसी प्रकार गोंडा, करनैलगंज विधानसभा में भी 50 से 79 प्रतिशत तक मतदाताओं के गणना प्रपत्र थर्ड ऑप्शन में भेज दिए गए हैं। पार्टी का कहना है कि सही विवरण जमा करने के बाद भी इन मतदाताओं को अनावश्यक नोटिस देकर दस्तावेजों की मांग की जा रही है, जिससे भ्रम और परेशानी बढ़ रही है। प्रयागराज, कोरांव विधानसभा तथा प्रयागराज, शहर पश्चिमी में भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई हैं। जिसके कारण कई मतदाताओं के नाम सूची से गायब हो गए हैं। शामली, थानाभवन में वितरण कार्य अधूरा बताया गया है। कई मतदाताओं को गणना प्रपत्र नहीं मिला और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी इन मतदेय स्थलों की जानकारी बंद बताई गई है।

नियमों के विपरीत हस्ताक्षर कराने का आरोप

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मिर्जापुर, शहर विधानसभा के कुछ बीएलओ अपने क्षेत्र के बाहर लगभग पांच किलोमीटर दूर जाकर गणना प्रपत्र सबमिट कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी के बीएलए को बुलाकर हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं, जो नियमों के विपरीत है। सबसे गंभीर मामले बागपत में बताये गये हैं। यहां 1288 मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची से लापता हो गए हैं। इससे मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। केके श्रीवास्तव और राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है और सभी जिलों में त्वरित जांच व आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

बढ़ते कदम — 1038 .27 मेगावॉट क्षमता से बढ़ी ऊर्जा आत्मनिर्भरता

यूपी में तीन लाख सोलर प्लांट लगाने का रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2074 करोड़ रुपये सब्सिडी से उपभोक्ताओं को मिली राहत

अमृत विचार : नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने बड़ा मुकाम हासिल करते हुए तीन लाख से अधिक सोलर प्लांट इंस्टॉल करने का रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का परिणाम है कि राज्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अब देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूपी ने 3,00,654 सोलर इंस्टॉलेशन के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में लंबी छलांग लगाई है। इस उपलब्धि ने ग्रामीण से लेकर शहरी उपभोक्ताओं तक ऊर्जा के नए विकल्प और आर्थिक राहत दोनों पहुंचाई हैं।

प्रदेश में अब तक 983,915 आवेदनों में से तीन लाख से अधिक इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं। राज्य की कुल सौर उत्पादन क्षमता बढ़कर 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच गई है, जिससे लाखों परिवार स्वच्छ, किफायती और लगातार उपलब्ध रहने वाली ऊर्जा का लाभ उठा रहे हैं। योगी सरकार द्वारा अब तक 2074.53 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की जा चुकी है,

जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ काफी कम हुआ है और सोलर प्लांट लगाने की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही यूपी से आगे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का स्थान देश के शीर्ष सौर ऊर्जा राज्यों में पक्का हो गया है।

पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए डिजिटल मॉनिटरिंग, समयबद्ध इंस्टॉलेशन और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर जोर दिया है। पीएम सूर्यघर योजना और राज्य की नई सौर नीति ने बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचा तैयार किया, जिससे सौर ऊर्जा उद्योग के प्रति उपभोक्ताओं और निवेशकों दोनों का भरोसा बढ़ा है।

इस उपलब्धि का सबसे बड़ा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। गांवों में बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आई है और कई परिवार अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को बेचकर अपनी आय में भी बढ़ोतरी कर रहे हैं।

सीएचसी में खून की जांचों के लिए 25 करोड़ जारी, सेवाएं होंगी बेहतर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रियेजेंट और उपकरणों की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) में खून संबंधी जांचों के लिए आवश्यक रियेजेंट और अन्य संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 25 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इससे सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मरीजों को जांचों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

संयुक्त सचिव आनंद कुमार राय द्वारा बजट से संबंधित शासनादेश जारी किए जाने के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि प्रदेश के 975 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मरीजों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर उपचार सुनिश्चित करने में पैथोलॉजी की अहम भूमिका होती है, जहां एक पैथोलॉजी में लगभग 150 से अधिक प्रकार की खून की जांचें उपलब्ध रहती हैं। यानी विभिन्न बीमारियों के अलग-अलग जांच करायी जाती हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि निजी कंपनियों द्वारा विभिन्न जांचों के लिए प्रयोग किए जाने वाले करीब 150 प्रकार के रियेजेंट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनकी खरीद अस्पताल प्रशासन को स्वयं करनी होती है। सरकार द्वारा जारी किए गए बजट से अब इन रियेजेंट और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद सुचारु रूप से होती रहेगी, जिससे मरीजों को सभी रक्त जांचें बिना किसी रुकावट के मिलती रहेंगी। इससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच समय पर हो सकेगी तथा उपचार प्रक्रिया में तेजी आएगी।

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

22 खाद्य कारोबारियों पर 6.10 लाख का अर्थदंड

अयोध्या, अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने नवंबर माह के दौरान का मिलावट खोरों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। न्याय निर्णायक अधिकारी/ अपर जिला अधिकारी नगर द्वारा खाद्य पदार्थ में मिलावट को लेकर 22 खाद कारोबारियों पर 6 .10 लाख का अर्थ दंड लगाया है। सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि सबसे अधिक पनीर और मिश्रित दूध मिलावटी मिले। इसके अलावा बूंदी का लड्डू, पैकेट पेन केक्स, किसमिस, पेड़ा,बेसन का लड्डू, मैदा, राजू गोल्ड मुन्नी का दिल स्वीट, खोआ, नारियल चटनी व मूंगफली भी अधोमानक मिले हैं।

घायल बाइक सवार ने तोड़ा दम

मसौधा, अमृत विचार : पूराकलंदर थाना क्षेत्र के बिहारीपुर टोनिया गांव का हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बाइक सवार बिहारीपुर टोनिया गांव का शिवेंद्र मिश्रा (26) पुत्र अंजनी कुमार मिश्रा ने रविवार को लखनऊ मेडिकल कॉलेज में उपचार को दौरान दम तोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक पूरा कलंदर मनोज कुमार शर्मा का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

मुंबई के लिए इंडिगो ने नहीं भरी उड़ान

अयोध्या, अमृत विचार : महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से रविवार को इंडिगो की मुंबई जाने वाली फ्लाइट ने उड़ान नहीं भरी। बाकी तीन अन्य इंडिगो के विमान यात्रियों को लेकर लैंड और टेक ऑफ हुए। डायरेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि फ्लाइट के मुंबई न जाने की सूचना 12 घंटे पहले ही यात्रियों को दे दी गई थी। एयरलाइन कंपनी यात्रियों का किराया वापस करेगी।

वितरित कर रहे सौ साल के कार्यों की पुस्तिका

अयोध्या, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक इन दिनों संगठन के 100 साल के कार्यों की पुस्तिका वितरित कर रहे हैं। सोहावल के साथ शहर के विवेकानंद नगर सहित अन्य स्थानों पर रविवार को पुस्तिका का वितरण किया गया। महानगर व्यवस्था प्रमुख विवेक अग्रवाल ने कहा कि हम सभी को मिलजुल कर प्रत्येक हिंदू परिवारों में संघ के विचारधारा को पहुंचाना है तभी भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। इस मौके पर अधिवक्ता राजीव शुक्ला, विवेकानंद नगर के सह कार्यवाह सुनील साहू, बस्ती प्रमुख संजय रस्तोगी, मुकेश श्रीमाली, आदि लोग थे।

स्मृति विश्राम भवन का समारोह पूर्वक लोकार्पण

पूराबाजार, अमृत विचार : बाबा गरीबदास की कुटी पूरा बाजार के प्रांगण में स्व. सत्यनारायण सिंह पत्नी शहजादी सिंह, स्व. शमला सिंह पत्नी राम बक्श सिंह व स्व. हरि बक्श सिंह पत्नी स्व. शोभा सिंह की याद में स्मृति विश्राम भवन का लोकार्पण पूरा बाजार के पूर्व प्रधान अवध बिहारी सिंह के ने किया। कहा कि संतोष कुमार सिंह व जगदंबा प्रसाद सिंह से अपने परिवार के पूर्वजों की याद में स्मृति विश्राम भवन बनाना सराहनीय कार्य है। पूर्व प्रधानाचार्य रामचंद्र सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर काफी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण मौजूद रहे।

आईफोन व 50 हजार रुपये छीनने का आरोप

अयोध्या, अमृत विचार। युवक ने मारपीट कर उसका आईफोन व 50 हजार रुपये छीनने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार नामजद व 15-20 अज्ञात पर केस दर्ज किया गया है। अयोध्या कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में मातगैड़ निवासी विपिन सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात वह नयाघाट से गोलाघाट चौराहा की तरफ से जा रहा था। रास्ते में नितीश माझी, आयुष निगम निवासी रायगंज, ऐहासा गुजार निवासी गोलाघाट व कृष्णा निवासी अज्ञात व उनके साथ 15-20 लोगों ने उन्हें रोककर जमकर मारा पीटा। साथ ही उनका आई फोन व 50 हजार रुपये छीन लिया। अयोध्या कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि सिर्फ मारपीट का मामला लग रहा है। केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

खंभे से टकराई तेज रफ्तार कार दो किशोरों की मौत, युवक गंभीर

- घर पर बिना बताए कार सीखने निकले थे तीनों दोस्त, दोनों मृतक घर के थे इकलौते पुत्र

थाना कैंट अंतर्गत मीरनघाट के पास रात दो बजे हुआ हादसा

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : थाना कैंट अंतर्गत मीरनघाट इलाके में शनिवार की देर रात करीब दो बजे एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा गई। हादसा इतना भयंकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में दो किशोरों की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। तीनों घर से बताए बिना कार चलाने के लिए निकले थे। दोनों मृतक अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे, घटना के बाद दोनों घरों में कोहराम मच गया।

मुकेरी टोला निवासी फागुन वीरानी (15) पुत्र गीतेश विरानी शनिवार रात करीब 11 बजे घर से बिना बताए कार लेकर निकला। पूर्व योजना के अनुसार नाका निवासी उसका दोस्त अक्षय सिंह (16) पुत्र राकेश सिंह व देवनगर कॉलोनी निवासी हर्ष अग्रहरि (19) पुत्र उदय नारायन उसे रास्ते में मिले। तीनों ने मीरनघाट के सुनसान इलाके में गाड़ी चलाना उचित समझा। रात करीब दो बजे जमथरा की ओर से आते राजकीय उद्यान विभाग के कार्यालय के सामने कार एक खंभे से टकरा गई। दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज आवाज होने पर आसपास के लोग निकले व इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने फागुन व अक्षय को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल हर्ष को लखनऊ रेफर कर दिया। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना तेज रफ्तार के चलते होने की संभावना है। दोनों शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवारीजनों को सौंप दिया।

मीरनघाट चौकी के बगल खड़ी क्षतिग्रस्त कार। अमृत विचार

अक्षय सिंह (फाइल फोटो)

फागुन वीरानी (फाइल फोटो)

130 पर था दुर्घटनाग्रस्त कार का कांटा

दुर्घटनाग्रस्त कार का कांटा 130 पर था, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुर्घटना के समय कार की स्पीड कितनी अधिक थी। पुलिस के अनुसार कार हर्ष चला रहा था, जबकि फागुन उसके बगल की सीट पर व अक्षय उसके पीछे की सीट पर बैठा था। कार चालक की सीट के बगल वाले हिस्से से खंभे से टकराई, जिससे फागुन व अक्षय को घातक चोटें आई व उनकी मौत हो गई। जबकि कार चला रहे हर्ष के सीने में स्टेयरिंग घुस गई, उसका लखनऊ में इलाज चल रहा है। उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है।

घर में बाहर से ताला बंद कर निकला था फागुन

जानकारी के अनुसार फागुन के परिवार में दो एसयूवी व एक कार है। पूरा परिवार शनिवार रात एक होटल में मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। रात करीब 10 :30 बजे सभी वापस लौटे थे। बताया जाता है कि फागुन ने चुपके से कार की चाभी उठाई व घर के गेट पर बाहर से ताला बंद कर निकल गया था। अक्षय को भी बताया जाता है कि वह भी घर में किसी को बिना बताए निकला था। संभावना जताई जा रही कि तीनों ने पहले से इसकी योजना बनाई होगा। वही, फागुन के परिवारवालों तब घर से निकल पाए जब पुलिस ने उसके जेब से चाबी निकालकर घर का ताला खोला।

तीनों कक्षा 11 के थे छात्र, आपस में थे पक्के मित्र

मृतक फागुन जिंगल बेल व अक्षय कैंब्रियन स्कूल का छात्र था। गंभीर रूप से घायल हर्ष भी जिंगल बेल में पढ़ता है। तीनों कक्षा-11 के छात्र थे व आपस में पक्के मित्र थे। तीनों फेसबुक व इंस्टाग्राम से जुड़े हुए थे। फागुन के पिता गीतेश वीरानी सर्राफा व्यवसायी हैं, उनकी चौक स्थित राजा गली में दुकान है। जबकि अक्षय के पिता राकेश पत्रकार हैं। दोनों मृतक अपने माता-पिता के अकेले पुत्र थे, साथ ही दोनों की एक-एक बहनें भी हैं।

दोनों परिवारों में मचा कोहराम, शहर में शोक की लहर

घटना के बाद दोनों के परिवार में कोहराम मच गया। शहर में भी शोक की लहर रही। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी समेत शहर के गणमान्य लोगों ने उनके आवास पर जाकर शोक जताया। सिंधी समाज की हिंगोरा पंचायत के मुखिया बूलचंद चंगुलानी, टकसाल पंचायत मुखिया रोशन तोलानी, बलराम खत्री, सुशील केसवानी के अलावा जिंगल बेल अकादमी के प्रधानाचार्य बीके जोशी ने घर पहुंकर शोक संवेदना जताई।

पीड़ित परिवार से मिल जताया शोक

व्यापारी नेता सुशील जायसवाल, विश्व प्रकाश 'रूपन' रमेश जायसवाल,काली कोटवानी, बृजेश चंगुलानी,संजय,उमेश, सुखदेव मनवानी,मो .जफर, संजू मनवानी,सोनू मदान ,रामू ,रामबाबू,आदि ने मार्ग दुर्घटना में मृत युवा फागुन वीरानी के पिता गीतेश, चाचा हेमंत, देवेंद्र से मिलकर शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। कहा कि यह घटना हम सब को झकझोर कर सबक सिखाने वाली है।

अंतर्राष्ट्रीय रामनाम बैंक के भवन निर्माण का हुआ शिलान्यास

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: श्री मणिराम दास छावनी द्वारा संचालित अंतर्राष्ट्रीय श्रीसीता राम नाम बैंक और मंदिर को अब नया स्थान प्राप्त होगा। जहां अरबों राम नाम पुस्तिका सुरक्षित रखा जा सकेगा। धर्म मंडप में रविवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास की उपस्थिति में उत्तराधिकारी महंत कमलनयन शास्त्री ने नए भवन के निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया।

राम नाम बैंक प्रबंधक संत पुनीतराम दास महाराज ने बताया कि अभी तक वाल्यमीक रामायण भवन में बैंक संचालित हो रहा। जिसमें 21 हजार करोड़ रामनाम की कॉपियां रामभक्तों द्वारा लिपिबद्ध की गयीं हैं। जिन्हें बैंक ने संकलित करते हुये विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बताया मणिराम दास छावनी स्थित धर्म पंडपम् में आज अंतर्राष्ट्रीय सीता राम नाम बैंक के नवीन भवन और सीताराम मंदिर का भूमि पूजन एक कार्य हुआ है। आने वाले दिनों में रामभक्ति का केंद्र बनेगा। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय श्रीराम नाम बैंक के प्रबंधक पुनीतराम दास महाराज, ट्रस्ट सचिव कृपालु रामदास, शरद शर्मा, सहायक कन्हैया दास, केशव दास , जानकी दास,संत विश्राम दास समेत अन्य लोग उपस्थिति रहे।

शिलान्यास में शामिल महंत नृत्य गोपाल दास और साधु-संत।

प्रदेशीय विद्यालयीय कराटे अंडर-14 टीम घोषित

अयोध्या, अमृत विचार : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 15 से 19 दिसम्बर तक मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाली 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय कराटे अंडर-14 प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली उप्र टीम रविवार को डॉ . आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान के प्राचार्य आरपी शर्मा ने घोषित कर दी। चयनित टीम क्रीड़ा संस्थान से 13 दिसम्बर को प्रतियोगिता के लिए रवाना होगी। चयनित बालिका टीम में लखनऊ की आराध्या त्रिवेदी, वैशाली, मनीषा सागर, उन्नाव की दिव्यांशी, पल्लवी, मुजफ्फरनगर की आंचल, वाराणसी की डॉली सिंह, कानपुर की सानिया अंसारी, आगरा की निमरत, गाजियाबाद की प्रेरणा कश्यप शामिल हैं। बालक टीम में कानपुर के दिव्यांश जायसवाल, दीप चौधरी, वाराणसी के उन्नत मौर्या, कृष्ण कुमार, खुरजा के शिवम कुमार, बुलन्दशहर के गोगा, बलिया के आर्यन कुमार, मुजफ्फरनगर के देव गुप्ता, फरुर्खाबाद के आदित्य कुमार शामिल हैं। वाराणसी के विमल कुमार राय को टीम मैनेजर और बुलन्दशहर के हरिकेश व गाजियाबाद की अंजू भारती को कोच बनाया गया है।

मकर संक्रान्ति और बसंत पंचमी मेले की तैयारी शुरू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: जिला प्रशासन ने अयोध्या के मकर संक्रान्ति और बसंत पंचमी मेले के तैयारी शुरू कर दी है। अयोध्या का मकर संक्रान्ति मेला 12 से 16 जनवरी और बसन्त पंचमी मेला 21 से 25 जनवरी तक आयोजित होगा।

मेले के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां सरयू स्नान के लिए पहुंचते हैं। लगभग पखवारे भर चलने वाले इस मेले के दौरान सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए जाने की तैयारी है। अफसरों का कहना है कि मेले को लेकर संबंधित विभागों के साथ आठ दिसंबर को बैठक होगी। इसमें तैयारियों का अंतिम रूप दिया जाएगा।

- 12 से 16 और 21 से 25 जनवरी तक आयोजित होंगे मेले

बैठक आज

अयोध्या के दोनों प्रांतीय मेले को लेकर जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे आठ दिसंबर को संबंधित विभाग के अफसरों के साथ बैठक करेंगे। इसमें मेले में नागरिक सुविधाओं पर फोकस होगा।

बेड के नीचे छिपा मिला प्रेमी, ससुर ने दोनों का कराया निकाह

अयोध्या, अमृत विचार। थाना पूराकलंदर क्षेत्र के चौकी भदरसा क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में रविवार को मजेदार वाक्या हुआ। एक घर में विवाहिता के कमरे में बेड के नीचे छिपे प्रेमी को घरवालों ने पकड़कर दोनों का निकाह करवा दिया। इसमें विदेश में रह रहे पति की भी सहमति रही। प्रेमी अकसर चोरी छुपे प्रेमिका से मिलने उसकी ससुराल में आता था। रविवार को जब वह आया तो घरवालों ने चोर समझ कर गोहार लगाई। तलाशी में प्रेमी बेड के नीचे छिपा मिला। पूछताछ करने पर दोनों ने काफी समय से प्रेम प्रसंग चलने की बात स्वीकार की व निकाह करने की बात कही। इसकी जानकारी विदेश में रह रहे पति को दी गई तो उसने भी दोनों के संबंध को स्वीकार कर लिया। इसके बाद ससुर ने ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों का निकाह करवा दिया। थाना प्रभारी मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि आपसी सहमति से निकाह हुआ। पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी गई है।

काशी तमिल संगमम् 4 .0 का दूसरा डेलिगेशन।

अयोध्या की परंपरा से रू-ब-रू हुआ काशी तमिल संगमम् 4.0 का दूसरा डेलिगेशन

अयोध्या, अमृत विचार : काशी तमिल संगमम् 4 .0 का दूसरा डेलिगेशन के 200 से अधिक सदस्यों ने रविवार को अयोध्या राम मंदिर, हनुमान गढ़ी पर दर्शन पूजन किया। राम की पैड़ी पर भ्रमण कर काशी के लिये रवाना हुए। डेलिगेशन शनिवार और रविवार रात्रि अयोध्या धाम बस स्टेशन के पास स्थित श्री राम ऑडिटोरियम पहुंचा, जहां उनका चंदन तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया। वहीं ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भजन की प्रस्तुति में तमिल से आए युवा भक्ति में वातावरण में डूब गए। इस दौरान एडीएम अयोध्या, एसपी सिटी, एसडीएम, आईआरसीटीसी के अधिकारी उपस्थित रहें। आईआरसीटीसी के अधिकारी नवनीत कुमार ने बताया कि यह काशी तमिल संगमम् फोर की शुरूआत हुई है। सभी सदस्यों ने इस यात्रा को काफी सुखद अनुभूति बताई है। कहा कि तीन वर्षों से चल रही इस यात्रा में शामिल होते रहे है। और आगे भी चले इसके लिए सरकार की नीतियों का अभिवादन किया है।

रुदौली में बनेगा 30 बेड का महिला अस्पताल

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अयोध्या में मुख्यालय से 40 किमी. दूर रुदौली में भी एक महिला अस्पताल का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। यह 30 बेड का होगा। इसके निर्माण से रुदौली, मवई, पटरंगा व अन्य इलाकों की महिलाओं को इलाज कराने में सहूलियत मिल जाएगी। इसे लेकर सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बानियान ने शनिवार देर शाम प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण भी किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बानियान सीएचसी रुदौली व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्बन, सीएचसी खंडासा व मिल्कीपुर का निरीक्षण किया था। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्बन के पास ही महिला चिकित्सालय बनना प्रस्तावित है। वहां का निरीक्षण किया और विभागीय जेई एसबी सिंह से फोन पर वार्ता कर कुछ आवश्यक निर्देश दिए। जेई एसबी सिंह ने अमृत विचार को बताया कि जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे व सीएमओ डॉ.सुशील कुमार बानियान की तरफ से अस्पताल के निर्माण के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। जगह हमारे पास है। अब सिर्फ शासन की अनुमति का इंतजार किया जा रहा है। निरीक्षण में डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश चौधरी, मनोज कुमार, आरबीएसके मैनेजर डॉ. मो. हम्माद, एआरओ डॉ. सद्दाम खान, मनोज, पटल सहायक शशिकांत व अधीक्षक व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ .सुशील कुमार बानियान।

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्बन के पास जगह प्रस्तावित

घर पर कब्जा करने की नीयत से बेटी ने वृद्ध मां को पीटा

अयोध्या, अमृत विचार। घर पर कब्जा करने की नीयत से बड़ी बेटी ने अपनी 70 वर्षीय वृद्ध मां को मारा पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के करीब 18 दिन बाद कोतवाली अयोध्या ने बेटी व अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया। कमलेश उर्फ माला त्रिपाठी पत्नी स्व. राकेशधर त्रिपाठी निवासी साप्तसागर कॉलोनी कोतवाली अयोध्या ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी तीन पुत्रियां है। सबसे बडी पुत्री मीनाक्षी त्रिपाठी बहुत मनबढ़ है, उसका उसके पति से तलाक हो चुका है। उसकी दो अन्य पुत्रियां शादीशुदा है व बाहर रहती है। वह समय समय पर उनकी देखभाल भी करती हैं। आरोप लगाया कि बड़ी पुत्री मीनाक्षी उनको मारकर घर पर कब्जा करना चाहती है। उसने 19 नवंबर की दोपहर एक बजे एक अज्ञात व्यक्ति के साथ आई व जबरन घर में घुसना चाहा। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से जमकर पीटा। उसने जिला अस्पताल में अपना मेडिकल परीक्षण भी कराया है। इस संदर्भ में अयोध्या कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज विवेचना शुरू कर दी गई है।

दिन भर छाए बादल, गलन बढ़ी

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : जिले में रविवार को पूरे दिन बादल छाए रहे। सूर्य देव भी लुकाछिपी का खेल खेलते रहे, जिससे गलन बढ़ गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस नीचे जाने के कारण न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस रहने से शनिवार की रात अब तक की सबसे सर्द मानी गई।

अधिकतम तापमान भी सामान्य से 2.5 डिग्री कम दर्ज किया गया। दिन का पारा महज 23 डिग्री सेल्सियस तक ही पहुंच पाया, जो पिछले कई दिनों की तुलना में काफी कम है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. सीताराम मिश्र ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से ऊपरी वायुमंडल में बादल छाए रहे। इन बादलों ने सूर्य की किरणों को धरती तक पहुंचने से रोक दिया, जिससे दिन में भी ठिठुरन बनी रही। अगले 24 घंटे तक मौसम ऐसा ही रहेगा। दिन में तेज धूप निकलने की संभावना कम है। कोहरा भी बढ़ने की आशंका है। ठंड बढ़ने से लोग अलाव और हीटर का सहारा ले रहे हैं।

रीडगंज फ्लाईओवर से गुजरते वाहन।

- पारा लुढ़का, सीजन की सबसे सर्द रात शनिवार रही

सौगात

रामघाट क्षेत्र में करीब पांच एकड़ में स्थित क्षेत्र में दक्षिण भारत की परंपरा पर आधारित हुआ निर्माण,

देवस्थल के रूप में स्थापित हुआ रामसेवकपुरम

सत्यप्रकाश, अयोध्या।

अमृत विचार: रामनगरी में रामघाट क्षेत्र में करीब पांच एकड़ में स्थित रामसेवकपुरम अब देव स्थल बन चुका है। यहां दक्षिण भारत की परंपरा पर आधारित श्री रामनाथ स्वामी मंदिर, शालिकराम शिलाएं, गणेश कुटी और गणेश वाटिका का निर्माण किया गया है। इस स्थान पर रामलला को समर्पित विशाल धनुष और गदा का भी दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे है।

राम जन्म भूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण पूर्ण हो गया है। दुनिया भर के श्रद्धालु व पर्यटक रामलला के दर्शन कर मंदिर की भव्यता को देख रहे हैं। इसके लिए रामसेवकपुरम का विशेष योगदान है। जो आज दर्शनीय स्थल बन चुका है।जहां आज भी रामायण के प्रसंगों पर श्री रामकथा कुंज निर्माण के लिए 100 अधिक स्मृतियों को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा जल्द ही आने वाले श्रद्धालुओं को रुकने जैसी सुविधा देने का कार्य किया जाएगा।

रामसेवकपुरम में रखी विशाल गदा और धनुष-बाण।

रामसेवकपुरम में रखे शिलाओं को देखने पहुंच रहे श्रद्धालु।

कारसेवकों के आंदोलन में यह रहा है विशेष स्थान : शरद

विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने रविवार को बताया कि कारसेवकों के आंदोलन में रामसेवकपुरम का विशेष स्थान रहा है। 2001 में राम मंदिर निर्माण के संकल्प को लेकर 100 दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया गया था। जिसमें पूरे देश से लाखों राम भक्त अयोध्या पहुंचे थे। सभी भक्तों ने आहुति डाली थी। इस स्थान पर आने वाले सभी राम भक्तों के रुकने की व्यवस्था, भोजन की व्यवस्था बनाई गई थी। इसके साथ ही एक सभा का आयोजन भी किया गया था। यही कारण है कि मंदिर का निर्माण हो रहा है। यह स्थान पहले से ही देव स्थान के रूप में माना जाता था। उन्होंने कहा कि इस स्थान पर मंदिर निर्माण का कार्यशाला भी लंबे समय तक चला, जहां पर आज रामलला की मूर्ति का भी निर्माण किया गया है।अब इस स्थान पर दर्शन के लिए बड़ी संख्या दूर-दूर से श्रद्धालु भी पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र का और विकास कराने के लिए ट्रस्ट मंथन कर रही है।

श्रद्धालुओं को जल्द मिलेंगे परकोटा में विराजमान देवी-देवताओं के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : राममंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को जल्द श्रीराम जन्मभूमि परिसर में मंदिर के 800 मीटर की परिधि में परकोटा कॉरिडोर में बने छह अन्य देवी देवताओं के भी दर्शन प्राप्त होंगे। इसके पहले इन मंदिरों के शिखर ध्वज की स्थापना की जाएगा। इसके लिए 13 दिसंबर को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक निर्णय लिया जाएगा। परकोटा कॉरिडोर के चार कोण चार मंदिर का निर्माण किया गया है। जिसमे गणेश, भगवान सूर्य, मां भगवती और भगवान शंकर इसके अलावा उतर व दक्षिण भुज पर माता अन्नपूर्णा देवी और हनुमान जी का मंदिर स्थापित किया गया है। मंदिरों में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भी संपन्न भी संपन्न हो चुका है। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक मंदिर परकोटा में श्रद्धालुओं के दर्शन कराए जाने पर विचार किया जा रहा है।

फोर लेन पथ के लिए छावनी क्षेत्र में चिह्नांकन का काम शुरू

डेढ़ साल से लटके कैंट में 14कोसी परिक्रमा पथ के चौड़ीकरण की उम्मीद | 1140 करोड़ से पूरा हो रहा 24 किमी. का चौड़ीकरण

अयोध्या कार्यालय

अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर दौड़ते वाहन।

अमृत विचार: फैजाबाद छावनी क्षेत्र में 14 कोसी परिक्रमा पथ के चौड़ीकरण का काम लगभग डेढ़ साल से लटका था। अब इसके जल्द शुरू होने की उम्मीद है। कैंट क्षेत्र में फोर लेन परिक्रमा पथ के लिए सर्वे के साथ जमीन चिंहित किए जाने का काम शुरू किया गया है।

अयोध्या के 14 कोसी परिक्रमा पथ के चौड़ीकरण का काम लगभग डेढ़ साल पहले शुरू किया गया था। कैंट क्षेत्र में भी उसी समय इसके चौड़ीकरण का प्रयास शुरू किया गया था। तत्कालीन अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह ने इसको लेकर कैंट बोर्ड के अफसरों के साथ बैठक और बातचीत की थी। उस समय उन्होंने बताया था कि छावनी क्षेत्र में 14 कोसी परिक्रमा पथ का चौड़ीकरण वहीं से कराए जाने का प्रस्ताव है। इसको लेकर कई बार बात की गई लेकिन तब से अब तक चौड़ीकरण का यह काम लटका हुआ था। जबकि शहरी क्षेत्र में चौड़ीकरण का काम लगभग पूरा होने वाला है। 14 कोसी परिक्रमा पथ सरकार की प्राथमिकता में है, लेकिन काम न होने से किरकिरी हो रही है। अब यह काम भी संभवतः लोक निर्माण विभाग से कराए जाने की तैयारी है।

नए सिरे से 14 कोसी परिक्रमा पथ के चौड़ीकरण का काम शुरू किए जाने की तैयारी है। इसके लिए कैंट क्षेत्र में फोरलेन की जमीन का सर्वे और चिंहित किए जाने का काम शुरू हो गया है। कैंट क्षेत्र में तीन-चार किमी. से ज्यादा लंबाई में पथ का चौड़ीकरण किया जाना है। सर्वे में कैंट क्षेत्र के बड़ी संख्या में पेड़ इसके दायरे में आने की संभावना है। पेड़ों को बचाने के लिए लिए शनिवार को जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने प्रभागीय वनाधिकारी प्रखर गुप्ता, लोक निर्माण विभाग खंड तीन के अधिशाषी अभियंता, छावनी परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के साथ संबंधित विभाग के अफसरों के साथ इसका निरीक्षण किया था। उन्होंने फोर लेन के सर्वे में पेड़ों की संख्या न्यनूतम करके सर्वे का काम पूरा किए जाने का निर्देश दिया। साथ ही कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को जल्द से जल्द इसका निर्माण शुरू कराए जाने का निर्देश भी दिया।

42 में 24 किमी. के पथ पर चल रहा काम

14 कोसी परिक्रमा मार्ग लगभग 42 किमी. लंबा है। 1140 करोड़ की लागत से लगभग 24 किमी. के पथ पर काम डेढ़.साल से चल रहा है। यह पथ का अयोध्या और फैजाबाद का शहरी हिस्सा है। इसे जल्द पूरा किए जाने का लक्ष्य है। लगभग चार किमी का पथ छावनी क्षेत्र में पड़ता है। लगभग 08 से 10 किमी. में परिक्रमा पथ सरयू के किनारे-किनारे चलता है। इसके बाद अयोध्या नगर क्षेत्र में नया घाट के पहले का पथ लगभग तीन से चार किमी. का है।

जलवायु परिवर्तन व उच्च तापमान के प्रति सहनशील प्रजातियों पर शोध शुरू

अयोध्या कार्यालय।

- उपकार की मदद से नरेंद्र देव कृषि विवि के वैज्ञानिक कर रहे गेहूं पर शोध

अमृत विचार: गेहूं की फसल में अत्यधिक तापमान की परिस्थितियों में होने वाले शारीरिक एवं जैव-रासायनिक परिवर्तनों का अध्ययन शुरू किया गया है। यह शोध कार्य आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विश्वविद्यालय के फसल विभाग में शुरू किया गया है। शोध उपकार के वित्तीय सहयोग शुरू किया गया है।

वैश्विक तापमान एवं जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों में इस परियोजना को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। परियोजना के मुख्य अन्वेषक फसल कार्यकी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. आलोक कुमार सिंह ने बताया कि गेहूं की बुवाई देर से करने पर उच्च तापमान के कारण उसकी उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उत्पादकता कम हो जाती है जिससे गन्ना किसानों को पेड़ी के खेत में बुवाई करने पर उत्पादन कम मिल पाता है। इस शोध में गेहूं की फसल की बुवाई हम तीन बार में करेंगे। पहली बुवाई समय से पहले, दूसरा समय से और तीसरा देर से करेंगे। तीनों बुवाई के फसल पर अलग अलग तापमान की स्थिति का आंकलन किया जाएगा। उन तापमान (टर्मिनल हीट स्ट्रेस) के दौरान फसल के अंदर होने वाले शारीरिक, जैव-रासायनिक एवं आणविक परिवर्तनों को अपनी प्रयोगशाला के माध्यम से समझने का प्रयास किया जाएगा कि तापमान के बढ़ने पर फसल के फिजियोलॉजी पर किस प्रकार का प्रभाव होता है जिससे दानों के आकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आगे चलकर उन्हीं प्रभावों को कंट्रोल कर उत्तर प्रदेश में देर से गेहूं की बुवाई होने पर भी उसकी उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

परियोजना कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की प्रेरणा एवं उपकार लखनऊ के महानिदेशक डॉ .संजय सिंह के सहयोग से उत्तर प्रदेश के किसानों को बदलते जलवायु परिवर्तन के अनुरूप बेहतर विकल्प के लिए संचालित की जा रही है। निदेशक शोध डॉ. शंभु प्रसाद ने परियोजना की शुरुआत शोध फॉर्म पर बुवाई करके शुरू किया। कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण गेहूं जैसी महत्वपूर्ण रबी फसलें सबसे अधिक प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में इस प्रकार के वैज्ञानिक शोध तंत्र कृषि उत्पादन को स्थिर रखने और किसानों की आय एवं उनकी उत्पादन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर धीरेन्द्र सिंह से बताया कि यह शोध कार्य उत्तर प्रदेश सहित देश के समस्त गेहूं उत्पादक क्षेत्रों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

साधु-संतों ने निकाली सनातन धर्म जागरण रथ यात्रा। अमृत विचार

साधु-संतों ने निकाली सनातन धर्म जागरण रथ यात्रा

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम मंदिर निर्माण पूर्ण होने के संकल्प पर अखिल भारतीय श्री पंच तेरा भाई त्यागी खाक चौक मंदिर से भव्य रथ के साथ सनातन धर्म जागरण के पारंपरिक यात्रा का शुभारंभ किया गया। जिसमें 24 से अधिक साधु संत चार धाम की पदयात्रा करेंगे। महंत परशुराम दास महाराज ने बताया कि यह पदयात्रा द्वादश ज्योतिर्लिंग, चारधाम और सप्तपुरी सहित देशभर के प्रमुख तीर्थस्थलों का भ्रमण करेगी। जो लगभग पांच वर्ष तक संत विभिन्न राज्यों में धर्मप्रचार , भजन-कीर्तन और जनजागरण करते हुए आगे बढ़ेंगे तथा हरिद्वार में यात्रा का समापन होगा। यात्रा संचालक नरसिंह दास ने कहा कि पदयात्रा देश के सभी प्रमुख तीर्थों और राज्यों में जाएगी। रथ यात्रा भी साथ चलेगा, स्थान-स्थान पर भजन-कीर्तन होंगे और लोगों को धार्मिक जागरूकता के लिए प्रेरित किया जाएगा। देश में बाबर के नाम पर मस्जिद बनवाना गलत है।

भाजपा सरकार की नीतियां हानिकारक

अयोध्या कार्यालय

कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते पूर्व सांसद निर्मल खत्री।

- 14 की दिल्ली रैली में बड़ी संख्या में पहुंचेंगे कार्यकर्ता

अमृत विचार: दिल्ली में 14 दिसंबर को होने वाली कांग्रेस पार्टी की रैली ऐतिहासिक होगी। अयोध्या से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को इस रैली में शामिल होकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना योगदान देना चाहिए। यह बातें पूर्व सांसद डॉ. निर्मल खत्री ने रविवार को कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर महानगर कांग्रेस कमेटी से आयोजित मासिक बैठक में कहीं। कहा कि भाजपा सरकार की नीतियाँ आम जनता के लिए लगातार हानिकारक सिद्ध हो रही हैं। अध्यक्षता कर रहे महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकता ही संगठन की असली ताकत है। जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि हमें घर-घर जाकर भाजपा की विफलताओं को उजागर करना होगा। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह और रामदास वर्मा ने कहा कि महंगाई, बेरोज़गारी, किसानों और युवाओं के मुद्दों को उठाना और जनता तक पहुँचाना हमारी जिम्मेदारी है।

जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया कि 14 दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित रैली में भाग लेने के लिए प्रत्येक ब्लॉक से तथा वार्डों से कार्यकर्ता बस और निजी वाहनों से दिल्ली गांधी पार्क के लिए जाएंगे। बैठक में पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह, महिला महानगर अध्यक्ष नाजिश फातिमा, फ्लावर नकवी सहित अन्य लोग थे।

प्रदेशीय विद्यालयीय एथलेटिक्स अंडर-17 टीम घोषित

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 13 से 17 दिसम्बर तक उप्र के लखनऊ में आयोजित होने वाली 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय एथलेटिक्स अंडर-17 प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली उप्र टीम रविवार को डॉ. आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान के प्राचार्य आरपी शर्मा की ओर से घोषित कर दी गई।

चयनित टीम क्रीड़ा संस्थान से 12 दिसम्बर को प्रतियोगिता के लिए रवाना होगी। चयनित बालक टीम में वाराणसी के हरित चौधरी, शरद शर्मा, आदित्य यादव, लखनऊ के ऋषभ तोमर, समीर खान, सत्यम कैलाश पाल, अतुल यादव, बरेली के मो. आमिर, फिरोजाबाद के शिवम यादव, शिवम, प्रियांशु, मुजफ्फरनगर के सागर प्रजापति, गोरखपुर के हनु यादव, प्रयागराज के सुधीर, मो. कैफ, अमित कुमार यादव, बागपत के अनुराग, मेरठ के प्रशान्त शामिल हैं। बालिका टीम में वाराणसी की काजल कुमारी, चांदनी, खुशी पटेल, अयोध्या की कोमल यादव, गीता यादव, गाजीपुर की नन्दिनी राजभर, खुशबू यादव, फिरोजाबाद की रीना, गाजीपुर की आरती कश्यप, देवरिया की अंकिता प्रजापति, अमरोहा की हिमिका सिद्धू, बुलन्दशहर की कृति चौधरी, मुजफ्फरनगर की खुशी, गौतमबुद्ध नगर की अवनी भाटी, मोनिका, मेरठ की आकांक्षा सिंह गुर्जर, आस्था, बिजनौर की तनु चौधरी, प्रयागराज की शिप्रा पटेल शामिल हैं। झांसी के अजय रजक व सुल्तानपुर की शशिकला मौर्या को टीम कोच और लखनऊ की सुशीला व बलिया के मो. दानिश को टीम मैनेजर बनाया गया है।

सत्कर्म ही मोक्ष का द्वार : कथा व्यास

रानी बाजार, अमृत विचार : माधव सर्वोदय ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस में श्री शिव महापुराण कथा के छठवें दिन कथा व्यास ने भगवान शिव पार्वती के विवाह के बाद पार्वती जी की विदाई, भगवान कार्तिकेय व गणपति के जन्म की कथा सुनाई। भक्ति, आराधना, साधना और सत्संग की महिमा को समझाया। श्रोताओं ने सत्कर्मों के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। कथा के अवसर पर माधव प्रसाद पाठक, धर्मेन्द्र कुमार पाठक, अरविंद पाठक, वीरेंद्र पाठक, नागेंद्र पाठक, उज्जवल पाठक, नगर संघ चालक महंत जयराम दास, आरएसएस संघ सह विभाग प्रचारक शैलेन्द्र आदि थे।

22 लाख रुपये से होगा ढेमवा घाट अंत्येष्ठि स्थल का जीर्णोद्धार

सोहावल, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के सरयू नदी तट पर स्थित ढेमवा घाट अंत्येष्ठि स्थल का पुनरुद्धार लगभग 22 लाख रुपये से किया जाएगा। यह घोषणआ बीकापुर विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान ने की है। इसके तहत परिसर में एक नया श्मशान शेड, अंतिम यात्रा में आने वाले लोगों को बैठने के लिए टीन शेड की सुविधा तैयार की जाएगी। पूरे परिसर में इंटरलॉकिंग कार्य कराया जाएगा, पहुंच मार्ग दुरुस्त किया जाएगा। इस पहल की स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की है।

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर घेरा थाना

अयोध्या कार्यालय।

महराजगंज थाने का घेराव करते ग्रामीण। अमृत विचार

- थाना महराजगंज अंतर्गत एक गांव में युवती से छेड़छाड़ के बाद पीटने का मामला

अमृत विचार : थाना महराजगंज अंतर्गत एक गांव में सगे भाइयों द्वारा 19 वर्षीय एक युवती के साथ छेड़खानी करने, विरोध करने पर बुरी तरह से पीटने के मामले में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिवार के लोगों व ग्रामीणों ने रविवार को थाना महराजगंज का घेराव कर विरोध जताया। उनका आरोप है कि आरोपी अभी भी गांव में घूम रहा है व परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। सूचना पर पहुंचे सीओ सदर अरविंद सोनकर के आश्वासन पर ग्रामीण माने।

गत दिवस पीड़िता की मां खेत पर व दोनों भाई काम पर गए थे। दोपहर में गांव का ही अजीत घर में घुस गया व उससे छेड़खानी करने लगा। विरोध करने पर अपने भाई ओमकार को बुलाकर युवती को लाठी डंडों से मारा, जिससे हाथ-पैर व शरीर पर गंभीर चोट आई व बेहोश हो गई। उसे सीएचसी मया बाजार ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था।

मामले में पुलिस ने मां की तहरीर पर दोनों भाइयों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर एक आरोपी ओमकार को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया था। जबकि मुख्य आरोपी अजीत पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा। इससे नाराज पीड़िता के परिवारीजनों व स्थानीय ग्रामीणों ने रविवार की दोपहर करीब एक बजे थाना महराजगंज का घेराव कर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी राम बहादुर, रामनाथ, शिवनारायन, मंशाराम, शोभावती, अनीता, शांति, सुदामा आदि ने बताया कि आरोपी अजीत दबंग किस्म का युवक है, उसने गांव की महिलाओं व युवतियों का जीना हराम कर रखा है। केस दर्ज होने के बाद भी वह गांव में सरेआम घूम रहा है व पीड़िता के परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। सीओ सदर अरविंद सोनकर ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित की गई है, जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आठ स्थानों पर रैन बसेरे, 257 पर जलेंगे अलाव

अयोध्या कार्यालय।

- 580 से अधिक लोगों को मिलेगा सुरक्षित आश्रय

अमृत विचार : गरीब, बेसहारा और जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए नगर निगम ने आठ प्रमुख स्थानों पर स्थायी और अस्थायी रैन बसेरे बनाने का काम शुरू कर दिया है। इनमें 580 से अधिक लोगों के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही 257 स्थानों पर अलाव की भी योजना बनाई जा रही है।

आश्रय गृहों में न सिर्फ रहने की सुरक्षित जगह होगी, बल्कि गर्म कंबल, पीने का पानी, शौचालय और प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर नगर निगम वार्डों में कंबल वितरण भी करेगा। सबसे बड़ी क्षमता वाला रैन बसेरा निषादराज गुहा में है, जहां एक साथ 300 लोग ठहर सकेंगे। रामकथा पार्क और कोरिया पार्क में भी स्थायी सुविधाएं हैं, जबकि बाकी छह स्थान अस्थायी तौर पर तैयार किए जा रहे हैं। सभी रैन बसेरों में महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से व्यवस्था रहेगी। सुरक्षा के मद्देनजर वहां पुलिसकर्मी और नगर निगम के कर्मचारी तैनात रहेंगे। अलाव की व्यवस्था चौक-चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और घनी आबादी वाले इलाकों में की जा रही है।

यहां ठहरने की रहेगी व्यवस्था

आश्रय स्थल	प्रकार	क्षमता
1-रामकथा पार्क	स्थायी	40 बेड
2-निषादराज गुहा	स्थायी	300 बेड
3-अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन	अस्थायी	30 बेड
4-गांधी पार्क, अयोध्या कैंट	अस्थायी	30 बेड
5-अयोध्या कैंट रोडवेज बस स्टेशन	अस्थायी	30 बेड
6-साकेत ओवर ब्रिज के नीचे	अस्थायी	30 बेड
7-कौशलेश कुंज पार्किंग	अस्थायी	30 बेड
8-कोरिया पार्क डॉरमेट्री	अस्थायी	90 बेड

> राम मंदिर निर्माण और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर निगम प्रशासन सतर्क है। आने वाले दिनों में यदि तापमान और गिरता है तो रैन बसेरों की संख्या और क्षमता में इजाफा किया जाएगा। **-जयेंद्र कुमार, नगर आयुक्त।**

मखदूम साहब का 609 वां उर्स धूमधाम से मनाया गया

रुदौली, अयोध्या। अमृत विचार : खानकाह-ए-मखदूम साहब रुदौली में हजरत शेख-उल -आलम मखदूम साहब का 609वाँ सालाना उर्स बड़े अदब व एहतेराम के साथ संपन्न हो गया। देश-विदेश से आए जायरीन और इलाके के लोग शनिवार देर रात से ही मजार शरीफ पर जमा होने लगे थे। रविवार तड़के करीब 5 बजे महफिल-ए-समाअ के बाद कुल शरीफ का फातेहा पढ़ा गया। सज्जादा नशीन हजरत शाह अम्मार अहमद अहमदी नय्यर मियां साहब ने खुद मजार शरीफ को केवड़ा और इत्र से गुस्ल दिया तथा खिरके शरीफ व पवित्र तबर्कात (बुजुर्गों के आलम-ए-तबर्कात) की जियारत कराई। इस मौके पर देश की प्रमुख दरगाहों से सज्जादा नशीनों ने शिरकत की। जिनमें दरगाह आला हजरत साबिर पाक कलियर शरीफ उत्तराखंड से सज्जादा नशीन शाह अली मंजर एजाज साबिरी अलीशाह, सफीपुर शरीफ से सज्जादा नशीन अफजल, बदायूँ शरीफ खानकाह-ए-कादिरिया से मौलाना अज्जम मियां कादरी, खानकाह-ए-कलीमिया से सज्जादा नशीन आदिल कलीमी, दरगाह हजरत शाह मीना लखनऊ से सज्जादा नशीन राशिद मिनाई, जानेता शरीफ से शामी सहित कई खानकाहों और दरगाहों के सज्जादा नशीन व खादिमान शामिल हुए। जियारत और दुआ के साथ उर्स मुकम्मल हुआ। मजार शरीफ पर सुबह से शाम तक जायरीनों का तांता लगा रहा।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है शत-प्रतिशत मतदाता पंजीकरण: लल्लू

अयोध्या कार्यालय

शंकरगढ़ बाजार में लगे मतदाता पुनरीक्षण शिविर में मौजूद पूर्व सांसद लल्लू सिंह।

अमृत विचार: विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को गति देने के लिए रविवार को पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने शक्ति केन्द्र रानोपाली और सहादतगंज के विभिन्न बूथों का भ्रमण किया। उन्होंने शंकरगढ़ बाजार में लगे पुनरीक्षण कैम्प में पहुंचकर अभियान के प्रगति की जानकारी ली। बूथ स्तरीय अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

पूर्व सांसद ने मतदाता सूची को लोकतंत्र की मजबूत नींव बताया। कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है। कोई भी योग्य व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहे, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बूथ स्तर पर घर-घर पहुंचकर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृतकों के नाम हटाने और त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को ठीक कराने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर शक्ति केन्द्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, बीएलओ एवं कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। भ्रमण में उन्होंने व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

कवायद | नियोजन विभाग ने जिम्मेदारी जिलाधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी को दी

डीबीटी से वंचित 45 हजार बच्चों को जाएगा तलाशा

अयोध्या कार्यालय।

- ब्लॉक और ग्राम पंचायत वार चलेगा अभियान, ऐसे बच्चों को चिन्हित कर स्कूलों में दिलाया जाएगा दाखिला

प्रतीकात्मक फोटो

अमृत विचार : जिले के 45 हजार बच्चों को पांच साल में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजना से अभी तक कोई लाभ नहीं मिल पाया है। इन बच्चों की उम्र 06 से 14 वर्ष है और ये या तो कभी स्कूल नहीं गए या बीच में ही पढ़ाई छोड़ चुके हैं। नियोजन एवं सांख्यिकी विभाग के जीरो पॉवर्टी पोर्टल पर ऐसे बच्चों को शत-प्रतिशत डीबीटी कवरेज में लाने के लिए सरकार ने विशेष अभियान शुरू करने का फैसला किया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर टीम गठित कर घर-घर सर्वे कराया जाए। छूटे हुए प्रत्येक बच्चे को नजदीकी परिषदीय प्राथमिक या जूनियर स्कूल में दाखिला दिलाकर उसके अभिभावक के खाते में यूनिफॉर्म, स्वेटर, बैग-जूता-मोजा आदि के लिए 1200 रुपये की राशि तत्काल डीबीटी के जरिए भिजवाई जाए। बेसिक शिक्षा अधिकारी को अभियान की नोडल एजेंसी बनाया गया है। बीएसए कार्यालय ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को निर्देश जारी कर दिए हैं कि 15 दिसंबर तक सर्वे पूरा कर सूची अपलोड की जाए।

आधार सीडिंग में दिक्कत आने वाले अभिभावकों के लिए स्कूलों में ही कैंप लगाकर आधार अपडेट और बैंक खाता लिंकिंग की व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है आधार सीडिंग और गलत बैंक विवरण के कारण करीब 45 हजार बच्चे अभी भी वंचित हैं। जिले में भी पिछले वर्ष की तरह इस बार शत-प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य रखा गया है।

> यह अभियान सिर्फ आंकड़ों की पूर्ति नहीं, बल्कि गरीब बच्चों को स्कूल से जोड़ने और कुपोषण-गरीबी उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 31 दिसंबर तक जिले को डीबीटी में 100 प्रतिशत कवरेज वाला जिला बनाने का लक्ष्य रखा गया है। **-लालचंद, बेसिक शिक्षा अधिकारी।**

वीरांगना ऊदा देवी पासी का बलिदान प्रेरणा स्त्रोत: बैजनाथ

बारुन, अयोध्या।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार: विकासखंड मिल्कीपुर के ग्राम पंचायत मजनाई में वीरांगना ऊदा देवी पासी का शौर्य दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति/ जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी का बलिदान राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाते हुए देश के स्वाधीनता संग्राम में अपना विशेष योगदान दिया।

विशिष्ट अतिथि मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने कहा कि ऊदा देवी पासी का बलिदान पासी समाज के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित किया है। मुख्य वक्ता अमिता बौद्ध, अमर बहादुर, राधेश्याम त्यागी, पवन, डॉ बृजेश, विजयपाल, गायत्री समेत कई ने संबोधित किया। अध्यक्षता त्रिलोकीनाथ पासी व संचालन जितेंद्र कुमार पासवान ने किया।

कार्यक्रम में हाईस्कूल वर्ष 2024 की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्रा नीलाक्षी पुत्री काली प्रसाद, साक्षी पुत्री प्रहलाद, रागिनी यादव पुत्री गंगा प्रसाद, नंदिनी पुत्री छेदीलाल, अंजली पुत्री रवीन्द्र कुमार, आयुष पुत्र राकेश कुमार को सम्मानित किया गया। छाया चित्रकार चांदनी रावत को प्रोत्साहन राशि देकर पुरस्कृत किया। वीरांगना ऊदा देवी स्वयं सहायता समूह मजनाई की तरफ से क्षेत्र की 51 महिलाओं को कंबल वितरित किया गया। जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी, उम्मीद किरण सेवा संस्थान अध्यक्ष लालचन्द्र चौरसिया, प्रधान प्रतिनिधि कैलाश जायसवाल, कार्यक्रम सहसंयोजक घनश्याम पासी, राम गनेश पासी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञानी तलाशेंगे मूंग, चना और बाजरा की बेहतर किस्में

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय अर्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के बीच एक समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर हुये। कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान हैदराबाद की तरफ से महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि इससे कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध का मौका मिलेगा। वैज्ञानिक हैदराबाद के इस संस्थान में शोध के जरिए बाजरा,चना मूंग, उड़द, सोयाबीन जैसी फसलों की बेहतर किस्में विकसित कर सकेंगे। वैज्ञानिक एवं छात्रों को प्रशिक्षण का मौका मिलेगा। इसके अलावा वैज्ञानिकों को छोटे और सीमांत किसानों के लिए कम लागत वाली तथा जलवायु समर्थित तकनीकों को भी विकसित करने में मदद मिलेगी।

इसके साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के वैज्ञानिक भी कृषि विश्वविद्यालय पहुंचकर यहां के शोध कार्यों की बारीकियों से रू-ब-रू होंगे और वैज्ञानिकों को अनुसंधान में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय संस्थान का लक्ष्य गरीबी और भूख को कम करना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए कृषि को मजबूत बनाना है। इस समझौते के बाद कृषि प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय भी तेजी के साथ कार्य करेगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते कुलपति डॉ .बिजेंद्र सिंह व महानिदेशक डॉ . हिमांशु पाठक।

- आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि व अंतरराष्ट्रीय अर्ध शुष्क उष्ण कटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के बीच हुआ एमओयू

पुलिसकर्मियों व उनके परिवारों को दिया गया नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर। जनपद में उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन वामा सारथी ने वामा वेलनेस कैंप का आयोजन किया। आयुष विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से पुलिस लाइन के बहुउद्देशीय हॉल में आयोजित इस शिविर में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को नि :शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा परामर्श और दवाएं प्रदान की गईं। इस चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पुलिसकर्मियों, उनके परिवार के सदस्यों और रिक्रूट आरक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में पुलिसकर्मी, उनके परिवार के सदस्य और रिक्रूट आरक्षकों सहित कुल 50 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। को नि :शुल्क परामर्श के साथ आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर के सफल आयोजन में जनपदीय अध्यक्ष अपर्णा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार, प्रतिसार निरीक्षक की पत्नी कृष्णा सिंह, मिशन शक्ति प्रभारी शिवांगी और अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा में पहली बार तहसील-स्तरीय टास्क फोर्स, एसडीएम संभालेंगे कमान

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा-2026 को पूरी तरह नकल-विहीन एवं पारदर्शी बनाने के लिए पहली बार जिले की सभी छह तहसीलों में अलग-अलग टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। मुख्य विकास अधिकारी को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी बनाया जाएगा, जो पूरे अभियान की निगरानी करेंगे।

जिले में इस बार कुल 109 परीक्षा केंद्र बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इन सभी केंद्रों की सघन निगरानी के लिए प्रत्येक तहसील अयोध्या सदर, गोसाईगंज, मिल्कीपुर, रुदौली एवं बीकापुर तथा सोहावल में अलग-अलग टास्क फोर्स होगी। प्रत्येक टास्क फोर्स का नेतृत्व संबंधित उप जिलाधिकारी करेंगे तथा तहसीलदार सह-नेतृत्व करेंगे। टास्क फोर्स में पांच-पांच राजस्व कर्मी लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक भी शामिल रहेंगे। जो परीक्षा के दौरान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर की परिधि में धारा-144 के तहत प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित की जाए तथा फोटोस्टेट की दुकानें परीक्षा अवधि में बंद रखी जाएं। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जामर एवं वॉयस रिकॉर्डर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। वहीं अभी तक उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से केंद्र निर्धारण की अंतिम संस्तुति नहीं मिली है। बोर्ड की संस्तुति मिलते ही केंद्रों का अंतिम रूप दिया जाएगा।

- मुख्य विकास अधिकारी होंगे नोडल, छह तहसीलों के राजस्व कर्मी टीम में होंगे शामिल

> इस बार कड़े सुरक्षा इंतजाम के साथ परीक्षा कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। बोर्ड परीक्षा छात्रों के भविष्य से जुड़ा संवेदनशील मामला है, इसलिए कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नकल माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पहली बार तहसील-स्तरीय टास्क फोर्स बनने से परीक्षा प्रक्रिया में और पारदर्शिता आएगी तथा नकल की आशंका न्यूनतम हो जाएगी।
> -डॉ. पवन कुमार तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक।

टीम का उत्साहवर्धन करने दुबई जाएंगे उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ के पदाधिकारी

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ द्वारा 7 से 10 नवंबर तक सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, अयोध्या में आयोजित केएसई कप मुक्केबाजी प्रतियोगिता में चयनित भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम 2 से 13 दिसंबर तक दुबई में आयोजित पुरुष आईबीए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 में प्रतिभाग कर रही है।

टीम को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष विशाल गुप्ता, महासचिव उपेंद्र पांडेय और संयुक्त सचिव अभिषेक अग्रवाल 9 दिसंबर को दुबई के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष विशाल गुप्ता ने बताया कि चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम गर्व से ऊंचा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम की वापसी पर उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ की ओर से खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में उन मुक्केबाजों को विशेष सम्मान दिया जाएगा, जिन्होंने चैम्पियनशिप में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

- दुबई में आयोजित की जा रही पुरुष आईबीए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप

विशाल गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष, उप्र बॉक्सिंग संघ

इमामबाड़ा मीरानपुर में हजरत अली की याद में होगा भव्य सम्मेलन

अंबेडकरनगर। बड़ा इमामबाड़ा मीरानपुर में आगामी 11 जनवरी को हजरत अली के संदेशों का संग्रह नहजुल बलागा के संदर्भ में एक दिवसीय भव्य सम्मेलन का आयोजन होगा। सुबह 09 बजे से 12 बजे तक और दोपहर 02 से शाम 05 बजे तक दो सत्रों में आयोजित होने वाले उक्त सम्मेलन में शिया धर्मगुरुओं के अतिरिक्त सर्वसमाज के विद्वानों, शिक्षाविदों और सभी वर्गों के मेधावियों समेत मुख्यत: शिया समाज के आमजन शामिल होंगे। किताब खाना के निदेशक और कार्फ्रेंस के संयोजक मौलाना सैयद हैदर अब्बास रिजवी ने बताया कि कुरान मजीद के बाद इस्लाम धर्म की प्रामाणिक पुस्तकों में नहजुल बलागा को माना जाता है।

एसआईआर फार्म न भरने पर सूची से बाहर होंगे मतदाता

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जिला निर्वाचन कार्यालय मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान लगभग तीन लाख लापता मतदाताओं की तलाश कर रहा है। इन मतदाताओं की गहन जांच के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने बूथ लेवल अधिकारियों समेत अन्य कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।

बता दें कि जनपद में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूरा हो गया है। कुल 18 लाख 70 हजार 776 पंजीकृत मतदाताओं में से 16 लाख 50 हजार मतदाताओं के एसआईआर प्रपत्र भरकर ऑनलाइन किए जा चुके हैं। वहीं लगभग 2 लाख 20 हजार मतदाताओं ने अभी तक अपना एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं ने फॉर्म नहीं भरा है, उन्हें कार्यालय से नोटिस जारी किया जाएगा। पलायन कर चुके मतदाताओं से उनके वर्तमान निवास स्थान की जानकारी मांगी गई है। मतदाताओं द्वारा 11 दिसंबर तक सूचना देने का इंतजार किया जाएगा, जिसके बाद भी जानकारी न मिलने पर उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त लगभग ढाई लाख मतदाताओं की वर्ष 2003 की मतदाता सूची से अभी तक मैपिंग नहीं हुई है। इन दोनों श्रेणियों के मतदाताओं को 11 दिसंबर तक अपने साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा उन्हें नोटिस जारी कर नाम जोड़ने से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। आगामी 12 दिसंबर को दोपहर 12 बजे जिला निर्वाचन कार्यालय में सभी बीएलओ और बूथ लेवल एजेंट की एक बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में एसआईआर फॉर्म न भरने वाले और मैपिंग न हुए मतदाताओं की सूची उनके समक्ष रखी जाएगी। 2025 और 2003 की मतदाता सूची से मिलान कर चुके मतदाताओं की सूची भी तैयार की जाएगी।

- लापता मतदाताओं की जांच के लिए बूथ लेवल अधिकारियों समेत अन्य कर्मचारियों को सौंपी गई है जिम्मेदारी

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें किसान

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। कृषि निदेशक उप्र द्वारा जनपद के लिए जारी कार्ययोजना के क्रम में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देशन में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के तहत श्रवण क्षेत्र धाम में लगा चार दिवसीय विराट किसान मेला रविवार को संपन्न हुआ।

रविवार को श्रवण धाम क्षेत्र में आयोजित विराट किसान मेले में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी डॉ. हरिओम पाण्डेय मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के निदेशक प्रसार डॉ. राम बटुक सिंह शामिल हुए। वहीं मेले की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने किया। एमएलसी डॉ. हरिओम पाण्डेय ने किसानों को स्टाल भ्रमण करने और खेती के साथ पशुपालन, मधुपालन, मत्स्य पालन करने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पारम्परिक खेती से हटकर फल-फूलों और सब्जियों के विशेष ध्यान देते हुए प्राकृतिक खेती करने के लिए जागरूक किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. राम बटुक सिंह ने नवीन प्रकार के कृषि यंत्रों के उपयोग कर आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाकर उससे अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए उपस्थित किसानों को विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा जनपद के किसानों से आह्वान किया गया कि मेले में लगे विभिन्न स्टालों के माध्यम से सम्बन्धित विभागों से सम्पर्क कर सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

वहीं कृषि विज्ञान केंद्र पांती के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामजीत ने वैज्ञानिक खेती के बारे में जानकारी दी। मेले में मुख्य रूप से महामाया कृषि इंजिनियरिंग कालेज, सोलर रोटोमैक कम्पनी, मत्स्य विभाग, गन्ना विभाग, भूमि संरक्षण, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, इफको, एनआरएलएम कृषि विज्ञान केंद्र, पशुपालन विभाग के स्टाल लगाए गए थे।

किसान मेले में एमएलसी डॉ . हरिओम पांडेय का स्वागत करते उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह व साथ में मौजूद अन्य अधिकारी। अमृत विचार

- श्रवण धाम में आयोजित मेले में किसानों को विभिन्न विभागों द्वारा लगाएं गए स्टॉलों के माध्यम से किया गया जागरूक

शौर्य दिवस आस्था संकल्प और स्वाभिमान का प्रतीक

जलालपुर, अंबेडकरनगर। हनुमान गढ़ी, दुर्गा मंदिर यादव चौराहे पर विश्व हिंदू परिषद की ओर से शौर्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विभाग संगठन मंत्री विहिप केशव प्रसाद श्रीवास्तव, पूर्व जिला अध्यक्ष विहिप ओमप्रकाश सिंह, राम दौर मिश्र, डॉ. महेंद्र प्रताप चौहान, नगर अध्यक्ष आदित्य मिश्र, नगर संयोजक बजरंग दल सत्यम यादव सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे। शौर्य दिवस पर वक्ताओं ने ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन हिंदू जनमानस की आस्था, संकल्प और स्वाभिमान का प्रतीक है।

छात्राओं को रंगोली के माध्यम से हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। मिशन शक्ति फेस 5.0 के तहत जनपद के लगभग सभी माध्यमिक विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं को विभिन्न योजनओं और हेल्पलाइन नबंरों के बारे में जागरूक किया गया।

बता दें कि छात्राओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न विद्यालयों राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज इनामीपुर टांडा, राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब, राजकीय बालिका हाईस्कूल बड़ेपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नगर पालिका परिषद टांडा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज खजूरडीह पहितीपुर, राजकीय हाईस्कूल जहांगीरगंज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जलालपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भीटी, राजकीय बालिका हाईस्कूल अहिरौली, रानी मऊ रामनाथ परमात्मा प्रसाद हाईस्कूल पतौना आदि विभिन्न विद्यालय में प्रमुख रूप से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन नंबर, 101 अग्निशमन सेवा, 102 गर्भवती महिला एंबुलेंस सेवा, 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा आदि के बारे में जागरूक किया गया।

भू-राजस्व का बकाया न जमा करने पर हुई कुर्की की कार्रवाई

जलालपुर, अंबेडकरनगर। भू-राजस्व की बकाया राशि जमा न करने पर उपजिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने ग्राम खालिसपुर भटौली निवासी अरविंद पुत्र धर्मराज यादव की भूमि पर कुर्की की कार्रवाई की है। निर्धारित नियम 158 व 162 के तहत की गई इस कार्यवाही में भूमि को शासन द्वारा निषिद्ध व अवरुद्ध घोषित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार अरविंद यादव पर 1 लाख 59 हजार रुपए का भू-राजस्व बकाया था, जिसे निर्धारित समयावधि में जमा न करने पर प्रशासन ने कठोर कदम उठाया। कुर्क की गई भूमि को क्षेत्रीय लेखपाल की मौजूदगी में मौके पर चिन्हित करते हुए झंडी लगाई गई है।

विवाद में बेटे ने की थी मां की हत्या, गिरफ्तार

टांडा, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। टांडा थाना क्षेत्र के ग्राम हजलापुर में दुकान को लेकर हुए विवाद में मां की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। घटना बीते मंगलवार को हुई थी, जबकि पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर पूरा मामला उजागर कर दिया।

बता दें कि पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल से लगातार जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी राहुल पुत्र हीरालाल (19 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी राहुल ने पुलिस को बताया कि वह रोज दुकान पर मेहनत करता था, मगर दुकान की सारी कमाई उसकी मां अपने पास रखती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोपी का यह भी कहना है कि उसकी मां दुकान छोटे भाइयों को देना चाहती थी, जिससे वह नाराज़ था। बीते मंगलवार को कहासुनी बढ़ने पर आरोपी ने गुस्से में आकर अपनी मां का गला दबाकर हत्या कर दी।

वहीं थाना टांडा थानाध्यक्ष दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी युवक।

50 किमी अल्ट्रामैराथन में डॉ. गितिका का जलवा

टांडा, अंबेडकरनगर। मरुस्थल की तपती रेत, तेज हवाएं और 50 किलोमीटर लंबा वीरता का मार्ग इन सबको पीछे छोड़ते हुए जिला अस्पताल अकबरपुर की डेंटल सर्जन डॉ . गितिका वर्मा ने जैसलमेर से लोंगेवाला तक होने वाली प्रतिष्ठित बॉर्डर रन बॉर्डर हेल रेस को सफलतापूर्वक पूरा कर इतिहास रच दिया है। यह दौड़ छह दिसंबर को आयोजित की गई थी। बता दें कि लोंगेवाला जहां 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना ने अद्भुत साहस दिखाया था। उसी रणभूमि की स्मृति में हर वर्ष यह अल्ट्रामैराथन आयोजित होती है। कठोर रेगिस्तानी परिस्थितियों और अत्यधिक शारीरिक-मानसिक क्षमता की परीक्षा लेने वाली इस दौड़ में देशभर से धावक भाग लेते हैं। इस वर्ष 50 किमी की श्रेणी में डॉ . गितिका वर्मा ने न सिर्फ सफलतापूर्वक किया, बल्कि वह जनपद क्षेत्र से भाग लेने वाली एकमात्र महिला प्रतिभागी भी रहीं, जो गर्व का विषय है। डॉ . गितिका जनपद के प्रसिद्ध न्यूरो साइकाइट्रिक विशेषज्ञ डॉ . जेके वर्मा की पत्नी हैं। इस उपलब्धि पर सांसद लालजी वर्मा, विधायक राम मूर्ति वर्मा, ब्लॉक प्रमुख सुरजीत वर्मा, आनंद वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर उर्फ साधू वर्मा, मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर के डॉ . आतिफ और चिकित्सक समुदाय एवं चिकित्सा विभाग ने डॉ . गितिका वर्मा को बधाई दी है।

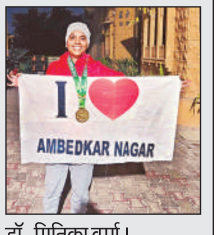

डॉ . गितिका वर्मा।

ट्रक की चपेट में आने से युवती की मौत, पिता घायल

जलालपुर, अंबेडकरनगर

हादसा

अमृत विचार। जनपद के मालीपुर थाना क्षेत्र के सुरहुरपुर बाजार में रविवार दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री को अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 18 वर्षीय विभा वर्मा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके पिता रामधनी घायल हो गए।

बता दें कि आजमगढ़ जनपद के अतरौलिया थाना क्षेत्र के पलिया करौदी गांव निवासी रामधनी अपनी पुत्री विभा वर्मा को दवा दिलाने अकबरपुर जा रहे थे। जैसे ही वह सुरहुरपुर बाजार के पास पहुंचे तभी अकबरपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मारते हुए शाहगंज की ओर में फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि विभा वर्मा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची मालीपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मालीपुर थाना अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपी चालक की तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं।

- बाइक से बेटी को दवा दिलाने अकबरपुर जा रहा था पिता

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोग।

बैठक

जिलाधिकारी ने गौ-आश्रय स्थलों की स्थिति, भरण-पोषण फंड की उपलब्धता के बारे में जानकारी लेने के दिए निर्देश

गौ-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं में न बरती जाए शिथिलता

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत और नगर पालिका में संचालित गौ-आश्रय स्थलों की स्थापना, संचालन तथा अनुश्रवण से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संचालित गौ-आश्रय स्थलों की वर्तमान स्थिति, संरक्षित गोवंशों की संख्या, पोर्टल पर अद्यतन प्रविष्टियों तथा भरण-पोषण फंड की उपलब्धता और रिक्वेस्ट की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया।

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत विकास खण्डवार जीवित गोवंश और फंड रिक्वेस्ट की समीक्षा करते हुए नए सहभागियों को सुपुर्दगी के लिए गोवंश उपलब्ध कराने की प्रगति पर भी विभागीय अधिकारियों से विस्तृत जानकारी हासिल किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाएं किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए।

जिलाधिकारी ने पराली संग्रहण अभियान 01 नवंबर से 15 दिसंबर की प्रगति रिपोर्ट, गोचर-चारागाह भूमि पर हरा चारा बुआई, एसएफसी पूलिंग की स्थिति तथा गोबर निस्तारण के लिए कम्पोस्ट पिट निर्माण सहित विभिन्न बिंदुओं की भी समीक्षा किया। साथ ही गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को ठंड से बचाव के लिए तिरपाल, अलाव व्यवस्था, काउकोट, सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड तथा नियंत्रण कक्ष से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की अद्यतन स्थिति, वृहद गो संरक्षण केंद्र की स्थापना के लिए भूमि चिन्हांकन की प्रगति के बारे में भी जानकारी हासिल किया। जिलाधिकारी ने कहा कि वृहद गो-संरक्षण केंद्र की स्थापना, सीसीटीवी निगरानी तथा गो-आश्रय स्थलों की नियमित मॉनिटरिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जिससे में गोवंश संरक्षण की व्यवस्था और अधिक प्रभावी और परिणामकारी बन सके।

गौ-आश्रय स्थलों की स्थापना, संचालन तथा अनुश्रवण से संबंधित बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला व साथ में सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला।

अभियान चलाकर संरक्षित किए जाएं गोवंश

जिलाधिकारी ने सडक़ों पर घूमते मिलने वाले निराश्रित और आवारा गोवंश को प्रत्येक विकास खण्ड में खण्ड विकास अधिकारी और पशु चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में सफाई कर्मचारी तथा पशुधन प्रसार अधिकारी की संयुक्त टीम बनाकर अभियान चलाते हुए गोवंशो को पकड़ कर गोशाला में संरक्षित कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर पालिका और नगर पंचायत में भी अभियान चलाकर गोवंश संरक्षित किए जाएं। प्रत्येक आश्रय स्थल पर गोवंश के संरक्षण, भोजन, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सभी प्रबंध पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग पोर्टल पर अद्यतन प्रविष्टियों को समयबद्ध रूप से पूरा करें, आश्रय स्थलों पर आवश्यक सामग्री की व्यवस्था में कोई विलंब न हो तथा पराली संग्रहण और चारा बुआई के कार्य लक्ष्यानुसार पूर्ण किए जाएं।

दुकान में लगी आग से सामान जलकर राख

जलालपुर, अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र स्थित बरियावन बाजार में संगम टेलर्स नाम की दुकान में शनिवार देर रात धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने आग लगने की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग पर काबू पाने के बाद पता चला कि दुकान में रखा लगभग 3 लाख रुपए का कपड़ा और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया था। आग की लपटें इतनी भीषण थीं कि पास की आदित्य टेलर्स और शिखर पैथ लैब भी इसकी चपेट में आ गईं, जिससे इन दुकानों को भी नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। सम्मनपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टैक्सी चालक की हत्या और पुत्र की गुमशुदगी पुलिस के लिए बनी पहेली

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जैतपुर थाना क्षेत्र के मुस्कुराई गांव में बीते 6 सितम्बर को टैक्सी ड्राइवर की हुई निर्मम हत्या और उसके छोटे पुत्र के अचानक लापता होने का मामला पुलिस के लिए अब तक एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है। घटना के करीब कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस न तो हत्यारों तक पहुंच सकी है और न ही मृतक के पुत्र का कोई सुराग लगा पाई है।

बता दें कि जैतपुर थाना क्षेत्र के मुस्कुराई गांव निवासी रामस्वरूप की हत्या उनके ही गोरखपुर एक्सप्रेस-वे के किनारे बने मकान में पांच सितंबर देर रात धारदार हथियार से गला रेतकर की गई थी। दिल दहला देने वाली इस वारदात से इलाके में हडक़ंप मच गया था। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव, क्षेत्राधिकारी अनूप कुमार सिंह तथा जैतपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार मौके पर पहुंचे और जल्द खुलासा करने के दावे किए थे। लेकिन इन दावों के उलट हत्या का राज आज भी अंधेरे में है। वहीं, मृतक के अंतिम संस्कार के दूसरे ही दिन उसका छोटा पुत्र संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। परिजनों ने स्वयं उसकी तलाश की, पर जब सफलता नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी। बावजूद इसके पुलिस अब तक उसे ढूंढ पाने में नाकाम है। क्षेत्राधिकारी अनूप कुमार सिंह ने बताया कि उक्त घटना का खुलासे के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पुलिस की निष्क्रियता से स्थानीय जनता में आक्रोश और निराशा दोनों ही देखने को मिल रही है। लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

पॉस्को एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने पास्को एक्ट में वांछित आरोपी जैकी उर्फ आनंद, निवासी नरायन पारा को रविवार को कादीपुर-सुलतानपुर मार्ग स्थित बरवारीपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर के अनुसार आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

योगी की पुलिस नाकाम: जिलाध्यक्ष

सुलतानपुर, अमृत विचार : कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने जनपद में बढ़ते आपराधिक मामलों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार, छिनैती और अपहरण जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे साफ है कि बदमाशों में पुलिस का भय समाप्त होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए गए सरकारी दावे खोखले साबित हो रहे हैं। यदि बदमाश प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं या जेल में हैं, तो जनपद में अपराध कैसे बढ़ रहे हैं? उन्होंने जल्द ही आंदोलन की चेतावनी दी है।

आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 2485 का इलाज

सुलतानपुर, अमृत विचार : रविवार को जिले में 230वां आरोग्य स्वास्थ्य मेला जिले के सभी 47 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। मेले को जनपद के 63 डाक्टरों तथा 306 पैरामेडिकल स्टाफ ने संयुक्त रूप से संचालित किया। कुल 2485 लोगों ने स्वास्थ्य परामर्श व उपचार प्राप्त किया। मौके पर ही 43 गोल्डन कार्ड भी बनाए गए।

युवक को अगवा कर हत्या

शव गोमती से बरामद, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

चांदा, सुलतानपुर

अमृत विचारः थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। बीएससी एग्रीकल्चर का छात्र अमन यादव (21) की अपहरण के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोपी शव घर से करीब 18 किमी दूर इब्राहिमपुर घाट के पास गोमती नदी में फेंक कर फरार हो गए। पुलिस ने चचेरे भाई की तहरीर पर 10 नामजद आरोपियों पर केस दर्ज किया है। दो को गिरफ्तार किया है, जबकि एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गांव में घटना को लेकर आशनाई में हत्या की बात कही है।

मृतक के चचेरे भाई संदीप यादव ने बताया कि शनिवार देर शाम अमन उसे लेने बाइक से अंडर फ्लाईओवर ईशीपुर पहुंचा था। संदीप के फोन पर अमन ने कॉल किया, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर जब संदीप ने दोबारा फोन मिलाया तो अमन का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। घर लौटने पर पता चला कि अमन घर नहीं पहुंचा है। तलाश शुरू हुई तो फ्लाईओवर के पास अमन की बाइक खड़ी मिली।

> प्रारंभिक जांच में मामला आपसी विवाद का लग रहा है। आरोपियों ने मारपीट कर अमन की हत्या की है। पोस्टमार्टम के लिए शव भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। अन्य की तलाश चल रही है। - **कुंवर अनुपम सिंह, एसपी सुलतानपुर**

चांदा थाने में इकट्ठा मृतक के गांव वाले व इनसेट में अमन यादव की फाइल फोटो।

अमन को पकड़ने के बाद सैलून में तोड़फोड़

लोगों से पूछताछ में पता चला कि अमन को कुछ लोग एक अर्टिगा कार में मारते-पीटते हुए ले गए थे। पुलिस को इस दौरान एक वीडियो मिला है, जिसमें आरोपी एक हेयर सैलून में तोड़फोड़ करने के बाद उसमें आग लगा देते हैं। फिलहाल लोग दबी जुबान से यह बात कह रहे हैं कि छात्रा और महिला यहीं पर आरोपियों को मिले थे।

स्कूल के मैदान में दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

स्थानीय लोगों के मुताबिक बदमाश अमन को पास स्थित एक इंटर कॉलेज, सफीपुर के मैदान में ले गए, जहां उसे दौड़ा-दौड़ाकर बेरहमी से पीटा गया। मैदान में कई जगह खून के निशान भी मिले हैं। मारपीट के दौरान ही अमन की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी शव को कार में डालकर गोमती नदी के प्रतापगढ़ जिले के गोमती नदी के इब्राहिमपुर घाट ले गए और फेंक दिया। रातभर पुलिस टीमें बदमाशों और अमन की तलाश में जुटी रहीं। रविवार सुबह पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर अमन का शव नदी में मिला।

10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

तहरीर के आधार पर जिन 10 लोगों पर केस दर्ज हुआ है, उनमें शामिल हैं मयंक यादव, अजय यादव, विजय यादव, पवन यादव, अजय गुप्ता, दीपक यादव, शिवम यादव, दुर्गेश उर्फ कार्तिक और समर यादव उर्फ गोरे। दुर्गेश की पत्नी रेनू पर भी हत्या में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने मयंक यादव और शिवम यादव को गिरफ्तार कर लिया है। रेनू को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बुझ गया इकलौता चिराग

अमन अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी छोटी बहन खुशी इंटर की छात्रा है और भाई की मौत के बाद सदमे में है। पिता रमा शंकर यादव दिल्ली में दूध डेयरी पर मजदूरी करते हैं और महज एक माह पहले ही दिल्ली गए थे। बेटे की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कोतवाल दीपेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि शीघ्र ही बाकी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चार छात्रों को मिली वित्तीय सहायता, उत्कृष्टता की राह में प्रेरणा

सुलतानपुर, अमृत विचार : कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान (केएनआईटी) के एलुमनाई बैच 1987-1991 ने लगातार तीसरे वर्ष अपनी प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति पहल जारी रखते हुए योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की। आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली छात्रों को प्रति वर्ष 50,000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। इस वर्ष 2025 सत्र के लाभार्थियों की संख्या चार रही। छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता में आयुष यादव, द्वितीय वर्ष 50,000, प्रवेश छबीनाथ चौबे, तृतीय वर्ष 25,000, अर्जुन कुशवाहा, तृतीय वर्ष 25,000, उत्कर्ष वर्मा, अंतिम वर्ष 50,000 शामिल है। कार्यवाहक निदेशक प्रो. यू. के. माहेश्वरी ने छात्रों को व्यक्तिगत रूप से अकाउंट-पेयी चेक प्रदान किए। कार्यक्रम में डॉ. अवधेश कुमार, डॉ. अखिलेश कुमार चौहान और डॉ. अनिल कुमार उपस्थित रहे।

बस हादसे में सेवा भावना का दिया परिचय

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः कूरेभार कस्बे में शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे के बाद जिला प्रशासन और स्थानीय संगठनों ने अद्भुत सेवा भावना का परिचय दिया। हादसे में एक महिला की मौत और 15 श्रद्धालु घायल हुए, जिनमें आठ की हालत नाजुक थी। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराया गया। मृतका के शव को विधिक प्रक्रिया पूरी कर जलगांव, महाराष्ट्र भेजा गया।

लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्र शेखर शुक्ला उर्फ रिंकू ने घायलों से उनकी भाषा में बात कर उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें कंबल व संकल्प पत्रिका प्रदान की। नगर पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने भी अपनी टीम संग मौके पर पहुंचकर श्रद्धालुओं की मदद की।

घायलों की मदद करते समाजसेवी। ● अमृत विचार

- सुरक्षित बचे श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक पहुंचाया
- सड़क हादसे में महिला की मौत व 15 श्रद्धालु हुए थे घायल

जिला प्रशासन ने सुरक्षित बचे श्रद्धालुओं के लिए रेलवे आरक्षण और बस की व्यवस्था कर उन्हें सुरक्षित उनके गंतव्य रवाना किया। एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस व सामाजिक कार्यकर्ताओं की तत्परता से प्रभावित लोग उनकी सराहना कर रहे हैं।

एसआईआर भविष्य सुरक्षित करने वाला दस्तावेज

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

- भाजपा प्रदेश महामंत्री ने एसआईआर अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक
- राष्ट्र की सुरक्षा व लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक बताया सघन पुनरीक्षण अभियान

अमृत विचारः विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतिम चरण को सफलता तक पहुंचाने के लिए भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय ने रविवार को जिला कार्यालय में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर बिंदुवार समीक्षा की। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर तक हर कार्यकर्ता पूर्ण ऊर्जा के साथ इस अभियान में जुट जाए, क्योंकि एसआईआर मात्र मतदाता सूची का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे और बोगस मतदाताओं को सूची से बाहर किया जाए। उन्होंने इसे राष्ट्र की सुरक्षा और लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। पत्रकारों से बातचीत में संजय राय ने दावा किया कि शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव से लेकर 2027 यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक एवं बंपर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर को ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के बाद भी छूटे हुए और 18 वर्ष पूरा करने वाले मतदाताओं को जोड़ने तथा फर्जी नाम हटाने का अभियान जारी रहेगा। बैठक में नगर पालिकाध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल, योगेंद्र प्रताप सिंह, विजय त्रिपाठी, संदीप सिंह, डॉ. प्रीति प्रकाश, आलोक आर्या, विवेक सिंह, सुनील वर्मा, विजय सिंह रघुवंशी आदि मौजूद रहे।

सपाइयों ने चलाया एसआईआर जागरूकता अभियान

लंभुआ, सुलतानपुर : एसआईआर का शीघ्र फॉर्म भरकर अपना वोट सुरक्षित करने के लिए सपाइयों ने लंभुआ क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया और गांव-गांव घर-घर जाकर अपना वोट बचाने की अपील की। लंभुआ में पूर्व विधायक संतोष पांडेय के निर्देश पर विधानसभा अध्यक्ष सतपाल यादव के नेतृत्व में सपाइयों ने तत्काल एसआईआर फॉर्म भरकर अपना वोट बचाने के लिए लोगों को जागरूक किया। दर्जनों ई रिक्शा पर बैनर पोस्टर लगाकर सपाइयों ने जागरूकता अभियान के अंतर्गत बताया कि फॉर्म भरते समय सबसे पहले अपना नाम चेक करें, नाम नहीं होने पर तुरंत जोड़ें, नाम गलत है या अपडेट करने के लिए फॉर्म आठ भरें। इसके अलावा लोगों से तत्काल अपना फार्म भरकर वोट सुरक्षित करने की अपील की गई। इस मौके पर अतेंद्र जायसवाल, शिव शंकर उर्फ साधू उपाध्याय, यज्ञ देव भट्ट आदि काफी संख्या में सपाई मौजूद थे।

एसपी को सम्मानित करते सर्राफा व्यापार मंडल के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

चौक-चौराहे पर सुरक्षा कैमरा लगवाने की मांग

सुलतानपुर, अमृत विचार : सर्राफा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में मुख्य रूप से अतिक्रमण की समस्या और चौक-चौराहे पर सुरक्षा कैमरा लगवाने के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष देबी प्रसाद सोनी, महामंत्री नवीन कुमार अग्रहरि, कोषाध्यक्ष लक्खी चन्द्र कौशल और उपाध्यक्ष विनय वरनवाल, सदस्य राहुल सोनी उपस्थित रहे। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं और सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण से होता है व्यक्तित्व विकास

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सुलतानपुर में पांच दिवसीय स्काउट-गाइड विशिष्ट परिचयात्मक प्रशिक्षण का समापन शनिवार की देर शाम संस्थान परिसर में हुआ। यह प्रशिक्षण 2 से 6 दिसंबर तक डीएलएड अभ्यर्थियों के लिए आयोजित किया गया था।

प्राचार्य हरिकेश यादव के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण में भारत स्काउट और गाइड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रतिभागियों को विभिन्न गतिविधियों का व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में स्काउटिंग के आधारभूत तत्व, उत्पत्ति, प्रसार, शाखाएं, प्रगतिशील प्रशिक्षण, ध्वज शिष्टाचार, दिशा ज्ञान, कैंपिंग, हाइकिंग, प्राथमिक सहायता तथा मैसेंजर ऑफ पीस जैसी अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई। समापन दिवस पर प्रशिक्षुओं के लिए प्रयोगात्मक शिविर आयोजित किया गया, जिसमें टेंट पिचिंग, गैजेट मेकिंग, कुकिंग और कैंप फायर जैसे कौशलों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में बेस्ट स्काउट अवार्ड अमित कुमार सोनी और बेस्ट गाइड अवार्ड कल्पिता को प्रदान किया गया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ प्रशिक्षण का समापन किया गया। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक के रूप में ज्योति सिंह, कांति सिंह, प्रेमलता, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, गौरव सिंह और राजेंद्र कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में डायट के सभी प्रवक्ता एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड प्रशिक्षण के समापन के दौरान मौजूद डीएलएड अभ्यर्थी व प्रशिक्षकगण। ● अमृत विचार

- बेस्ट स्काउट अवार्ड अमित कुमार तो बेस्ट गाइड अवार्डी कल्पिता

कुश्ती में रिचा यादव, स्वाति और स्वाति सरोज रहीं अव्वल

- विधायक खेल स्पर्धा के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचारः लंभुआ विधानसभा के सर्वोदय इंटर कॉलेज में विधायक खेल स्पर्धा के दूसरे दिन कुश्ती और बैडमिंटन की सभी प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। खेल प्रभारी चांद मुहम्मद के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिताओं में सब-जूनियर बालक वर्ग में मंजीत, बालिका वर्ग में सोनाक्षी और जूनियर वर्ग में आरिफ अंसारी विजेता बने। सीनियर में आदित्य उपाध्याय ने जीत दर्ज की।

कुश्ती में महिला वर्ग में रिचा यादव, स्वाति, स्वाति सरोज ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि पुरुष वर्ग में इमरान, सादाव, रुद्र, विराट और मंजीत ने बाजी मारी। निर्णायक मंडल में पंकज कनौजिया सहित अन्य मौजूद रहे। समापन पर नन्हकू वर्मा, शेर बहादुर सिंह समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे और खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। जिला युवा कल्याण अधिकारी मयंक पटेल ने बताया कि पांचों विधानसभा की प्रतियोगिताएं पूर्ण हो चुकी हैं, अब विजेता खिलाड़ी सांसद खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

ओवरब्रिज पर रूट डायवर्जन से परेशानी

भदैंया, सुलतानपुर

अमृत विचारः कोतवाली देहात क्षेत्र स्थित अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर बने लोहरामऊ रेलवे ओवरब्रिज के रूट डायवर्जन ने यात्रियों और स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मरम्मत कार्य के चलते लगभग एक माह से बंद इस पुल के खुलने का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जानकारी के अभाव में प्रयागराज की ओर से अयोध्या जाने वाले बड़े वाहन ओवरब्रिज के छोर तक पहुंच जाते हैं और फिर उन्हें वापस लौटना पड़ता है। रविवार को प्रयागराज से अयोध्या जा रहे तीन ट्रक इसी वजह से पुल तक पहुंच गए। ट्रक चालक मुर्शिद, अरमान और कल्लू ने बताया कि यदि रूट डायवर्जन की सूचना पहले होती तो उन्हें लौटने की परेशानी न झेलनी पड़ती।

बंद लोहारमऊ रेलवे ओवरब्रिज पर लगी चारपहिया वाहनों की कतार। ● अमृत विचार

- एक माह से अयोध्या-प्रयागराज हाईवे बंद, बड़े वाहन लौटने को मजबूर

शनिवार रात भी कई चार पहिया वाहन मिट्टी के ढेर को पार कर पुल के दक्षिणी छोर तक पहुंच गए थे, जिसके बाद उन्हें भी वापस लौटना पड़ा। वहीं बाइक सवार वैकल्पिक रास्तों से आवागमन कर रहे हैं। लगातार हो रही असुविधा से स्थानीय लोग नाराज़ हैं और प्रशासन से मार्ग को जल्द से जल्द खोलने या साफ सूचना व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।

रंजिश में दो पक्षों में मारपीट, क्रास केस

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गोपालपुर नमाज़गढ़ गांव में शनिवार सुबह पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़ गए। अशोक कुमार यादव का आरोप है कि सुबह करीब नौ बजे विपक्षी उनके घर के सामने गाली-गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर उन्हें लाठी-डंडों से पीटा गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं। उधर, दूसरे पक्ष के रोशन गुप्ता ने भी आरोप लगाया कि सुबह 9 बजे उनके पिता ईश्वर देव सामग्री लेने कादीपुर जा रहे थे। गांव के बाहर सड़क पर पहुंचते ही विपक्षी पक्ष ने गाली-गलौच करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उनके पिता भी घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर केस दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

सामाजिक समरसता को व्यवहार में उतारना ही सच्ची राष्ट्रसेवा

- एबीवीपी ने मनाया सामाजिक समरसता दिवस

जिला संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचारः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुशभवनपुर की ओर से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर "सामाजिक समरसता दिवस" के अवसर पर राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एबीवीपी काशी प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री अभिलाष ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समानता, न्याय और बंधुत्व की नींव रखकर राष्ट्र निर्माण की दिशा तय की।

उन्होंने कहा कि "सच्चा राष्ट्रसेवक वही है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचाने का प्रयास करे।" अभिलाष ने विद्यार्थियों से जाति-वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठते हुए समतामूलक समाज निर्माण का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंबेडकर के संवैधानिक मूल्य केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि प्रत्येक युवा के आचरण और कर्म में दिखने चाहिए। कार्यक्रम में जिला संयोजक तेजस्व पांडेय, नगर अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र गुप्ता और नगर मंत्री राज मिश्रा उपस्थित रहे।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम RUBI FATIMA था अब मैने बदलकर अपना नाम ROOBI FATMA रख लिया है भविष्य में मुझे ROOBI FATMA के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O: MAZHAR MIRZA R/O : 337/133, HATA BURHAN SAHAB SADATGANJ, LUCKNOW

सूचना

मैने अपना नाम SANDEEP KUMAR से बदलकर SANDEEP रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAJU ADD-VILL AND POST-MAWAI DIST-AYODHYA-224001 (U.P.)

सूचना

मैं **प्रतिमा भारती पुत्री राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्रा. छिवलहा, पर. सरेनी, त. लालगंज, जिला रायबरेली** की निवासी हूं। मेरे शैक्षिक अभिलेखों में सही नाम प्रतिमा भारती अंकित है, जबकि बान्ड में सुमीरन दर्ज है। मुझे दोनों ही नाम से जाना व पहचाना जाता है। सही नाम प्रतिमा भारती है, जिसे बान्ड में दर्ज किया जाए।

सूचना

मैं निहाल अहमद पुत्र जिलकाद अहमद निवासी L-166 आवास विकास कालोनी बड़गांव जिला गोण्डा, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम NIHAL AHMAD अंकित है, जबकि त्रुटिवश मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम NEHAL AHMAD दर्ज हो गया था। आधार कार्ड में अंकित नाम NIHAL AHMAD ही सही एवं प्रमाणित है। अतः अनुरोध है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में भी मेरा सही नाम NIHAL AHMAD ही अभिलेखित किया जाए।

सूचना

भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रथम रायबरेली द्वारा जारी पालिसी सं0 213856551 बीमा धन 40,000 पालिसी धारक संजय कुमार पाल की पॉलिसी में नामिनी केशन दुलारी दर्ज है, जबकि आधार व पासबुक में विशुन कुमारी दर्ज है। दोनो नाम एक ही है। **केशन दुलारी पत्नी संजय कुमार पाल निवासी ग्रा., पो.. इब्राहिमपुर, सरेनी, रायबरेली**

सूचना

मैं **संदीप उर्फ संजीव कुमार पुत्र स्व0 गुरुदीन ग्राम मेड़ौली, पोस्ट सेनी, विकास क्षेत्र खीरों, तहसील लालगंज, जिला रायबरेली** का मूल निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी संख्या 215575483 में मेरा नाम संजीव कुमार अंकित है। जबकि मेरा नाम आधारकार्ड, पैनकार्ड व बैंक खाते आदि में संदीप अंकित है। मैं संदीप व संजीव कुमार दोनों नामों से जाना पहचाना जाता हूं।

Notice

That I have changed my name from Suman to Suman Yadav and my date of birth to 01.01.1978. Both are my names. In all my documents, my name should be written and read as Suman Yadav. Suman Yadav, W/o Ghanshyam Yadav.

सूचना

मैं **सोनम शुक्ला पुत्री छेदीलाल ग्राम तुलसीपुर खरिका पोस्ट लोहिया नगर विकास खण्ड रामपुर मथुरा जिला सीतापुर,** मेरा वर्ष 2021 बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष अनुक्रमांक 21252323 तथा बी0एस0सी0 द्वितीय वर्ष 2022 अनुक्रमांक 21298508 व बी0एस0सी0 तृतीय वर्ष 2023 अनुक्रमांक 20220346410392 का साई डिग्री कालेज बेलहरा रोड़ फतेहपुर जिला बाराबंकी के अंकपत्र वास्तव में खो गया है।

आयोजन सेंट जोसफ ग्लोरियस पब्लिक स्कूल का भव्य वार्षिकोत्सव आयोजित, मेधावी बच्चों को किया पुरस्कृत

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बच्चों ने मोहा मन

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः सेंट जोसफ ग्लोरियस पब्लिक स्कूल देवराहर में रविवार को आयोजित वार्षिक समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। मंच पर नृत्य, संगीत, नाटक और अन्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं के 2024-25 के उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के टॉपर को 2100 रुपये का चेक प्रदान कर विशेष रूप से उत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सपा नेता मोहम्मद रिजवान गनीखान, बी.के. बहन जी, पी.पी. सिंह, ज्योतिषाचार्य अंजनी तिवारी, प्रबंधक चन्द्रभान यादव, राजकली यादव, अंशुमान यादव एवं प्रधानाध्यापक गौरव यादव सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में एकाउंटेंट वैभव यादव, शिक्षक शैलेश यादव, ओम कुमार वर्मा, मारुत सिंह, नितिन श्रीवास्तव, मोहम्मद अहतेशाम, रामराज, बृजेंद्र यादव, हिमांशु, धर्मराज सर, सागर, इंद्र कुमार त्रिपाठी, ज्योति पाठक, रागिनी तिवारी, सरोज यादव, निकिता यादव, सारा त्रिपाठी, अफरोज, लक्ष्मी पाशाखा, प्रधानाध्यापक संदीप यादव, संतोष पाल, प्रदीप आदि का विशेष योगदान रहा।

बच्चों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम। ● अमृत विचार

तहसील स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शामिल हुए सैकड़ों छात्र-छात्राएं

लंभुआ, सुलतानपुर : क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक संस्थान अविरल फाउंडेशन ने स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज गोपालपुर मधैया तथा यूनिक राजकरन सुखदेव मेमोरियल इंटर कॉलेज शोभीपुर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में साठ विद्यालयों से बारह सौ से अधिक बच्चों ने भाग लिया। फाउंडेशन के अध्यक्ष भानुकर तिवारी ने बताया कि दो स्तर पर आयोजित प्रश्नपत्र में कक्षा चार व पांच के एक प्रश्नपत्र थे, तो कक्षा छः से आठ तक के बच्चों के लिए दूसरा प्रश्नपत्र तैयार किया गया था। परीक्षा के बाद रिजल्ट आने पर सम्मान समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। परीक्षा केन्द्र पर जे पी पाण्डेय, दीपक पांडेय, के. डी जायसवाल, आदित्य शुक्ला, प्रवेश सिंह, सूरज यादव आदि मौजूद थे।

सामान्य ज्ञान परीक्षा देते विद्यार्थी।

न्यूज ब्रीफ

विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाने की मांग

रुपईडीह। जिला पंचायत सदस्य श्रवण कुमार शुक्ल ने कस्बा आर्य नगर के श्रीमती राम कुमारी इंटर कॉलेज को हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं का परीक्षा केंद्र बनाए जाने के मांग जिलाधिकारी से की है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष बोर्ड द्वारा उक्त विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया था लेकिन पता नहीं किन कारण से उक्त विद्यालय को अगले वर्ष होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया है। ऐसी स्थिति में छात्राओं का परीक्षा केंद्र गंगा प्रसाद मिश्रीलाल इंटर कॉलेज कौड़िया बनाए जाने पर परीक्षा में शामिल होने के लिए उन्हें दिक्कते उठानी पड़ेगी।

बेलवाभान में पंजीकरण शिविर आयोजित

रुपईडीह। विद्युत केंद्र आर्य नगर के तत्वावधान में बेलवा भान गांव में बिजली का बकाया वसूल किए जाने के लिए पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया। इससे शिविर में नौ उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया तथा बकायन न अदा करने के कारण विद्युत कर्मियों द्वारा 20 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया। बिजली कर्मी जितेंद्र कुमार तिवारी, अमरजीत यादव व दिलीप कुमार शुक्ल उपस्थित रहे।

आग लगने से गृहस्थी का सामान जला

कटरा बाजार। बीरपुर नंदापुरवा गांव में अज्ञात कारणों से लगी आग में गृहस्थी का सारा सामान जल कर राख हो गया। शांति देवी ने थाने में दी तहरीर में कहा कि शनिवार की देर रात गांव के ही कुछ लोगों ने भूमि विवाद को लेकर छप्पर व टीनशेड में आग लगा दी जिससे उसमें रखा भूसा, साइकिल, इंजन, अनाज व घर की गृहस्थी का सामान जल कर राख हो गया। मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

खंभे लगाए पर तार लगाना भूले

रुपईडीह। ब्लॉक की ग्राम पंचायत भटपी के खटिकन पुरवा गांव में लगे बिजली के खंभों पर तार न खींचे जाने की शिकायत प्रधान काली प्रसाद शुक्ल ने विधायक बावन सिंह से की है। उन्होंने बताया कि उक्त गांव का ऊर्जीकरण कराये जाने के लिए विभाग द्वारा तीन माह पहले खंबे गड़वा दिए गए लेकिन आज तक उन पर तार नहीं खींचा गया है। जिससे ग्रामीणों को बिजली नहीं मिल पा रही है।

बिजली बिल वसूली कैंप आयोजित

कटरा बाजार : रविवार को कटरा बाजार के नेवादा हासिमपुर गांव में विद्युत विभाग द्वारा बिजली बिल वसूली कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में उपभोक्ताओं की सुविधानुसार मौके पर ही बकाया बिल जमा कराया गया। फीडर इंचार्ज दुबहा बाजार अर्जुन पाल ने बताया कि कैंप में कुल 12 उपभोक्ताओं से लगभग 55 हजार रुपये की वसूली की गई। उन्होंने बताया कि कैंप का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बिल भुगतान के लिए प्रेरित करना और बकाया राशि की वसूली को सुचारु बनाना है।

जानलेवा हमला के मामले में दो गिरफ्तार

गोंडा : इटियाथोक के निवासी अंकित जयसवाल द्वारा नगर पुलिस को दिये गये तहरीर में आरोप लगाया था कि कोतवाली नगर क्षेत्र रानी बाजार के रहने वाले अंकुर अग्रवाल, कटहरिया मोहल्ले के रहने वाले अब्दुल हमीद व 10 से 12 अज्ञात लोगों द्वारा बुढादेवर में स्थित जमीन जो क्रयशुदा आराजी में निर्माणाधीन दीवाल को गिरने लगे मना करने पर अंकुर ने हमला व फायरिंग कर दिया। तहरीर के आधार पर नगर पुलिस ने अंकुर अग्रवाल, अब्दुल हमीद समेत अन्य आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया था। बताया जाता है कि अंकुर अग्रवाल पर जमीन से जुड़े कई मामलों में अलग-अलग थानों में भी मुकदमा दर्ज है। नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने बताया कि हर पहलुओं पर जांच की जा रही है। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जमीन से कब्जा हटाने की मांग

रुपईडीह। ब्लॉक की ग्राम पंचायत लैबुड़वा में दो सप्ताह पहले पंचायत सचिवालय व आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण के लिए आरक्षित भूमि पर से अवैध कब्जा हटाए जाने के मामले में सीडीओ ने जिला पंचायत राज अधिकारी से अवैध कब्जेदारों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की आख्या मांगी है। उक्त भूमि पर गांव के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था। इस अवैध कब्जे के न हटने से ग्राम पंचायत में पंचायत सचिवालय व आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण नहीं शुरू हो पा रहा था। ग्राम प्रधान संगीता देवी ने अवैध कब्जे हटाए जाने के मांग उप जिलाधिकारी सदर से की थी। उनके इस मांग पर दो सप्ताह पहले उप जिलाधिकारी के आदेश से राजस्व व पुलिस विभाग की टीम द्वारा कब्जा हटाया गया।

फल मंडी में अव्यवस्थाओं की भरमार

व्यापारियों ने प्रशासन से समस्या निस्तारण की लगाई गुहार

संवाददाता, गोंडा

- सड़क धंसने के कारण ट्रक व अन्य भारी वाहन फंस जाते हैं दुर्घटना का बना रहता है खतरा

अमृत विचारः सब्जी एवं फल मंडी गंभीर अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। व्यापारियों ने मंडी की बदहाल स्थिति को लेकर गहरी चिंता जताई गयी तथा समस्याओं के निस्तारण को लेकर जिला प्रशासन को पत्र भेजा है।

व्यापारियों ने पत्र के माध्यम से प्रशासन को बताया कि कि मंडी गेट से मुख्य सड़क तक रास्ता पूरी तरह जर्जर होकर बड़े-बड़े गड्ढों में बदल गया है। सड़क धंसने के कारण ट्रक व अन्य भारी वाहन फंस जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। व्यापारियों ने सड़क को तत्काल रूप से मिट्टी व राबीस डालकर समतल कराने की मांग की है।कूड़े-कचरे का ढेर, सड़े फल और पशुओं की आवाजाही से मंडी में दुर्गंध फैलती है। पशु अक्सर गाड़ियों में रखे सामान को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे व्यापारियों को आर्थिक क्षति झेलनी पड़ती है। मंडी परिसर के भीतर फैली गंदगी को हटाने के लिए ट्रैक्टर ट्रॉली लगाकर समुचित सफाई कराए जाने की मांग उठाई गई।व्यापारियों ने यह भी कहा कि मंडी की चारों ओर की बाउंड्री टूटी हुई है, जिससे रात में चोरी की घटनाएं आम हो गई हैं। कई बार अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व मंडी में प्रवेश कर जाते हैं। मंडी में लाइटों की हालत भी खराब है। जनरेटर होने के बावजूद रात के समय उसे चलाया नहीं जाता, जिससे पूरा परिसर अंधकार में डूबा रहता है। मंडी में पेयजल की गंभीर समस्या भी सामने आई है।

एसोसिएशन ने मांग की कि कम से कम चार से पांच हैंडपंप लगाए जाएं ताकि व्यापारियों और खरीदारों को सामान्य पीने का पानी उपलब्ध हो सके। व्यापारियों का कहना है कि शाम 5 बजे के बाद बाहरी लोग शराब लेकर मंडी में प्रवेश करते हैं। गाड़ियों पर कोई रोक-टोक नहीं होती और न ही कोई सुरक्षा गार्ड तैनात रहता है। इससे मंडी का माहौल बिगड़ता है और घटना-दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा, केवल एक गेट खुले रहने से अक्सर जाम लगता है। व्यापारियों ने दोनों गेट खोलने की मांग की है ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू हो सके। व्यापारियों ने मांग किया है कि अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं, जिससे व्यापार सुचारु रूप से चल सके और लोगों को सुरक्षित व स्वच्छ वातावरण मिल सके।

गोंडा के युवक की दुबई में डूबकर मौत

रुपईडीह, गोंडा, अमृत विचारः रोजगार के लिए यूएई कमाने गये कौड़िया के कोचवा गड़रियन पुरवा गांव निवासी राजू उर्फ गोली (34) की स्विमिंग पूल में डूबकर मौत हो गई। भारतीय दूतावास से विधिक कार्रवाई के बाद रविवार शाम को शव घर पहुंचने पर कोहराम मच गया। पिता ननकऊ ने बताया कि दो साल पहले वह दुबई गया था। वहां पर वह खजूर तोड़ने के काम में लगा था। एक दिसम्बर को उसके साथी ने सूचना दिया कि राजू की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पत्नी रुकसाना सहित बच्चों का रो-रो कर बुरा बेहाल है। मृतक राजू के तीन पुत्रियां रूबी, रुकसार व अल्फी तथा दो पुत्र एख्तियार व काफिल है।

आमने-सामने भिड़ीं दो बाइकें, युवक की मौत

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचारः आमने-सामने बाइक की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि मोतीगंज छजवा निवासी सरवन कुमार 40 पुत्र राजित राम गोस्वामी जिला मुख्यालय पर रहकर टाइल लगाने का काम करता था।

बीती रात वह अपने एक साथी की बाइक लेकर किसी काम से गोंडा अयोध्या मार्ग स्थित मुन्न खा चौराहे पर गया था, वहीं सामने से आ रही बाइक से उसकी बाइक की टक्कर हो गई गई। घायल अवस्था में स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई। नगर कोतवाल ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच की जा रही है।

एसआईआर को लेकर सजग रहें कांग्रेस कार्यकर्ताः राम प्रताप

गोंडा, अमृत विचारः रविवार को कांग्रेस भवन में एसआईआर को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह ने बैठक किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कांग्रेस हाईकमान एवं प्रदेश कांग्रेस के अनुसार जिले के प्रत्येक बूथ पर प्रत्येक विधानसभा में एवं प्रत्येक ब्लॉक अध्यक्षों को मिलकर शत प्रतिशत मतदाताओं को वोट के अधिकार को दिलाने में शत प्रतिशत मतदाता का फॉर्म भराने का निर्णय लिया गया है, जिसे सभी कांग्रेस जनों को सहभागिता करते हुए कराना है। साथ ही हर बूथ की जानकारी भी करनी है कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए।

बैठक करते कांग्रेस कार्यकर्ता। अमृत विचार

बैठक में यह भी कहा कि पंचायतों का चुनाव भी समय से होने की संभावना है, इसलिए त्रिस्तरीय पंचायतों में जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव लड़ने वाले लोगों को अभी से अपनी मजबूती अपने अपने क्षेत्रों में शुरू कर दी जाये ताकि पार्टी की तरफ से आसानी पूर्वक उनका नाम प्रदेश कांग्रेस कमेटी में भेजा जा सके। बैठक को जिला मीडिया प्रभारी शिव कुमार दुबे, प्रमोद मिश्रा, शुक्ला प्रसाद शुक्ल,अवधेश दुबे, मुजीब मास्टर, के टी तिवारी, हंसराज पाण्डेय,प्रद्युम्न शुक्ला, सगीर खान, राम बुझारत वर्मा, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने संबोधित किया।

साइबर अपराध को रोकेगी जागरूकता

गोंडा : रविवार को धानेपुर के अलावल देवरिया कस्बे में आयोजित साइबर अपराध व नागरिक कर्तव्य पर आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गणेश नाथ मिश्र ने कहा कि साइबर अपराध को जनजागरूता से रोका जा सकता है। किसी अपरिचित व्यक्ति को मांगने पर ओटीपी नहीं बतानी है। आम आदमी यह मान ले कि सरकारी की योजनाओं के लिए अधिकारी क्षेत्र में तैनात है। उनके नाम पर कोई जानकारी नहीं दी जानी है। कार्यक्रम में एलबीएस डिग्री कॉलेज के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र नाथ मिश्र ने कहा कि देश के संविधान ने मौलिक अधिकार दिये तो मौलिक कर्तव्य दिये है। व्यक्ति को अधिकार की गारंटी संविधान देता है और कर्तव्य की गारंटी लोगों को देनी होगी। एसआइआर में आवेदन भरने का कर्तव्य लोगो का है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने सड़क समस्याओं और दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाया। इस पर गणेश नाथ मिश्रा ने बताया कि संबंधित विभाग और आयुक्त को पत्र भेजा गया है। यदि शीघ्र कार्यवाही नहीं होती है तो पदयात्रा निकालकर आवाज उठाई जाएगी।

गीता गोष्ठी का विराट रजत जयंती समारोह 14 दिसम्बर को

गोंडा, अमृत विचारः सनातन धर्म के प्रति समर्पित जनपद की लब्ध प्रतिष्ठ संस्था गीता गोष्ठी के तत्वावधान में गीता जयंती के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह रविवार 14 दिसम्बर को प्रातः को मालवीय नगर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित किया जा रहा है। समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को रामलीला मैदान स्थित रामेश्वरम मंदिर में जनार्दन सिंह के संयोजन में आयोजित किया गया।

गीता गोष्ठी तैयारी बैठक में शामिल लोग। अमृत विचार

- गौतम खट्टर होंगे समारोह के मुख्य आकर्षण

समारोह के आयोजक एवं गीता गोष्ठी के संस्थापक सदस्य इं. सुरेश दूबे ने कहा कि गीता गोष्ठी की स्थापना 17 दिसंबर 2000 से प्रारम्भ हुआ था। तब से रविवार को दोपहर मे गीता गोष्ठी की नियमित बैठक में गीता के श्लोक पर चर्चा होती है। इस वर्ष संस्था के रजत जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रखर वक्ता व सनातन धर्म के संस्थापक डा. गौतम खट्टर मुख्य आकर्षण होंगे। जूना अखाड़ा रुड़की के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद जी महाराज हरिद्वार से स्वामी परमानन्द जी महाराज व वाराणसी से राजर्षि गांगेय हंस व राष्ट्रवादी वक्ता महिम तिवारी जी गीता के माहात्म्य एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सनातन धर्म की चुनौती पर विचार व्यक्त करेंगे। वरिष्ठ सदस्यों में राकेश वर्मा को शोभा यात्रा एवं उत्तम कुमार शुक्ल को यज्ञ हवन व जनार्दन सिंह को सभा संचालन रमेश दूबे को व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया।

शस्त्र प्रशिक्षण में एनसीसी कैडेटों ने लगाए निशाने

शस्त्र प्रशिक्षण लेते एनसीसी कैडेट। अमृत विचार

मनकापुर, अमृत विचारः ग्राम सिसवा स्थित आश्रम पद्धति विद्यालय परिसर में चल रहे 10 दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैडेटों ने एयर राइफल और पॉइंट 22 राइफल से फायरिंग का अभ्यास कर रोमांचक अनुभव प्राप्त किया। फायरिंग अभ्यास कैडेटों के लिए हमेशा से एक सपने जैसा माना जाता है, जिसे इस शिविर में कैंप कमांडेंट कर्नल सुनील कपूर के प्रयासों से साकार किया जा रहा है। फायरिंग अभ्यास के साथ कैडेटों को सेना की युद्धकालीन तैयारियों की बारीकियां भी सिखाई जा रही हैं जैसे टेंट निर्माण, मानचित्र अध्ययन, दूरी का आकलन, टीम को सुरक्षित रखते हुए मिशन पूरा करने की कला इत्यादि। सैन्य गतिविधियों का करीब से अनुभव लेकर छात्र-छात्राएं अत्यंत उत्साहित नजर आए। बटालियन सूबेदार मेजर अनंगपाल सिंह ने कैडेटों को फायरिंग की तकनीकी बारीकियां समझाया।

एनसीसी कैडेट्स को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

गोंडा : यातायात जागरूकता, सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को लेकर प्रभारी यातायात जगदंबा गुप्ता, टीएसआई बलराम सिंह द्वारा एनसीसी कैडेट्स के साथ यातायात जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। एनसीसी के कैडेट्स को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कैडेट्स को यातायात संकेतों की पहचान, हेलमेट एवं सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग के दुष्परिणाम, मोबाइल फोन का वाहन चलाते समय प्रयोग न करने तथा पैदल चलते समय सड़क सुरक्षा के मानकों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों द्वारा कैडेट्स से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं अपने परिवार तथा समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गयी।

किसान कल्याण केंद्र निर्माण के लिए नहीं मिल पा रही जमीन

गोंडा, अमृत विचारः सरकार की ओर से किसानों की आय दुगनी करने का दावा भले ही किया जा रहा हो, लेकिन किसानों को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए उनका प्रशासन की लापरवाही से नहीं मिल पा रहा है। किसानों को एक ही स्थान पर सभी कृषि संबंधी सुविधाएं और योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए प्रस्तावित किसान कल्याण केंद्र का निर्माण विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ता दिख रहा है।

- कृषि विभाग की ओर से बीडीओ को कई बार भेजा गया पत्र

> मुजेहना ब्लॉक में किसान कल्याण केंद्र निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा गया है। भूमि उपलब्ध होते ही प्रस्ताव दोबारा शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।
>
> **-चंद्र प्रकाश सिंह,** जिला कृषि अधिकारी

विधायक की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर शासन ने ब्लॉक में भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन छह माह से अधिक वक्त बीत जाने के बाद भी जमीन उपलब्ध नहीं हो सकी है। बीडीओ और राजस्व विभाग की उदासीनता के कारण यह महत्वपूर्ण योजना अधर में लटकी हुई है, जिससे हजारों किसान अब तक लाभ से वंचित हैं। बताया जाता है कि मेहनौन विधायक ने किसान कल्याण केंद्र निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा था। इसके बाद कृषि विभाग ने प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कई बार बीडीओ और राजस्व विभाग को पत्र लिखकर जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। बावजूद इसके न तो भूमि चिन्हित की गई और न ही किसी स्तर पर बैठक कर समाधान का प्रयास किया गया।कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि किसान कल्याण केंद्र बनने से किसानों को बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र, मिट्टी परीक्षण, तकनीकी सलाह और सरकारी योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल सकेगी, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी। लेकिन भूमि न मिलने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है।

स्थानीय किसानों का कहना है कि जल्द जमीन उपलब्ध कराने पर अफसरों को ध्यान देना चाहिए।लेकिन छह माह से अधिक समय बीतने के बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई। किसानों ने जिले के जिम्मेदारों से जल्द से जल्द भूमि उपलब्ध कराने और निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि देरी का सीधा असर कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ रहा है।

दुर्लभ काले गिद्ध का किया रेस्क्यू

रेस्क्यू किया गया काला गिद्ध।

गौरा चौकी, गोंडा : गोंडा के गौरा चौकी क्षेत्र के फरेंदा खुर्द गांव में रविवार सुबह ग्रामीणों ने दुर्लभ काला गिद्ध लाचार हालत में कौवों के हमला करते हुए देखा। तुरंत सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गिद्ध को सुरक्षित रेस्क्यू किया।वन विभाग के वन दरोगा बहुश्रुत यादव ने बताया कि काला गिद्ध को प्राथमिक उपचार और जांच के लिए फॉरेस्ट सेंटर ले जाया जाएगा। बाद में इस पक्षी को उचित देखभाल के बाद सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा। इस प्रयास के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम की प्रशंसा की है।गिद्ध जैसी दुर्लभ पक्षी प्रजातियां संकटग्रस्त हो चुकी हैं, इसलिए इनके संरक्षण की बड़ी आवश्यकता है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन से वन विभाग और ग्रामीणों के बीच सहयोग की एक अच्छी मिसाल स्थापित हुई है।

रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार राजस्व निरीक्षक को हाईकोर्ट से राहत

संवाददाता, करनैलगंज, गोंडा

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तीसरी सुनवाई में दी जमानत

अमृत विचार : करनैलगंज तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक संजय शुक्ला को रिश्वत लेने के आरोप में हुई गिरफ्तारी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जमानत दे दी। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने तीसरी सुनवाई में यह आदेश पारित किया।

गौरतलब है 12 सितंबर को एंटी करप्शन टीम देवीपाटन मंडल ने उन्हें शाहपुर निवासी किसान रामकुमार से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था। किसान ने जमीन की पैमाइश के लिए धारा-24 में वाद दायर किया था और रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी संजय शुक्ला को मिली थी। आरोप है कि वे रिपोर्ट लगाने के बदले लगातार घूस मांग रहे थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें गोरखपुर जेल भेजा गया था। एंटी करप्शन कोर्ट, गोरखपुर ने जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद अधिवक्ता अनिल कुमार और अमरेश बहादुर तिवारी के माध्यम से हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की गई। बचाव पक्ष ने कोर्ट में दलील दी कि गिरफ्तारी की निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। रिश्वत की रकम सीधे हाथ में न देकर बिजली बोर्ड पर रखी गई थी। साथ ही गिरफ्तारी के बाद आरोपी को नजदीकी पुलिस स्टेशन ले जाने के बजाय 32 किमी दूर देहात कोतवाली ले जाकर औपचारिकताएं पूरी की गईं। इन तर्कों को स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने संजय शुक्ला को जमानत देते हुए जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया।

मारने से गर्भ में बच्ची की मौत का आरोप

बालपुर, अमृत विचारः खरथरी के नए पुरवा गांव निवासी खुशबू, पत्नी तजम्मुल ने महिला जिला अस्पताल में एक मृत बच्ची को जन्म दिया। परिजनों का आरोप है कि सोमवार को गांव के ही करम अली के परिवार के साथ हुई झड़प में गर्भवती खुशबू को पेट में गंभीर चोट लगी थी। बीती रात इलाज के लिए महिला जिला अस्पताल लाया गया, जहां शाम करीब 8 बजे खुशबू ने मृत बच्ची को जन्म दिया। नवजात के शव को लेकर परिजन कोतवाली करनैलगंज पहुंचे। बालपुर चौकी प्रभारी अशोक कुमार जायसवाल ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपस में सुलह समझौता कर लिया है और मामले को समाप्त कर दिया गया है।

धर्म-कर्म | श्रीराम नाम जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय कार्यक्रम में प्रवचक ने सुनाई श्रीराम जन्म की कथा

राम के जन्म से पूर्व वानर, भालू के रूप में पैदा हो चुके थे ब्रम्हा, विष्णु आदि देवता

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचारः अयोध्या में भगवान श्रीराम के अवतार से पूर्व उनकी सेवा के लिए ब्रम्हा, शंकर आदि देवता पृथ्वी पर भालू बंदर बनकर आ चुके थे। ब्रम्हा जामवंत बने तथा शंकर ने हनुमान के रूप में वानर रूप धरा। इसी प्रकार से सभी देवता कोई न कोई रूप धारण करके प्रभु श्रीराम की सेवा के लिए तत्पर हो गए। यह बात नगर के आवास विकास कालोनी में अखिल भारतीय श्रीराम-नाम जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक रमेश भाई शुक्ल ने कही।

भगवान श्रीराम के जन्म की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि श्रीराम के पिता राजा दशरथ के जन्म से भी काफी समय पूर्व रावण का जन्म हो चुका था। उसने अपने तप से तीनों लोकों पर प्रभाव जमा लिया। यद्यपि अयोध्या को वह जीत नहीं सका था, किंतु इसके बावजूद वह अपने को तीनों लोकों का स्वामी कहता था। उसके पाप से धरती त्रस्त थी। सभी देवता मिलकर ब्रम्हा जी के पास पहुंचे और इसका कुछ उपाय करने को कहा। ब्रम्हा जी ने कहा कि रावण के 10 सिर हैं। मेरे केवल चार हैं। मैं उसे काबू में नहीं कर सकता। एक हजार नाम वाले भगवान

श्री राम कथा कहते रमेश भाई शुक्ल।

विष्णु ही हमारी मदद कर सकते हैं। हम सभी को मिलकर उन्हीं से प्रार्थना करनी चाहिए। इस प्रकार सभी देवताओं ने मिलकर 'जय-जय सुरनायक, जन सुखदायक' का गान दिया। सामूहिक स्तुति से प्रसन्न होकर विष्णु ने अयोध्या में राजा दशरथ के यहां जल्द ही जन्म

कथा सुनते लोग। अमृत विचार

लेने की बात कही। यह सुनकर देवता खुश हो उठे और पृथ्वी पर विविध रूपों में जन्म लेने लगे। बाद में 14 वर्ष के वनवास काल में प्रभु श्रीराम के साथ मिलकर उन्होंने रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद आदि प्रतापी राक्षसों का वध किया।

कथा व्यास के अनुसार, रावण को पहले से ही पता चल गया था कि उसकी मौत अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र के हाथों होगी। इसलिए दोनों के विवाह के पूर्व ही उन्हें मार डालने की योजना बनाई। दरअसल, कुशल प्रदेश (वर्तमान छत्तीसगढ़) के राजा सुकौशल और रानी अमृतप्रभा की पुत्री कौशल्या का विवाह अयोध्या नरेश दशरथ से तय कर दिया। विवाह की तैयारियां जोरों पर थीं। महाराज दशरथ सरयू में नौका विहार कर रहे थे। इसी बीच उन्हें मार डालने के उद्देश्य से रावण ने आकाश से नाव पर घातक अस्त्र का प्रहार किया। इससे नौका क्षतिग्रस्त हो गई और वे नदी में डूब गए। बाद में एक लकड़ी के सहारे नदी में बहते हुए राजा दशरथ गंगासागर पहुंच गए। दूसरी तरफ रावण ने राजभवन से राजकुमारी कौशल्या का अपहरण कर उन्हें एक पेटिका में बंद करके समुद्र में रहने वाली अपनी एक परिचित मछली को सुरक्षित रखने के लिए दे दिया। मछली उस पेटिका को सदैव अपने मुख में रखती थी। इस मौके पर संयोजक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल शास्त्री, राजीव रस्तोगी, अनिल मित्तल, प्रभाशंकर द्विवेदी, अमित, मनीष अग्रवाल, नितेश अग्रवाल रोमी, सभाजीत तिवारी, हरिओम आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

दुर्घटना में बाल-बाल दो जोड़े फिर साथ रहने को हुए राजी

गोंडा, अमृत विचार : जिले के रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में रविवार को आयोजित परामर्श सत्र के दौरान दो बिछड़े हुए दंपतियों को पुनः साथ रहने के लिए राजी करा लिया गया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देश पर परामर्शदाताओं ने दोनों पक्षों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा आपसी संवाद के माध्यम से समाधान कराया। परिवार परामर्श केन्द्र में उपस्थित अधिकारियों एवं परामर्शदाताओं ने दंपतियों को आपसी सहयोग, समझ और विश्वास के महत्व को समझाते हुए उनके वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित कराने का प्रयास किया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा, महिला थाना प्रभारी अनीता यादव, गंगाधर शुक्ला, शशि भारती, राजमंगल मौर्य, अनीता श्रीवास्तव, डा. उमा सिंह, योगदा नन्दन त्रिपाठी, प्रियंका कनौजिया, नेहा सिंह, सुनीता देवी, किरन सरोज सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

टैगोर हाउस का शानदार प्रदर्शन

बलरामपुर। पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज में आयोजित हाउस वाइस निबंध एवं पत्र लेखन प्रतियोगिता में टैगोर हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्राइमरी व जूनियर दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य सैयद इकलाख हुसैन के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्री-प्राइमरी से जूनियर वर्ग तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्री-प्राइमरी व प्राइमरी वर्ग में नन्हे बच्चों ने सरल, भावनात्मक और रचनात्मक भाषा में निबंध लिखकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने पत्र लेखन में प्रभावशाली शैली और गहन चिंतन प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने पूरे कार्यक्रम में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें बेहतर लेखन के लिए प्रेरित किया। परिणामों में प्री-प्राइमरी वर्ग में सुभाष हाउस प्रथम रहा, जबकि प्राइमरी तथा जूनियर दोनों वर्गों में टैगोर हाउस ने शीर्ष स्थान हासिल कर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई। अन्य वर्गों में गांधी और आजाद हाउस ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ. एम.पी. तिवारी ने संदेश जारी कर कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

निंदूरा इल्मी कंपटीशन टेस्ट का परिणाम घोषित मेधावी सम्मानित

करनैलगंज, अमृत विचार : ग्राम पंचायत निंदूरा में आयोजित निंदूरा इल्मी कंपटीशन टेस्ट का परिणाम रविवार को घोषित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रफीक हुसैन, डॉ. शहरेयार खान और डॉ. आरडी सिंह रहे। यह परीक्षा 30 नवंबर 2025 को आयोजित की गई थी, जिसमें जूनियर (कक्षा 6-9) और सीनियर (कक्षा 9-11) वर्ग के करीब 300 विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। सीनियर वर्ग में लक्ष्य इंटर कॉलेज के नूरुल आबदीन तथा जूनियर वर्ग में एमआईके इंटर कॉलेज खिंद्री की शिवांगी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान पाने वाले दोनों प्रतिभागियों को साइकिल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा टॉप 20 मेधावियों को भी उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष मुजीब खान, सचिव कमर खान, सबील खान, सहमीर खान, रमजान अली एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। आयोजन टीम में मशाद खान, मोहम्मद अकरम, रेहान, अमजद खान, नूर आलम और मुस्तर हुसैन शामिल रहे। मौके पर सहाबुद्दीन खान, अतिउल्लाह खान, हाजी बदरुद्दीन, मास्टर दिनेश सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बचे मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक

गोंडा, अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक डॉ डीएन सिंह कार से गोंडा लखनऊ मार्ग पर जा रहे थे, उनके वाहन को पीछे से रोडवेज बस ने टक्कर

मार दी। दुर्घटना में बाल बाल बच गए। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि वह अपनी कार से गोंडा लखनऊ मार्ग से होकर जा रहे थे, डीएम आवास के समीप पीछे से आ रही रोडवेज बस ने उनके वाहन को टोकर मार दिया। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। वाहन हल्का सा क्षतिग्रस्त हो गया।

मतदाता सूची शुद्धिकरण पर जोर

भाजपा की विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान समीक्षा बैठक में दिए गए कड़े निर्देश

संवाददाता, बलरामपुर

भाजपा मतदाता सूची शुद्धिकरण बैठक विजय बहादुर पाठक को सम्मानित करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी। अमृत विचार

अमृत विचार। भाजपा कार्यालय अटल भवन में सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आए प्रदेश उपाध्यक्ष तथा विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक का स्वागत जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्र ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। जिलेभर से आए जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी तथा बूथ स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

विजय बहादुर पाठक ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पात्र नए मतदाताओं के नाम जोड़ना, मृतक व दोहराए गए नाम हटाना तथा प्रत्येक परिवार तक पुनरीक्षण अभियान की जानकारी पहुंचाना संगठनात्मक दायित्व है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एसआईआर में किसी भी स्तर पर कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पन्ना प्रमुखों और बूथ समितियों को सक्रिय रहकर अभियान को पूर्ण सफलता दिलाने का निर्देश दिया।

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने बूथवार कार्य, प्रपत्र संख्या 6, 7 एवं 8 की प्रगति, शिविर आयोजन, घर-घर संपर्क तथा नवयुवकों, वृद्ध, दिव्यांग और महिलाओं तक पहुँच बनाए जाने पर विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, विधायक पल्टूराम, विधायक कैलाश नाथ शुक्ल, विधायक राम प्रताप वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, बृजेंद्र तिवारी, वरुण सिंह मोनू, डीपी सिंह बैस, अवधेश तिवारी 'तरुण' सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में विधायक पल्टूराम ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त कर बैठक का समापन किया।

खलीलाबाद-उतरौला-बहराइच रेल परियोजना ने पकड़ी रफ्तार

भूमि चिन्हांकन शुरू, 2027 तक ट्रेनों की सीटी गूंजने की उम्मीद

संवाददाता, उतरौला, बलरामपुर

अमृत विचार। वर्षों से अधर में लटकी खलीलाबाद-बांसी-उतरौला-बहराइच रेल मार्ग परियोजना आखिरकार तेजी पकड़ने लगी है। रेलवे विभाग ने उतरौला क्षेत्र में रेल लाइन के लिए भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। धुसवा स्टैंड के पास रेलवे इंजीनियरों ने प्रस्तावित भूमि का बोर्ड लगाकर साफ कर दिया है कि इस क्षेत्र में अब किसी भी तरह का निर्माण या गतिविधि प्रतिबंधित रहेगी।

बोर्ड लगते ही क्षेत्रवासियों में उत्साह की लहर दौड़ गई। लंबे

धुसवा स्टैंड के पास लगाया गया प्रस्तावित भूमि का बोर्ड। अमृत विचार

समय से प्रतीक्षित इस रेल मार्ग को लेकर लोगों की उम्मीदें फिर से जग गई हैं। स्थानीय निवासियों ने कहा कि रेलवे लाइन तैयार होने से यातायात, व्यापार और आवागमन को नई दिशा मिलेगी और उतरौला कस्बा विकास के नए अध्याय में प्रवेश करेगा। सूत्रों के अनुसार, यदि कार्य समय पर चलता रहा तो यह बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना वर्ष 2027 तक पूर्ण हो सकती है।

देवीपाटन मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण शुरू, जाम से मिलेगी राहत

संवाददाता, तुलसीपुर, बलरामपुर

अमृत विचार। शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर जाने वाले मार्ग पर पड़ने वाली रेलवे क्रासिंग पर टू-लेन ओवरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। हरैया तिराहा रेलवे क्रासिंग पर जाम की समस्या लंबे समय से गंभीर रूप ले चुकी थी, क्रासिंग बंद होते ही वाहनों की लंबी कतार लग जाती थी। ओवरब्रिज बनने से श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

तुलसीपुर के हरैया चौराहे पर हो रहा ओवरब्रिज निर्माण। अमृत विचार

ओवरब्रिज निर्माण के तहत सड़क चौड़ीकरण की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। अतिक्रमण हटाने के लिए भवनों पर लाल निशान पहले ही लगाए जा चुके हैं और चौड़ीकरण का बोर्ड भी लगा दिया गया है। कलश चौराहा और हरैया तिराहा के बीच रेलवे उपरिगामी सेतु (आरओबी) के निर्माण हेतु 9969.51 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति पहले ही दी जा चुकी है। बीते वित्तीय वर्ष में सेतु निगम बाराबंकी को 3489.33 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं।

देवीपाटन मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को नवरात्र जैसी भीड़भाड़ के समय घंटों जाम झेलना पड़ता था। गोंडा-गोरखपुर बाया बलरामपुर रेलखंड पर दिन में कई बार क्रासिंग बंद होने से परेशानियां बढ़ जाती थीं। इस मार्ग से स्थानीय लोगों का दोपहिया और चारपहिया आवागमन भी भारी मात्रा में होता है।

उप जिलाधिकारी राकेश कुमार जयंत ने बताया कि ओवरब्रिज निर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिससे जल्द ही राहगीरों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

आयुष्मान गोल्डन कार्ड कैंप का सीएमओ ने किया निरीक्षण

बलरामपुर, अमृत विचार। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत ग्राम पिपरी कोलुही में आयोजित गोल्डन कार्ड कैंप का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने निरीक्षण किया। उन्होंने कैंप की व्यवस्थाओं और कार्ड निर्माण की प्रगति का विस्तृत आकलन किया।

कैंप में आयुष्मान मित्र रिंकू सोनी ने अब तक 26 पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए। सीएमओ ने ग्रामीणों को बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार को सालाना 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध है, जिसके तहत गंभीर बीमारियों का उपचार भी सूचीबद्ध अस्पतालों में बिना खर्च के कराया जा सकता है। उन्होंने अधीक्षक डॉ. आनंद त्रिपाठी को निर्देश दिया कि ग्राम के सभी पात्र परिवारों का कार्ड बनना सुनिश्चित किया जाए और कोई भी लाभार्थी योजना से वंचित न रहे। निरीक्षण के दौरान जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, सर्वेश गोस्वामी सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। ग्रामीणों को योजना की पात्रता और लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

मेधावियों ने बढ़ाया विद्यालय का मान

मेधावियों को सम्मानित करते सदर विधायक पल्टूराम। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार। कुबेरमती पांडेय मेमोरियल इंटर कॉलेज में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह उत्साह और उमंग के बीच आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक पल्टूराम ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। हाईस्कूल परीक्षा में नीलम जायसवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया, जबकि अनुराग पटेल द्वितीय और कोमल चौरसिया तृतीय स्थान पर रहे। इंटरमीडिएट वर्ग में अमर गुप्ता प्रथम, प्रीति यादव द्वितीय और मोहिनी तृतीय रहीं। विज्ञान प्रदर्शनी में सीनियर वर्ग में नीलम जायसवाल व उनकी टीम प्रथम, धुस्वामिनी की टीम द्वितीय रही। जूनियर वर्ग में विजयदीप, अंश श्रीवास्तव और उनकी टीम ने उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत कर प्रशंसा प्राप्त की। विद्यालय के प्रबंधक प्रो. जनार्दन प्रसाद पांडे और प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार मिश्र ने कहा कि छात्रों की सफलता में शिक्षकों के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 30 मोतियाबिंद रोगी चिन्हित

बलरामपुर। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के जिलाध्यक्ष यदुनंदन मिश्रा के नेतृत्व में देवी पाटन नेत्र चिकित्सालय द्वारा बहादुरपुर में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। ग्रामीणों में नेत्र रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान अमरेश पासवान, प्रधान प्रतिनिधि बिंदेश्वरी प्रसाद, पूर्व प्रधान राम बनारस चौरसिया एवं यदुनंदन मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने ऐसे स्वास्थ्य शिविरों को ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को जुड़ने की अपील की। शिविर में चिकित्सालय की विशेषज्ञ टीम ने 100 मरीजों की जांच की, जिसमें 30 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई।

हृदय रोग शिविर में 70 मरीजों की हुई जांच

शिविर में मरीजों की जांच करते डॉ. पंकज श्रीवास्तव। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार। रोटरी क्लब बलरामपुर ग्रेटर और हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में अल-रहमान अस्पताल में हृदय रोग सर्जन डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा हृदय रोग का निःशुल्क सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। उद्घाटन पंडित अटल बिहारी बाजपेई स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज बलरामपुर के प्राचार्य डॉ. राजेश चतुर्वेदी ने किया। शिविर में 70 हृदय रोगियों की जांचें निःशुल्क की गईं।

एसआईआर के लिए 12 बूथों का निरीक्षण

बलरामपुर, अमृत विचार। विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण महाअभियान के तहत नगर के बूथ संख्या 99 से 110 तक कुल 12 बूथों पर आयोजित शिविरों का स्थल निरीक्षण किया गया। वार्ड 5 के सभासद प्रतिनिधि विनोद गिरि, बस स्टेशन वार्ड के सभासद राघवेंद्र कांत और अचलपुर नीलबाग वार्ड के सभासद राजेश कश्यप ने कैंपों में पहुँचकर अधिकारियों और कार्यकर्ताओं से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सामने आई समस्याओं का तुरंत निस्तारण कराया गया।

जनप्रतिनिधियों ने बताया कि बूथ स्तर पर कार्यरत सभी बी.एल.ओ. और पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और तत्परता से कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि मतदाता सूची

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में मौजूद नगर पालिका के प्रतिनिधि। अमृत विचार

समस्याओं का तत्काल किया गया समाधान

को अद्यतन और सटीक बनाने में सहयोग दें। नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन से संबंधित किसी भी समस्या के लिए वे तुरंत अधिशासी अधिकारी या वार्ड के सभासद से संपर्क करें। इस अवसर पर सरिता शुक्ला, अरविंद जायसवाल, विकास मिश्रा, रवि कश्यप, संदीप आर्य, संतोष साहू सहित अनेक पदाधिकारी और बी.एल.ओ. अशोक शुक्ला, माधुरी तिवारी, अर्चना खंडेलवाल, विनय कुमार आदि उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव के लिए गायन और नृत्य का ट्रायल शुरू

गोंडा, अमृत विचार: स्थानीय सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यालय के 24वें वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में जनपद स्तरीय मेलोडी एंड मोशन कार्यक्रम के अंतर्गत गायन एवं नृत्य श्रेणी के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए चयन ट्रायल एवं ऑडिशन का भव्य आयोजन किया गया। यह ऑडिशन रविवार से शुरू होकर 14 दिसंबर तक होगा।

नृत्य का रिहर्सल करती छात्रा।

चयन प्रक्रिया में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आए 500 से अधिक छात्र छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। ऑडिशन के माध्यम से गायन व नृत्य श्रेणी से 5-5 श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा, जिन्हें 20 दिसंबर को आयोजित होने वाले विद्यालय के वार्षिकोत्सव में प्रस्तुति का अवसर प्राप्त होगा। विद्यालय की प्रबंधक सुजैन दत्ता ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनपद की प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच उपलब्ध कराना है। नृत्य श्रेणी के लिए लखनऊ भातखण्डे की विख्यात कलाकार जेसिका सिंह को निर्णायक मंडल में शामिल किया गया।

धार्मिक आयोजन को लेकर पुलिस कार्यकर्ताओं के साथ की चर्चा

गोंडा, अमृत विचार: बालाजी सेवा समिति की बैठक शनिवार रात आठ बजे रगड़गंज पुलिस चौकी पर संपन्न हुई। अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने बालाजी सेवा समिति के पदाधिकारियों से आयोजन के संबंध में जानकारी हासिल किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान लोगों के हितों का ध्यान

बालाजी सरकार सेवा समिति की बैठक संपन्न

रखने पर जोर दिया। कहा कि धार्मिक आयोजन पुण्य लाभ के लिए किया जाता है ऐसे में इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि किसी व्यक्ति को कार्यक्रम के दौरान असुविधा न हो। क्षेत्राधिकारी डॉक्टर उमेश्वर प्रभात सिंह ने आयोजकों से कहा कि कार्यक्रम मंदिर पर संपन्न होने के बाद प्रसाद वितरण के लिए कोई अन्य स्थान की तलाश करें जिससे लोगों के आवागमन में असुविधा न उत्पन्न हो। इस पर आयोजकों ने कहा कि इस बार कार्यक्रम निर्धारित किया जा चुका है अगली बार प्रयास किया जायेगा। प्रभारी निरीक्षक तरबगंज राजकुमार यादव ने कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की अपील किया। चौकी प्रभारी रगड़गंज राकेश कुमार पांडेय, राम कुमार कसौधन, आशीष कसौधन, जानकी गुप्ता, पवन कौशल, संदीप कौशल, रज्जन बाबा, सूरज सिंह, विकास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटवाने के दिए निर्देश

बैठक के दौरान जाम लगने की समस्या लोगों ने उठाया। अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने क्षेत्राधिकारी, डॉक्टर उमेश्वर प्रभात सिंह को अतिक्रमण हटवाने का निर्देश दिया।

टूर्नामेंट में पाण्डेय स्पोर्ट भैरवपुरवा विजयी

करनैलगंज, अमृत विचार : करनैलगंज-हुजूरपुर मार्ग स्थित बैकुंठनाथ क्रिकेट कप टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को सुदईपुरवा क्रिकेट टीम और पाण्डेय स्पोर्ट भैरवपुरवा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पाण्डेय स्पोर्ट ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 12 ओवर में 168 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में सुदईपुरवा की टीम 12 ओवर में 130 रन ही बना सकी और 38 रन से हार गई। पाण्डेय स्पोर्ट के साहिल को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच, जबकि राम सिंह को बेहतरीन खेल के लिए मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। दोनों खिलाड़ियों ने दमदार बल्लेबाजी कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजेता कप्तान अभिषेक पाण्डेय को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार तथा उपविजेता कप्तान कोमल मिश्रा को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

आयोजन | वामा सारथी संघ के तत्वावधान में लगा स्वास्थ्य शिविर

होम्योपैथी चिकित्सा की बताईं विशेषताएं

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : रविवार को पुलिस लाइन के अमर शहीद राजेंद्र नाथ लाहिड़ी बहुउद्देशीय हाल में वामा सारथी संघ की अध्यक्षा डॉक्टर तन्वी जायसवाल के तत्वाधान तथा नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस परिवार के बच्चों, महिलाओं एवं युवाओं के लिए होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

पुलिस लाइन में लगे शिविर में मौजूद लोग। अमृत विचार

शिविर का उद्देश्य पुलिस परिवार के स्वास्थ्य संरक्षण, जागरूकता तथा बदलते मौसम में होने वाले मौसमी संक्रमणों से बचाव के लिये प्रभावी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना रहा। शिविर में विशेषज्ञ होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा दवाओं का वितरण किया गया। बदलते मौसम में तेजी से बढ़ रहे सर्दी-जुकाम, खांसी, वायरल संक्रमण, बुखार, प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी समस्याओं से सुरक्षित रहने के उपायों के साथ ही होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की विशेषताओं और इसके दुष्प्रभाव-रहित परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी की गई।

शिविर में आए बच्चों एवं युवाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सावधानियों, साफ-सफाई, पोषण, नियमित व्यायाम तथा मौसमी बीमारियों के दौरान अपनाई जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा पद्धतियों के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा, मेडिकल स्टाफ, वामा सारथी संघ की सदस्य तथा बड़ी संख्या में पुलिस परिवार की महिलाएं, बच्चे और युवा उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा को लेकर चला अभियान

महदेईया बाजार, बलरामपुर, अमृत विचार। कोतवाली उतरौला क्षेत्र के ग्राम बनगवां स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय महदेईया मोड़ पर रविवार को मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनिसेफ के मंडलीय बाल सुरक्षा सलाहकार डॉ. अनिल कुमार द्विवेदी ने की। उन्होंने महिलाओं को बाल सुरक्षा, अधिकारों, सरकारी योजनाओं और प्रमुख हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। लगभग 300 महिलाएँ कार्यक्रम में शामिल हुईं।

डॉ. द्विवेदी ने सोशल मीडिया पर अंजान लोगों से संपर्क न करने और साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत

महिलाओं तथा बच्चियों को सुरक्षा संबंधी कानून की जानकारी देते पुलिसकर्मी।

करने की सलाह दी। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने कहा कि यूपी पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा 1090, 1076, 1098, 181 और 112 नंबरों के उपयोग की अपील की। महिला उपनिरीक्षक शालिनी सिंह ने महिला सशक्तीकरण, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह निषेध और साइबर सुरक्षा पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में महिला आरक्षी नीतू, सुषमा, हेड कॉन्स्टेबल अखिलेश, मेवालाल समेत कई पुलिसकर्मी, ग्राम प्रधान रहमतुननिशा, प्रधान प्रतिनिधि सद्दाम हुसैन तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

बहू-बेटी सम्मेलन में किया गया जागरूक

श्रावस्ती, अमृत विचार : महिलाओं के सशक्तिकरण, उनकी आत्मनिर्भरता व सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए मिशन शक्ति टीम व शक्ति मोबाइल टीम की ओर से रविवार को बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिले के 10 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में सभी वर्गों की महिलाओं को स्वावलंबन, सुरक्षा, संवैधानिक अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक बनाते हुए उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। सम्मेलन में आशा बहु, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, विधवा व तलाकशुदा महिलाएं मौजूद रहीं।

मार्ग पर ठेला लगाया तो होगी कार्रवाई

श्रावस्ती, अमृत विचार : यातायात सुगम बनाने के लिए पुलिस ठेला व दुकानदारों को सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करने के लिए अभियान चला रही है। पुलिस ने गिलौला कस्बे में अतिक्रमण हटवाने के साथ ही मार्ग किनारे लगे ठेला, रिक्शा व अन्य वाहन चालको को हिदायत पटरी पर अतिक्रमण न करने की हिदायत दी।

इंडो-नेपाल सीमा पर की संयुक्त गश्त

श्रावस्ती, अमृत विचार : जिले की सीमा सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मल्हीपुर व सिरसिया पुलिस एसएसबी के जवानों के साथ इंडो-नेपाल बॉर्डर पर गश्त व चेकिंग अभियान चला रही है। टीम ने रविवार को इंडो -नेपाल बार्डर के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में पैदल गस्त कर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की गहनता से जांच की। साथ ही सीमा क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति का निरीक्षण भी किया। अपील किया कि अफवाहों पर ध्यान न दें।

खतरे की जद में संजय सेतु हादसा किसी भी समय संभव

नागरिक बोले, शीघ्र कराई जाए जर्जर पुल की मरम्मत

जरवलरोड, बहराइच

अमृत विचार: घाघरा घाट संजय सेतु अपनी जर्जर हालत के कारण दैनिक यातायात के लिए गंभीर खतरा बन गया है। ज्वॉइंटर उखड़ चुके हैं। सड़क धंस चुकी है। सरिया एंगल टूटे हैं और किनारों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। टू-व्हीलर और छोटे वाहन चालक रोजाना दुर्घटना के डर में सफर करते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद विभाग ने केवल निरीक्षण किया लेकिन मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ। पुल अयोध्या, गोंडा, श्रावस्ती, प्रयागराज और काशी मार्ग का प्रमुख कनेक्शन है और भारी ट्रैफिक दबाव के कारण हादसे की संभावना लगातार बढ़ रही है। इस बारे में व्यवसायी विष्णु गुप्ता कहते हैं कि टूटे हिस्सों से लंबा जाम लग जाता है। अगर एम्बुलेंस फंस जाए तो फिर भगवान ही मालिक है। माधव राम शुक्ला कहते हैं कि ज्वाइंटरों के उखड़ने से बाइक सवार हमेशा खतरे में रहते हैं ज्वांइटर के उभरे होने से बाइक सवार उछल जाते हैं इसे अविलम्ब मरम्मत कराने की आवश्यकता है। आरपीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया कि यह पुल हजारों वाहनों का मुख्य मार्ग है, कोई बड़ा हादसा कभी भी घट सकता है। माधुरी सिंह कहतीं हैं कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग ने काम शुरू नहीं किया। व्यापारी शरद कुमार पोरवाल कहते हैं कि जर्जर पुल के कारण व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। प्रदीप अग्निहोत्री ने बताया जहां रेलवे चौथे पुल का निर्माण करने जा रहा है, वहीं मौजूदा पुल की तत्काल मरम्मत अत्यंत आवश्यक है। गायत्री विद्यालय की कोऑर्डिनेटर पंकज तिवारी ने बताया कि स्थानीय नागरिकों की मांग है कि पंकज तिवारीजब तक नया पुल नहीं बनता, मौजूदा पुल की तुरंत मरम्मत की जाए।

लखनऊ-गोंडा रेल प्रखंड पर मालगाड़ी से कटा युवक

जरवल रोड, बहराइच: लखनऊ-गोंडा रेल प्रखंड पर स्थानीय रेलवे स्टेशन लाइन नंबर तीन पर अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। जरवल रोड स्टेशन तीन नंबर नई रेलवे लाइन पर लखनऊ की ओर से मालगाड़ी गोंडा की तरफ जा रही ट्रेन से कटकर युवक की मौत हो गयी। इसकी सूचना मालगाड़ी ड्राइवर ने रोकर स्टेशन मास्टर को दी। बताते हैं कि युवक ट्रेन की पटरियों पर लेटा हुआ था। स्टेशन मास्टर ने आरपीएफ बुढवल व जीआरपी गोंडा को सूचना दे दी है। इधर, घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गयी।

एसआईआर पर रोना रो रहा विपक्ष: राजभर

संवाददाता, बहराइच

प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का स्वागत करते पार्टी के कार्यकर्ता। अमृत विचार

अमृत विचार: सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर रविवार को एक दिवसीय दौरे पर जनपद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष के नेता रोना रो रहे हैं। जबकि इस अभियान में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं काटा जा रहा है।

बीते दिनों मदनी की ओर से जेहाद करने व मुसलमानों पर अत्याचार होने के बयान पर कहा कि हम उनकी बात से सहमत नहीं हैं। कांग्रेस व पूर्व की सरकारों में दंगे होते थे लेकिन भाजपा व एनडीए की सरकार में न तो दंगे होते हैं और न ही कर्फ्यू लगता है। आज कानून का राज है।

वहीं मदरसों में नियुक्ति को लेकर उन्होंने कहा कि मदरसों के प्रधानाचार्य व मैनेजर जिनकी बेटियां होती हैं वे अपने मदरसों में लड़कों को पढ़ाकर उन्हें वहीं नियुक्ति देकर अपनी बेटियों की उनसे शादी कर देते हैं। मदरसों में भी आयोग के अनुसार नियुक्ति होनी चाहिए। राहुल गांधी को रूस के राष्ट्रपति के स्वागत व भोज में न बुलाए जाने पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी व अखिलेश यादव बुलाने पर भी कही नहीं जाते हैं। अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन के लिए विधानसभा स्पीकर ने सभी लोगों को बुलाया था। लेकिन उसमें भी अखिलेश यादव नहीं गए थे। उन्होंने ये बातें नगर स्थित खालिद खान के आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कही।

धूमधाम से मना मामराज कॉलेज का वार्षिकोत्सव

पयागपुर, बहराइच

प्रशस्ति पत्र के साथ विद्यालय के छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार: मामराज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नूरपुर पयागपुर में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य पुरुष्कार प्राप्त शिक्षक कृष्ण मोहन शुक्ल एवं विशिष्ट अतिथि सत्येंद्र त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्चन, पूजन कर किया। विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इनमें दहेज प्रथा और बच्चे एवं बच्चियों पर आधारित कार्यक्रमों ने समाज को एक अनुकरणीय संदेश दिया। विद्यालय द्वारा उन सभी बच्चों को जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। संचालन विनोद कुमार पांडे ने किया। इसके अलावा, विद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा अभिभावकगण भी समारोह में उपस्थित रहे।

जंगली जानवरों से बचने के बताए उपाय

बहराइच, अमृत विचार: कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लब की ओर से कतर्नियाघाट की ककरहा रेंज के हंसुलिया वन बैरियर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को मानव वन्य जीव संघर्ष की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया तथा जंगली जानवरों के हमले से बचने के उपाय बताये। कार्यशाला को संबोधित करते हुए क्लब के अध्यक्ष बीडी लखमानी ने कहा कि कतर्नियाघाट में तेंदुओं द्वारा ग्रामीणों पर हमले की घटनाएं बहुत होती हैं। ग्रामीण जागरूक हों तो इन घटनाओं को कम किया जा सकता है इसके लिए ग्रामीण लकड़ी बटोरने, मवेशी चराने एवं शौच के लिए जंगल के भीतरी भागों में न जाएं, गन्ने के खेतों की ओर अकेले न जाकर समूह में शोर मचाते हुए ताली बजाते हुए जाएं और बच्चों को गन्ने के खेतों की ओर कदापि न जाने दें।

लाखों के जेवर बरामद, 3 गिरफ्तार

संवाददाता, बहराइच

पुलिस की हिरासत में अभियुक्त। अमृत विचार

अमृत विचार: जिले की हरदी पुलिस व स्वॉट टीम ने चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों के साथ चोरी किए गए समानों व जेवरात को खरीदने वाले तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है । इनके पास से चोरी किए गए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात बरामद हुए हैं।

भगवानपुर गांव के नारायण के घर से 26 नवंबर को चोर लाखों कीमत के जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गए थे। इस दौरान उनके घर के पास स्थित एक ज्वेलरी की दुकान में चोरी का प्रयास किया गया था। पुलिस मामला दर्ज कर घटना में शामिल लोगों की तलाश कर रही थी। रविवार को मुखबिर ने हरदी थाना प्रभारी व स्वॉट टीम प्रभारी मनोज सिंह यादव को घटना में शामिल लोगों के शंकरपुर बीज भंडार के पास होने की सूचना दी। इसके बाद उप निरीक्षक अजय कुमार, नंद किशोर सिंह आरक्षी रूपेंद्र विश्वकर्मा आदि ने दो लोगों को हिरासत में ले लिया। एएसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि पुलिस ने अशोक कुमार निवासी लखीमपुर व अजय कुमार चौहान निवासी खमरिया शुक्ल थाना हरदी को गिरफ्तार किया। इन्होंने पूछताछ में बताया कि हम लोगों ने चोरी किए गए सामान को सूबेदार, धनाजी सेंडे व करण साहू नाम के व्यक्ति को अलग-अलग बेचा है।

पिकअप की टक्कर से महिला की मौत, 3 घायल

जरवलरोड, बहराइच: क्षेत्र में शनिवार की दोपहर हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। आदर्श यज्ञसेनी पुत्र शिव दर्शन निवासी मोहल्ला कहारन टोला अपने ससुराल भंभुआ से परिवार समेत नानपारा लौट रहे थे। इस दौरान बहराइच की ओर से आ रही पिकअप ने ऑटो में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पलट गया। हादसे में आदर्श की पत्नी कोमल को गंभीर चोटें आईं जिसके कारण मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। वहीं आदर्श सहित उनकी पुत्री उर्मी (10) और आरती उर्फ बिट्टू पत्नी पप्पू उम्र लगभग (35) को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पीड़ित आदर्श ने चालक को पहचान लेने की बात कही है। उसने थाना जरवलरोड में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने और कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चिकित्सा शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

शिविर में 245 मरीजों को दी गयीं दवाएं

जरवल रोड, बहराइच : प्राvि जरवल रोड परिसर में डॉ. राम चन्द्र यादव आई एंड डेंटल सेंटर बाराबंकी के सौजन्य से रविवार को चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में ग्रामीणों की आंख व दांत संबंधी समस्याओं की जांच की गई। डॉ. देवेश आर यादव, नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको स्पेशलिस्ट मेडिकल रेटिना विशेषज्ञ ने रोगियों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया। नेत्र जांच के लिए आये लोगों की दृष्टि परीक्षण, मोतियाबिंद की जांच सहित विभिन्न नेत्र रोगों तथा डॉ मनीषा यादव ने मरीजों का परीक्षण किया। आयोजन के माध्यम से बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। कैंप का आयोजन डॉक्टर गिरीश यादव की देखरेख में आयोजित हुआ। इन्होंने बताया कि 245 मरीजों की जांच एवं दवा का वितरण हुआ। समाजसेवी एवं भाजपा नेता ओम प्रकाश अवस्थी ने चिकित्सकों एवं सेंटर प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

कुत्ते के हमले से बालिका गंभीर

जमुनहा, श्रावस्ती: हुसैनपुर खुरुहुरी गांव में रविवार को घर के सामने खेल रही एक बालिका पर कुत्ते ने हमला कर दिया। इससे बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे मेडिकल कालेज बहराइच में भर्ती कराया गया था, जहां हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम हुसैनपुर खुरुहुरी निवासी सौम्या देवी (7) पुत्री श्याम सुंदर दरवाजे के सामने खेल रही थी। इस दौरान कुत्ते ने उसे गंभीररूप से घायल कर दिया। लोगों ने कुत्ते को भगाकर बालिका की जान बचाई। बालिका को परिजन निजी वाहन से मेडिकल कॉलेज बहराइच ले गये।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर अधिकाधिक पैसा देकर करें आर्थिक सहयोग : डीएम

डीएम को झंडा लगाते कर्नल अरुण सूर्यवंशी।

श्रावस्ती, अमृत विचार: सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रविवार को डीएम के कैंप कार्यालय स्थित कक्ष में सैनिक एवं पुनर्वास कल्याण अधिकारी कर्नल अरुण सूर्यवंशी ने अश्विनी कुमार पांडेय को झंडा लगाया। इस दौरान डीएम ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया। डीएम ने कहा कि सैनिक देश की ढाल होते हैं, जो देश को हर खतरे से बचाते हैं। सैनिक देश का वह गौरव हैं, जो हमेशा देश का अभिमान बनके देश की रक्षा और मान बढ़ाते हैं। वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे देते हैं, और देश की सुरक्षा के लिए हमारे वीर सेनानी हमेशा तैयार रहते हैं। उन्हीं की देखभाल करने व उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त करने के लिए प्रत्येक वर्ष सात दिसंबर को भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि सशस्त्र झंडा दिवस पर सैनिक पुनर्वास कल्याण विभाग से उपलब्ध कराए गए झंडा के सापेक्ष अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग सैनिक पुनर्वास कल्याण कार्यालय को उपलब्ध कराएं। डीएम ने सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों, शहीदों की वीर नारियों व उनके बच्चों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी।

श्रावस्ती से लखनऊ को 10 नई बसों का संचालन शुरू

श्रावस्ती, अमृत विचार: जिले से लखनऊ के लिए रोडवेज की 10 नई बसों का संचालन प्रारंभ किया गया है। इससे अब जिलेवासियों के लिए लखनऊ की राह आसान होगी। भिनगा निवासी समाजसेवी ओम मिश्रा ने विगत दिनों परिवहन निगम के अधिकारियों सहित शासन को पत्र भेजकर भिनगा में बने रोडवेज बस स्टैंड से रोडवेज बसों की संख्या बढ़ाने की मांग की थी। इसको सरकार व निगम के अधिकारियों ने संज्ञान में लेते हुए 10 नई बसों का संचालन शुरू किया है। यह बसें सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक संचालित होंगी। इसके लिए चालक-परिचालक को भी तैनात किया गया है। अभी तक भिनगा से बहराइच वाया लखनऊ के लिए आठ बसें ही संचालित हो रही थी। इससे लोगों को लखनऊ आने जाने में समस्या होती थी। एआरएम ज्ञानचंद्र ने बताया कि अभी 10 बसों का संचालन शुरू हुआ है। बहराइच से बस भिनगा जाएगी और वहां से सीधे लखनऊ के लिए रवाना होगी।

राजर्षि काली मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करते हिंदू संगठन के लोग। अमृत विचार

शौर्य दिवस: काली माता मंदिर में हुआ हनुमान चालीसा पाठ

श्रावस्ती, अमृत विचार : बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने भिनगा के राजर्षि काली मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया। इस दौरान छह दिसंबर 1992 की घटना को हिंदुओं के लिए ऐतिहासिक व शौर्य दिवस बताया। विहिप व बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ हुआ। सूर्यास्त के बाद मंदिर परिसर दीपों की रोशनी और जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान रहा। इसकी शुरुआत मंदिर के पुजारी ने पूजा एवं मंगलाचरण से की। इस दौरान वरिष्ठ स्वयंसेवक रामजी आर्य, राधेश्याम, विहिप के नगर अध्यक्ष संजय, आलोक, बजरंग दल के आशीष आर्य, जिला सुरक्षा प्रमुख अंशुल पांडेय, नगर संयोजक अजय रावत, अवजीत प्रताप सिंह, मनोज गुप्ता, प्रतीक, कृष्ण कुमार गुप्ता, शिवम् पांडेय, जय प्रकाश विश्वकर्मा, अशोक कुमार, राजितराम, लक्ष्मण, रघु सिंह, अयोध्या प्रसाद सहित विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मवेशी से टकराई बाइक मदरसा शिक्षक की मौत

श्रावस्ती, अमृत विचार: बौद्ध परिपथ पर रविवार सुबह इकौना देहात के निकट बाइक सवार मदरसा शिक्षक मवेशियों से टकराकर गंभीररूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए ट्रामा सेन्टर लखनऊ ले जाया जा रहा था, जिसकी रास्ते में मौत हो गई। इकौना थाना क्षेत्र के मोहल्ला लाजपत नगर निवासी मदरसा शिक्षक हाफिज नसीर अहमद (24) पुत्र मंजूर अहमद शनिवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी बहन के घर कैसरगंज गया था। रविवार सुबह वह बाइक से वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वह बाइक लेकर इकौना थाना क्षेत्र के बौद्ध परिपथ स्थित इकौना देहात मुर्गी फार्म के पास पहुंचा। तभी मार्ग पर अचानक छुट्टा मवेशी आ जाने से वह बाइक से नियंत्रण खो बैठा। इससे वह मवेशियों से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया। उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ ले जाया जा रहा था कि रास्ते में मौत हो गई।

रसोइयों ने दिखाया खाना बनाने का हुनर

पाक कला प्रतियोगिता

संवाददाता श्रावस्ती

जूनियर हाईस्कूल भिनगा में आयोजित पाक स्पर्धा में भोजन जांचतीं निर्णायक।

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शनिवार को पाक कला स्पर्धा कराई गई। इसमें प्राथमिक व उप्रावि में तैनात रसोइयों ने प्रतिभाग किया। प्मेंरतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली तीन रसोइयों ने सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जूनियर हाईस्कूल भिनगा में किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक ब्लाक से प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में तैनात पांच-पांच रसोइयों समेत कुल 30 रसोइयों ने प्रतिभाग किया। सभी रसोइयों ने अपने हुनर का उपयोग करते हुए भोजन बनाया। निर्णायक दल ने सभी रसोइयों के भोजन का स्वाद चखा और बेहतर प्रदर्शन करने वाली रसोइयों को विजेता घोषित किया। जिसमें हरिहरपुररानी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भिनगा की रसोइया राम देवी को पहला, सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय लोहटी की विमला को दूसरा व उच्च प्राथमिक विद्यालय कुन्नपुर नौशहरा को तीसरा स्थान मिला। पहली विजेता को 3500, दूसरी विजेता को 2500 व तीसरी विजेता को 1500 रुपये का पुरस्कार दिया गया। साथ ही अन्य प्रतिभागियों को 300 रुपये नकद सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

नगर जनप्रतिनिधि के सोशल अकाउंट से की गई अभद्र टिप्पणी, मुकदमा दर्ज

नानपारा, बहराइच: थाना खैरीघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत ललूही पत्थर निवासी अमन सिंह ने बताया कि उनके द्वारा सोशल मीडिया पर जिला मऊ के अरबाज खान द्वारा बागेश्वर बाबा पर अभद्र पोस्ट की गई थी जिस पर नगर नानपारा के जनप्रतिनिधि के सोशल मीडिया अकाउंट से भी उस पर अभद्र टिप्पणी की गई थी जिसका स्क्रीन शॉट लेकर उन्होंने भाजपा के व्हाट्स ऐप ग्रुप पर भेजा था जिस पर उसी ग्रुप में मौजूद साइबर सेल के किसी सदस्य द्वारा उनको फोन किया गया जिसके बाद खैरीघाट पुलिस द्वारा बीती रात करीब 12.30 बजे उन्हें उनके घर से थाने उठा ले गए और उनका फोन रख लिया तथा पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ा गया। थाना प्रभारी निरीक्षक खैरीघाट आनंद सिंह ने बताया कि अमन सिंह को सूचना पर थाने लाया गया था परन्तु उसमें उनकी कोई संलिप्तता न होने के कारण जांच के बाद उन्हें छोड़ दिया गया था । वहीं नानपारा पुलिस के द्वारा चौकी इंचार्ज राजा बाजार की सूचना पर शरारती तत्वों द्वारा अराजकता फैलाने के लिए इस पोस्ट को दिखाते हुए मुकद्दमा पंजीकृत कर लिया गया है। जनप्रतिनिधि ने वीडियो पोस्ट के माध्यम से बताया कि किसी अराजकतत्व के द्वारा हमारी फोटो का इस्तेमाल करके ऐसी पोस्ट की गई तथा उन्होंने ये भी कहा कि पुलिस द्वारा जांच करके उसके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

स्कूल संचालन में नए नियम बने रोड़ा

संवाददाता, श्रावस्ती

चेतिया मुरार स्थित मिश्रा शिक्षण संस्थान में बैठक करते वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक।

अमृत विचार: गिलौला के चेतिया मुरार स्थित मिश्रा शिक्षण संस्थान में रविवार को उत्तर प्रदेश वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक फाउंडेशन की एक बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रबंधक संघ के प्रदेश संरक्षक पुनीत कुमार मिश्र ने की। बैठक में वर्तमान समय में शासन के नवीन नियमों के कारण विद्यालय संचालन में आ रही कठिनाइयों पर चर्चा हुई।

बैठक में सर्व सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि शासन से निर्गत नए निर्देशों से विद्यालय संचालन में आ रही समस्याओं के निदान के लिए 18 दिसंबर को डीएम अश्वनी कुमार पांडेय व बीएसए अजय कुमार के माध्यम से बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा सचिव सहित शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रदेश संरक्षक ने कहा कि कक्षा एक से 12 तक मान्यता मानकों में छूट देने की मांग की जाएगी ताकि मध्यम वर्गीय विद्यालय भी सरलता से मान्यता ले सकें। साथ ही यू-डयस फीडिंग का सम्पूर्ण कार्य विद्यालय के यूजर आईडी से कराएं जिससे बीआरसी कार्यालय के भ्रष्टाचार से प्रबंधक बच सकें। आरटीई योजना में एक दशक से 450 रुपये के दर से भुगतान हो रहा है, जबकि मंहगाई काफी बढ़ी है। ऐसे में यथोचित बढ़ोतरी के साथ सरकार भुगतान करें। बैठक में रामसूरत शुक्ला, राम राखन तिवारी, धरणीधर विश्वकर्मा, ऋषि राम मिश्र, राजेश सिंह, वीरेंद्र धर द्विवेदी, रिपुंजीत मौर्य आदि रहे।

हम जितने ऊंचे स्थान पर हैं, हमें उतनी ही विनम्रता से चलना चाहिए।

–मार्कस टुलियस सिसरो, रोमन राजनीतिज्ञ

संकट मोचन सरकार

इंडिगो के परिचालन संकट ने एक बार फिर भारतीय उड्डयन क्षेत्र की नियामकीय कमजोरियों, मानव संसाधन प्रबंधन की खामियों और कंपनियों की मनमानी के बीच आम यात्री की घंघोर उपेक्षा को उजागर कर दिया है। सरकार द्वारा जारी तात्कालिक उपाय-फ्लाइट कटौती, विशेष मॉनीटरिंग और पायलट ड्यूटी टाइम में सख्ती- निश्चित रूप से स्थिति को आंशिक राहत देते हैं, पर यह मान लेना जल्दबाज़ी होगी कि केवल इन कदमों से पूरा संकट समाप्त हो जाएगा। सरकार के नए एक्शन से, 'इलेक्टोरल बांड के जरिए इंडिगो से मोटा चंदा लेने के चलते वह इंडिगो पर कठोर नहीं है', आरोप बेअसर हो सकता है, हालांकि साफ है कि किसी भी नियामक हस्तक्षेप की समय सीमा और गंभीरता स्वयं बहुत कुछ कह देती है। वर्षों से जो समस्या जारी थी, उस पर नियामकों की निगरानी क्यों विफल रही? इससे संदेह उभरते हैं, मौजूदा कार्रवाई भर से इसे मिटाना मुश्किल है।

इंडिगो का मौलिक संकट पायलटों की भारी कमी, एफडीटीएल नियमों की अवहेलना और मानव संसाधन नीतियों में 'लीन स्टाफिंग' के अत्यधिक प्रयोग से उपजा है। पायलट संघों ने पिछले दो वर्षों में कई बार चेतावनी दी थी कि इंडिगो ने हायरिंग फ्रीज, नॉन-पोचिंग व्यवस्था और न्यूनतम क्रू मॉडल के कारण भविष्य के संकट को स्वयं आमंत्रित किया है। यह भी चौंकाने वाली बात है कि दो वर्ष के ट्रांजिशन पीरियड के दौरान कंपनी ने पायलटों की संख्या को नियमानुसार 14–16 प्रति विमान तक क्यों नहीं बढ़ाया? यदि यह मानक पूरा किया जाता तो आज फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने में यह अव्यवस्था नहीं होती। सवाल है कि डीजीसीए और उड्डयन मंत्रालय ने इस संकट को शुरुआती चरणों में ही क्यों नहीं रोका? एक एयरलाइन को 'लीन ऑपरेशन' की आड़ में अपनी क्षमता से कहीं अधिक फ्लाइट शेड्यूल चलाने देना न केवल यात्रियों के साथ अन्याय है, बल्कि उड्डयन सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। इस संकट का सबसे बड़ा बोझ यात्रियों पर पड़ा है। फ्लाइटें कैंसिल होने से किसी की नौकरी का मौका छूटा, किसी बीमार को उपचार नहीं मिल पाया, किसी का पारिवारिक या व्यावसायिक जीवन प्रभावित हुआ। ऐसे में केवल टिकट का पैसा वापस कर देना कोई समाधान नहीं। वास्तविक नुकसान आर्थिक, मानसिक और कई बार अपरिवर्तनीय होता है। भारत को 'पैसेंजर राइट्स' के स्पष्ट और बाध्यकारी नियमों की तात्कालिक आवश्यकता है, ताकि एयरलाइंस असुविधा नहीं, हानि की भरपाई करने के लिए बाध्य हों- जैसा कि कई विकसित देशों में व्यवस्था है। इंडिगो की छवि, गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। साथ ही भारतीय उड्डयन क्षेत्र की साख पर भी प्रश्न चिह्न लगा है। अंतर्राष्ट्रीय विमानन बाजार भारत को संभावनाओं की भूमि मानता है, पर इस प्रकार की अव्यवस्थित स्थितियां उसके भरोसे को कमजोर करती हैं।

सरकार के कदम संकट को तत्काल थामने की कोशिश प्रतीत होते हैं, परंतु यह तभी विश्वसनीय बनेंगे जब उड्डयन मंत्रालय दीर्घकालीन ढांचे में सुधार, भर्ती मानकों, कार्य-समय निगरानी, फ्लाइट स्वीकृति प्रक्रिया और यात्री अधिकारों को संस्थागत रूप से लागू करे। फौरी उपाय बेहतर हैं पर सरकार को वास्तव में स्थायी समाधान के प्रति गंभीर होना होगा।

प्रसंगवश

वो दिन जब सिद्धार्थ ने विश्व को नया प्रकाश दिया

हर साल 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है, यह दिन राजकुमार सिद्धार्थ गौतम को परम ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष्य में समर्पित है, जिसके बाद वे गौतम बुद्ध या जागृत व्यक्ति के रूप में जाने गए। दुनियाभर में यह पवित्र दिन विभिन्न नामों से मनाया जाता है और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्म-ज्ञान और मानवीय करुणा का प्रतीक है, जो हमें जीवन के सार को समझने के लिए प्रेरित करता है। गौतम बुद्ध का जीवन एक असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। लुंबिनी में 562 ईसा पूर्व में जन्म लेने वाले सिद्धार्थ गौतम राजा शुद्धोदन के पुत्र थे, जो शाक्य वंश के वंशज थे। वे राजकीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े थे, लेकिन 29 वर्ष की आयु में उनकी सोच पूरी तरह बदल गई।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

एक बार राज्य भ्रमण के दौरान जब सिद्धार्थ ने आसपास की गरीबी, बीमारी और कष्ट को देखा, तो उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। राजसी जीवन उनके लिए अर्थहीन हो गया और उन्होंने सत्य की खोज के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया। एक रात चुपचाप राजमहल को छोड़कर सिद्धार्थ गौतम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े। अगले छह वर्षों में सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या की और गहन आत्मनिरीक्षण के माध्यम से जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन किया। उन्हें बिहार के बोधगया में एक बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

यह वह क्षण था, जब सिद्धार्थ गौतम को अपने भीतर और ब्रह्मांड के रहस्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ और वे 'बुद्ध' अर्थात् प्रबुद्ध या जागृत व्यक्ति बन गए। 'बुद्ध' शब्द संस्कृत में एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो अपने आत्मबोध और अध्यात्मिक चेतना तक पहुंच गया हो। यह घटना करीब 2,500 वर्ष पहले घटी थी और इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष आठ दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है।

बोधि दिवस की मनाई जाने वाली परंपराएं और इसका सांस्कृतिक महत्व सारी दुनिया में समान हैं। इस दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आते हैं और दूसरों के कल्याण के लिए अच्छे कार्य करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे कार्यों का प्रभाव समाज के प्रत्येक सदस्य पर पड़ता है। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से एक सार्वभौमिक धर्म की स्थापना की, जो आयु, जाति, राष्ट्रीयता, पेशे, लिंग और अन्य सभी सामाजिक बाधाओं से परे है। उनका दर्शन यह है कि आत्मज्ञान और मुक्ति का मार्ग सभी के लिए खुला है, चाहे वह कोई भी हो।

बुद्ध ने मनुष्य को नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास के माध्यम से आत्मज्ञान का रास्ता दिखाया। उनकी शिक्षा का केंद्र बिंदु मध्यम मार्ग है, जो अत्यधिक तपस्या और इंद्रिय भोग दोनों से बचता है। यह मार्ग सीधे निर्वाण की ओर ले जाता है, जो अज्ञानता, तृष्णा, पुनर्जन्म और दुःख से मुक्ति है। बुद्ध ने अपनी शिक्षा का सारांश आर्य अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दिया है, जिसमें सही दृष्टिकोण, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि शामिल हैं। ये आठ सिद्धांत मन के प्रशिक्षण की एक व्यापक विधि प्रदान करते हैं। हजारों वर्षों बाद भी बुद्ध के उद्धरण और शिक्षाएं मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं। बुद्ध ने कहा है, 'अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।'

भारत-रूस साझेदारी से बढ़ेगा शक्ति संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पांच दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

> भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है, बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है।

शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा, बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यावहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है, जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

आमने सामने

आज भारत की तेजी से ग्रोथ को देखते हुए, क्या आपने कभी कहीं पढ़ा है या किसी को इसे 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' कहते सुना है? 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल तब किया गया था, जब भारत 2-3 प्रतिशत की ग्रोथ रेट के लिए संघर्ष कर रहा था।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' राज कृष्णन ने बोला था, जिन्हें जनता पार्टी सरकार ने प्लानिंग कमिशन में सदस्य बनाया था। जनता पार्टी में लाल कृष्ण अडवाणी, मोरारजी देसाई और अटल बिहार वाजपेई थे। प्रधानमंत्री मोदी अपनी ही पार्टी पर हमला क्यों बोल रहे हैं?

–पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता

मोनोपॉली, ऑटोक्रीसी और ठहरती अर्थव्यवस्था

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है? सिर्फ दो दिनों में सैकड़ों उड़ानों का रद्द होना, लाखों यात्रियों की योजनाओं का बिखरना और पूरे विमानन तंत्र का चरमरा जाना बताता है कि अगर किसी अहम सेक्टर में एक कंपनी पर अत्यधिक निर्भरता हो जाए, तो पूरी अर्थव्यवस्था कैसे कुछ घंटों में ठप पड़ सकती है। यह सिर्फ एक परिचालन विफलता नहीं थी, बल्कि भारत के 'मोनोपॉली मॉडल' की एक खतरनाक झलक थी।

इंडिगो आज भारत के घरेलू विमानन बाजार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा अकेले नियंत्रित करती है। यानी देश में उड़ने वाले हर तीन में से दो यात्री किसी न किसी रूप में इसी कंपनी पर निर्भर हैं। एयर इंडिया समूह लगभग 25–27 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। इसका मतलब साफ है कि देश का करीब 90 प्रतिशत हवाई यातायात केवल दो कंपनियों के हाथों में है। ऐसी स्थिति में अगर एक बड़ी एयरलाइन डगमगाती है, तो पूरा तंत्र हिल जाता है– ठीक वैसे ही जैसा हमने हाल में देखा।

यह संकट नए पायलट ड्यूटी समय और विश्राम नियमों के लागू होने के बाद सामने आया। सुरक्षा की दृष्टि से बनाए गए इन नियमों में पायलटों को अधिक विश्राम, रात की सीमित लैंडिंग और तय ड्यूटी घंटे जैसी शर्तें रखी गई थीं, ताकि थकान के कारण होने वाले हादसों को रोका जा सके, लेकिन इंडिगो जैसी विशाल कंपनी ने समय रहते अपने पायलट स्टाफ और क्रू-प्लानिंग को इन नियमों के अनुरूप तैयार नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि नियम लागू होते ही कंपनी को बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यहीं से दूसरा बड़ा सवाल खड़ा होता है। संकट गहराने पर सरकार ने रात की कुछ ड्यूटी सीमाओं में अस्थायी ढील दे दी, ताकि इंडिगो अपनी उड़ानों को फिर से पटरी पर ला सके, लेकिन यह सुविधा केवल एक बड़ी कंपनी के लिए क्यों? क्या नियम सिर्फ छोटे खिलाड़ियों पर लागू होते हैं और बड़े खिलाड़ियों के लिए लचीले बन जाते हैं? यह स्थिति न सिर्फ नियामक की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि यदि आप बहुत बड़े हैं, तो व्यवस्था भी आपके अनुसार ढल सकती है।

> भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है?

यात्रियों के लिए यह संकट किसी आपदा से कम नहीं रहा। एक ही दिन में हजार से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कई दिनों तक 300–400 उड़ानें प्रतिदिन या तो रद्द होती रहीं या घंटों की देरी से चलीं। हजारों लोग अपने इंटरव्यू, परीक्षाएं, मेडिकल अपॉइंटमेंट और जरूरी पारिवारिक कार्यक्रमों से चूक गए। किरायों का हाल और भी चौंकाने वाला रहा। जहां सामान्य दिनों में 5–6 हजार रुपये में मिलने वाली टिकटें 20–28 हजार रुपये तक पहुंच गईं। साफ था कि कम क्षमता और अधिक मांग का फायदा उठाकर किराये आसमान पर पहुंचा दिए गए। सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन तब तक यात्रियों की जेब से लाखों रुपये अतिरिक्त निकल चुके थे।

इस पूरे घटनाक्रम का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। भारतीय विमानन उद्योग देश की जीडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान देता है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 77 लाख लोगों को रोज़गार देता है। जब हवाई यातायात लड़खड़ाता है, तो उसका असर केवल एयरलाइंस तक सीमित नहीं रहता– होटल, टैक्सी, पर्यटन, कॉर्पोरेट यात्रा, कार्गो सेवाएं, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबार सभी प्रभावित होते हैं। सिर्फ कुछ दिनों की अव्यवस्था से ही उद्योग को हजारों करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान हुआ माना जा रहा है। इसका बोझ अंततः आम नागरिक और करदाताओं पर ही आता है।

निवेशकों और शेयरधारकों के लिए भी यह झटका कम गंभीर नहीं था। संकट के दौरान इंडिगो की मूल कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। कुछ ही दिनों में निवेशकों की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति बाजार से मिट गई, जिन्हें अब तक लगता था कि विशाल बाजार हिस्सेदारी यानी सुरक्षा, उन्हें यह समझ में आ गया कि अत्यधिक एकाग्रता अपने साथ बड़ा जोखिम भी लाती है। यह संकट सिर्फ विमानन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी है कि अगर किसी भी आवश्यक सेवा– चाहे वह टेलीकॉम हो, यूपीआई पेमेंट सिस्टम हो, बिजली वितरण हो या बंदरगाह सेवाएं– पर कुछ गिनी-चुनी कंपनियों का अत्यधिक नियंत्रण हो जाए, तो एक छोटी सी चूक भी पूरे देश को ठप कर सकती है। यह 'कॉरपोरेट ऑटोक्रीसी' का खतरनाक रूप है, जहां निर्णय कुछ बोर्डरूम में होते हैं, लेकिन उसका असर करोड़ों लोगों की जिंदगी पर पड़ता है।

अंततः लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि न तो कोई व्यक्ति और न ही कोई कंपनी कानून से ऊपर हो सकती है। इंडिगो संकट ने यह साफ दिखा दिया कि अगर मोनोपॉली और कमजोर नियमन को समय रहते नहीं रोका गया, तो एक निजी कंपनी दो दिनों में पूरे देश के हवाई यातायात को ठप कर सकती है, यात्रियों, करदाताओं और निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचा सकती है और सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में ला सकती है।

सोशल फोरम

रेगिस्तान का फूल वारिस

यह कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसे पांच साल की उम्र में पकड़कर ज़मीन पर लिटा दिया गया था। न कोई दवाई, न बेहोशी, न साफ़-सफ़ाई— सिर्फ़ एक कुंद, खून से सना उस्तरा और एक चीख, जिसने सोमालिया के रेगिस्तान की हवा को चीर दिया। उसका नाम था वारिस डीरी, जिसका मतलब होता है रेगिस्तान का फूल। एक घुमंतू परिवार में पैदा हुई बच्ची।

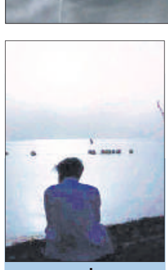

कलम रंगदार
ब्लॉगर

फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन (FGM) यानी महिला जननांग अंगभंग। सबसे भयानक रूप, टाइप 3। सब कुछ काट दिया गया। सब कुछ सिल दिया गया। सिर्फ एक माचिस की तीली जितना छोटा छेद उससे सांस चलती रहे, शायद। उसकी बहन मर गई थी। उसकी कई चचेरी बहनें भी। वारिस बच गई, लेकिन दर्द उसके हर दिन, हर कदम के साथ रहा। तेरह साल की उम्र में उसके पिता ने उसे बेचने की कोशिश की- एक 60 साल के बूढ़े आदमी को, पांच ऊंटों के बदले।

तो वो भाग गई। नंगे पांव। अकेली। रेगिस्तान को पार करती हुई— न नक्शा, न खाना, न सुरक्षा। सिर्फ एक जज़्बाः ज़िंदगी चुनना, परंपरा नहीं। वो किसी तरह मोगादिशू पहुंची। फिर लंदन— एक नौकरानी बनकर। न भाषा आती थी, न स्कूल की पढ़ाई, न पैसे। सिर्फ जीने की जद्दोजहद और फिर एक दिन एक फोटोग्राफर ने उसे देख लिया। मैकडॉनल्ड्स में फर्श साफ़ करने से लेकर पेरिस और न्यूयॉर्क की रनवे तक। Chanel. L'Oral. Vogue. James Bond हर जगह उसका नाम चमकने लगा। शोहरत के सबसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचकर, वारिस ने वह किया जो शायद ही कोई मशहूर इंसान करने की हिम्मत करता। उसने सच बोल दिया।

उसने दुनिया को बताया कि उसके साथ क्या हुआ था और यह भी कि लाखों लड़कियों के साथ वही आज भी हो रहा है। उसकी आवाज़ ने दुनिया की चुप्पी तोड़ दी। यूएन ने उसे FGM खत्म करने के लिए स्पेशल एम्बेसडर बनाया। उसने Desert Flower लिखी- 1.1 करोड़ कॉपियां बिकीं। उसने Desert Flower Foundation शुरू किया। उसने यूरोप में सर्वाइवर क्लिनिक बनाए। उसने लाखों लड़कियों को बचाया। वह रेगिस्तान में पैदा हुई थी, लेकिन उसने सूखने से इनकार कर दिया। वह खिली और उसने यह सुनिश्चित किया कि लाखों और लड़कियां भी खिल सकें।

सामयिकी

मिट्टी में जहर से स्वास्थ्य पर मंडराता संकट

मृदा प्रदूषण तब होता है जब मनुष्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हानिकारक रसायन, भारी धातुएं या प्रदूषक पदार्थ मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

भारत में मृदा प्रदूषण अब एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। मिट्टी की बिगड़ती सेहत चुपचाप कृषि उत्पादन को खोखला कर रही है। जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और भयावह बना रहा है। भारत आज अनाज में आत्मनिर्भर है, लेकिन अगर मिट्टी की गुणवत्ता इसी तरह घटती रही, तो आने वाले दशकों में हमें फिर से अनाज आयात करना पड़ सकता है। यदि अभी मिट्टी की सेहत सुधारने के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो खाद्य सुरक्षा पर संकट के साथ-साथ लाखों किसानों की आजीविका भी दांव पर लग जाएगी।

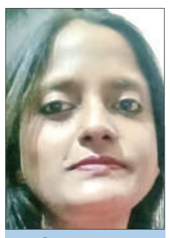

अंबिका कुशवाहा
लेखिका

मिट्टी की खराब गुणवत्ता का असर सिर्फ फसल पर नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और सबसे बड़ी बात कि मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। आज देश की अधिकांश कृषि योग्य भूमि किसी-न-किसी रूप में मृदा प्रदूषण की चपेट में है और यह जहर अब हमारी थाली तक पहुंच चुका है। चावल में आर्सेनिक, गेहूं में कैडमियम, सब्जियों में सीसा (लेड) और कीटनाशकों के अवशेष लगातार बढ़ रहे हैं। इन्हें खाकर लोग बीमार हो रहे हैं, बच्चे कुपोषित पैदा हो रहे हैं और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

मृदा प्रदूषण केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला है। अगर यही स्थिति रही तो एक दिन हमारी खेती की जमीन इतनी जहरीली हो जाएगी कि उसमें कुछ भी उगाना असंभव हो जाएगा। पंजाब का मालवा क्षेत्र (बठिंडा, फरीदकोट, संगरूर, मुक्तसर आदि) इसका जीता-जागता उदाहरण है। इसे 'भारत की कैंसर बेल्ट' कहा जाता है। यहां कैंसर के मामले राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक हैं। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई कैंसर से जूझ रहा है। इसका मुख्य कारण जहरीली मिट्टी में उगा अनाज और सब्जियां हैं, जो रोज लोगों की थाली में परोसे जा रहे हैं।

सरकार जैविक खाद को बढ़ावा दे रही है, लेकिन आज भी लाखों किसान अधिक पैदावार के लालच में यूरिया और खतरनाक कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। लंबे समय तक इनका इस्तेमाल मिट्टी को बंजर बना रहा है। फैक्ट्रियां रात के अंधेरे में जहरीला पानी नदियों-नालों में छोड़ रही हैं, जो सीधे खेतों में पहुंच जाता है। शहरों में प्लास्टिक कचरा जलाने से निकलने वाला डाइऑक्सिन हवा के रास्ते मिट्टी में समा रहा है। सरकार ने 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' शुरू की है, जिसका उद्देश्य हर खेत की मिट्टी की जांच कर किसानों को उसकी सही स्थिति और सुधार के उपाय बताना है, लेकिन दुखद अधिकांश किसान इस योजना से अनजान हैं।

मृदा प्रदूषण रोकने के लिए अब कड़े और त्वरित कदम उठाने होंगे। रासायनिक उर्वरकों की जगह जैविक खाद और जैविक खेती को बड़े पैमाने पर अपनाना होगा। पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी का कटाव रोका जाए साथ ही हर किसान अपनी मिट्टी का नियमित परीक्षण करवाए और उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करे। कचरे के सही निपटान और प्लास्टिक जलाने पर सख्ती हो। वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण के उपाय अपनाए जाएं। घरेलू जैविक कचरे से कंपोस्ट बनाकर खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाए। हर नागरिक को मिट्टी बचाने के लिए प्रेरित किया जाए। अगर हम आज मिट्टी नहीं बचाएंगे, तो कल हमारी थाली में सिर्फ जहर ही होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना* 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

लंदन में 30 साल बाद फिर दिखा

DDLJ का जादू

साल 1995 में रिलीज हुई शाहरुख खान और काजोल की 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आज भी बॉलीवुड की सबसे प्यारी और यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। भारत ही नहीं, दुनियाभर के दर्शकों ने इस फिल्म को दिल से अपनाया। इसी जुड़ाव को सम्मान देते हुए फिल्म के 30 साल पूरे होने पर एक बेहद खास पल रचा गया। 4 दिसंबर को लंदन के लेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसे देखकर फैन्स पुरानी यादों में खो गए। यह मूर्ति Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" पब्लिक आर्ट ट्रेल का हिस्सा है और खास बात यह है कि इस प्रतिष्ठित परियोजना में जगह पाने वाली DDLJ पहली भारतीय फिल्म बन गई है। प्रतिमा में शाहरुख और काजोल को फिल्म के एक लोकप्रिय पोज में दिखाया गया है, जो उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री का प्रतीक बन चुका है। इस मौके ने न केवल बॉलीवुड की आइकॉनिक लव स्टोरी को फिर से जीवंत कर दिया, बल्कि भारतीय सिनेमाई संस्कृति को वैश्विक मंच पर एक बार फिर चमकाया। यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों को भी याद दिलाती रहेगी कि DDLJ सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भावनाओं, प्यार और यादों का एक अनमोल सफर है।

बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं

मूर्ति के अनावरण के साथ ही लंदन के लेस्टर स्क्वायर में एक यादगार पल बन गया, जब शाहरुख खान और काजोल ने अपने किरदार राज और सिमरन के आइकॉनिक पोज को फिर से दोहराया। काजोल हल्के नीले रंग की साड़ी में बिल्कुल फिल्म वाली सादगी और मोहकता लिए नजर आईं, जबकि शाहरुख एक स्टाइलिश ओवरकोट में राज के क्लासिक लुक को फिर से जीवंत कर रहे थे। दोनों को इस रूप में देख फैन्स एक बार फिर DDLJ के सुनहरे दौर में पहुंच गए। शाहरुख ने इस खास अवसर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने सदाबहार डायलॉग का जिक्र किया- "बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सेनोरिटा।" उन्होंने लिखा कि DDLJ के 30 साल पूरे होने पर राज और सिमरन की मूर्ति का अनावरण करना उनके लिए सम्मान की बात है। यह भी खास है कि दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे पहली भारतीय फिल्म बन गई है, जिसे Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" ट्रेल में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ फिल्म की लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का भी प्रमाण है। तीन दशक बाद भी DDLJ का जादू उसी तरह बरकरार है और यह ब्रॉन्ज मूर्ति उस अमर प्रेम कहानी को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का खूबसूरत माध्यम बन गई है।

लंबे समय तक चलने वाली फिल्म

यह ब्रॉन्ज स्टैच्यू लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में स्टैच्यू से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है और हैरी पॉटर, मैरी पॉपिंस, पैडिंगटन और सिंगिन इन द रेन जैसी ऐतिहासिक फिल्मों के मशहूर किरदारों के साथ-साथ बैटमैन और वंडर वुमन जैसे हीरो के साथ जुड़ गई है। इस फिल्म का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था और ये हिंदी सिनेमा की थिएटर्स में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म है। अभी भी मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमाघर में ये फिल्म चलती है। शाहरुख ने इस पिक्चर में राज और काजोल ने सिमरन का किरदार निभाया था। दोनों की जोड़ी और प्रेम कहानी फैंस को काफी पसंद आई थी।

फिल्म की कमाई

DDLJ के लिए शाहरुख खान और काजोल को भारत के बाहर दूसरे देशों में भी जाना जाता है। इसमें इन दोनों के अलावा अमरीश पुरी, अनुपम खेर, फरीदा जलाल, मंदिरा बेदी और करण जौहर भी नजर आए थे। न सिर्फ लोगों के दिलों में बल्कि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी राज किया था और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। सैकनिल्क के अनुसार इस पिक्चर का बजट सिर्फ 4 करोड़ रुपये था और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 102.50 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

ओटीटी प्लेटफार्म

बीस्ट इन मी

"बीस्ट इन मी" एक अमेरिकन अपराध फिल्म है, जिसमें मानव मनोविज्ञान के बहुत क्लिष्ट पहलुओं को छुआ गया है। क्या वो आदमी अपराधी है, जो यह जानता या मानता ही नहीं कि उसका किया गया कर्म अपराध है? कोई कर्म समाज या किसी नियम के अंतर्गत ही तो अपराध होता है। यदि किसी को लगे ही नहीं कि उसके द्वारा किया गया कर्म अपराध होगा, तो उसका कितना दोष होगा? यदि कोई प्रेम वश आपको दुख मुक्त करने लिए कुछ करे, तो क्या उस अपराध में आप दोषमुक्त रह जाएंगे?

एक लेखिका अपने पड़ोस में रहने आए एक व्यक्ति, जिसको सारा शहर उसकी पत्नी का हत्यारा मानता है, परंतु पत्नी की लाश न मिलने के कारण उसे कानूनन हत्यारा नहीं माना जा सका है, के बारे में एक पुस्तक लिखने का कॉन्ट्रैक्ट लेती है, जो उस आदमी से लिए गए इंटरव्यूज पर आधारित होगी। वह व्यक्ति सोचता है कि वह अपनी बातों और व्यक्तित्व से लेखिका को प्रभावित करके स्वयं को निर्दोष सिद्ध करवा लेगा। लेखिका सोचती है इस प्रकार सभी संबंधित लोगों और पुलिस/एफबीआई से बात करके उसे वास्तविकता का पता चल ही जाएगा। कहानी के और भी कई पात्र हैं, जैसे उस व्यक्ति का भाई, पिता, दूसरी जीवित पत्नी, लेखिका की महिला पत्नी, FBI के एजेंट्स इत्यादि और सबकी अपनी-अपनी कहानियां हैं, जो उस व्यक्ति की कहानी से कहीं न कहीं जुड़ती हैं। वह व्यक्ति कातिल है या नहीं और कहानी किस तरह चलती है, इसके लिए आपको आठ एपिसोड्स देखने पड़ेंगे। अंत में लेखिका का प्रतिवेदन, जिसकी एकाध लाइन मैंने ऊपर उद्धृत की है, मनोविज्ञान का पाठ है।

पात्रों में मुख्य पात्र यानी संभावित कातिल व्यक्ति के चरित्र को बहुत अच्छी तरह जिया है मैथ्यू रिस ने,लेखिका के रोल में क्लेयर डेंस ने अच्छा अभिनय किया है, परंतु उसके हाव-भाव भारतीयों से मेल नहीं खाते इसलिए कई बार समझ में नहीं आते।

कहानी लेटस्टार्ट होती है, पर फिर गति पकड़ लेती है, संगीत बहुत सहायक है, हिंदी डबिंग अच्छी हुई है। कुछ भी हो पर साधारण परिस्थितियों का मनोवैज्ञानिक पक्ष दुरूह हो सकता है, यह बात "बीस्ट इन मी" बड़ी स्टाइल से कहती है।

समीक्षकः
ब्रज राज नारायण सक्सेना

जिंदगी का सफर

'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी

फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी, जिन्हें अक्सर 'ड्रीम गर्ल' के खूबसूरत नाम से भी जाना जाता है, भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक बहुमुखी और स्थायी हस्ती हैं। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक निपुण भरतनाट्यम नृत्यांगना, फिल्म निर्माता, निर्देशक और एक सक्रिय राजनीतिज्ञ भी हैं। उनका जीवन कला, सुंदरता, दृढ़ संकल्प और सार्वजनिक सेवा का एक उत्कृष्ट मिश्रण है। हेमा मालिनी का जन्म 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के अम्मानकुडी में हुआ था। उनकी मां, जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माता थीं और पिता वीएसआर चक्रवर्ती थे।

माता-पिता के मार्गदर्शन ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेमा ने बहुत कम उम्र से ही शास्त्रीय नृत्य, विशेषकर भरतनाट्यम, सीखना शुरू कर दिया था और जल्द ही एक कुशल नृत्यांगना बन गईं।

एक तमिल फिल्म में अस्वीकार किए जाने के शुरुआती असफलताओं के बावजूद, हेमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने 1968 में राज कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'सपनों का सौदागर' से मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत की। उनकी सफलता 'जॉनी मेरा नाम' (1970) जैसी फिल्मों से शुरू हुई और 1970 का दशक, उनके स्टारडम का गवाह बना। उन्होंने 'सीता और गीता' (1972) जैसी फिल्मों में दोहरी भूमिकाओं के साथ साबित किया कि उनकी अभिनय की रेंज कितनी ज्यादा है। इसके लिए उन्होंने अपना पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।

रमेश सिप्पी की क्लासिक कल्ट 'शोले' (1975) में 'बसंती' के रूप में उनका किरदार आज भी भारतीय सिनेमा के यादगार किरदारों में से एक माना जाता है। उन्होंने धर्मेंद्र, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन सहित उस समय के सभी प्रमुख अभिनेताओं के साथ काम किया। फिल्मों में अपने सह-कलाकार धर्मेंद्र के साथ उनका रिश्ता परवान चढ़ा। कई चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने 1980 में शादी की। उनकी दो बेटियां, ईशा देओल और आहना देओल हैं। हेमा फिल्म निर्माता भी बनीं। उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'दिल आशना है' (1992) का निर्देशन किया। 2000 के दशक में हेमा मालिनी ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया।

भारतीय सिनेमा में उनके अपार योगदान के लिए उन्हें 2000 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'पद्म श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सुंदरता, प्रतिभा और गरिमा के साथ, हेमा मालिनी भारतीय मनोरंजन जगत में एक सच्ची और स्थायी किंवदंती बनी हुई हैं।

मॉडल आफ द वीक

नाम: पद्मिनी शर्मा

टाउन: कानपुर

एजुकेशन: 12वीं की छात्रा

अचीवमेंट: मिस टैलेंटेड मिस कानपुर 2025

ड्रीम: नेशनल मॉडलिंग स्टेज पर UP का प्रतिनिधित्व करना

बीओएम ने खुदरा ऋण दरों में की कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने रविवार को रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) से जुड़े ऋणों में 0.25% की कटौती की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के रेपो दर में 0.25% की कटौती के बाद यह फैसला लिया गया। बीओएम ने कहा कि संशोधन के साथ बैंक का आवास ऋण 7.10% ब्याज दर से और कार ऋण 7.45 प्रतिशत से शुरू होगा, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है।

अमृत विचार
अयोध्या, सोमवार, 8 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

नाल्को जल्द शुरू करेगा पोटांगी बॉक्साइट खदान

नई दिल्ली। नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) अगले साल जून तक ओडिशा में अपनी पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को खनन क्षमता बढ़ाने और एकीकृत एल्यूमिनियम कारोबार के विस्तार का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी। पोटांगी बॉक्साइट खदान के विकास और संचालन के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एल-1 बोलीदाता चुनी गई है। नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अगले साल जून तक खदान शुरू हो जाएगी।

वित्तपोषण रोकने को कोई परामर्श नहीं हुआ जारी : एमएनआरई

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने रविवार को साफ किया कि उसने वित्तीय संस्थानों को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण इकाइयों को ऋण देना रोकने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है। मंत्रालय ने रविवार को यह कहा। यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया, जिनमें कहा जा रहा था कि एमएनआरई ने अत्यधिक क्षमता की चिंताओं के मद्देनजर ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई वित्त सहायता रोकने की सलाह जारी की है।

सीएट की वैश्विक बाजार पर नजर, बना रहा विशेष टायर

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने यह बात कही। आरपीजी समूह की इस कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है। गोयनका ने कहा कि हम अंतर्राष्ट्रीय वृद्धि पर बहुत ध्यान दे रहे हैं- अमेरिका में वृद्धि, यूरोप में वृद्धि। हमारा लक्ष्य वैश्विक ब्रांड बनना है।

फेड-एफआईआई डालेंगे बाजार पर असर

भारत के सीपीआई आंकड़ों पर और रुपये की चाल पर बारीकी से नजर रखेंगे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए।

रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 9-10 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है।

उन्होंने कहा कि एफओएमसी के फैसले के साथ ही प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। नौ दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों से अमेरिकी श्रम बाजार के बारे में पता चलेगा। पि

पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 11,820 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले। इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है। नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का क्रम टूटा। सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे। एनएसडीएल के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ की शुद्ध निकासी की। इससे 2025 में कुल निकासी 1.55 लाख करोड़ हो गई। विश्लेषकों के अनुसार ताजा बिकवाली का मुख्य कारण मुद्रा संबंधी चिंताएं हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि इस साल रुपया 5% कमजोर हुआ है, जिससे एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। एफपीआई की निकासी के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 19,783 करोड़ की खरीदारी की।

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ के पार, ऋण वृद्धि 14% रहने की उम्मीद : एसबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई में तेजी से कुल ऋण वृद्धि मजबूत

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी। आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है।

आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। शेट्टी ने कहा कि हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। शेट्टी ने कहा कि कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा।

शीतकालीन पुनर्भंडारण के कारण कोकिंग कोयले का आयात बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

अक्टूबर में कोयला आयात में मिश्रित रुझान देखा गया, जिसमें सामान्य कोयले के आयात में गिरावट आई जबकि कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि हुई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रही। वहीं, कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 लाख टन से बढ़कर पांच लाख टन हो गया। यह बढ़ोतरी मुख्यतः इस्पात उद्योग द्वारा सर्दियों में भंडारण बढ़ाने की गतिविधियों के कारण हुई।

कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल कोयला आयात 3.9 प्रतिशत घटकर 2.09 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 2.18 करोड़ टन था। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस्पात निर्माता आमतौर पर सर्दियों से पहले कोकिंग कोयले की खरीद बढ़ाते हैं, ताकि सर्दियों में उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रह सके, जब परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संभावित बाधाएं रहती हैं। इसी मौसमी मांग के कारण, सामान्य कोयले के आयात में धीमापन के बावजूद कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि देखी गई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रहा। कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 करोड़ टन से बढ़कर 50.4 लाख टन हो गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों में भंडारण करने की गतिविधियां रही।

- बाजार में अधिक उपलब्धता बनी कुल कोयला में गिरावट का मुख्य कारण

सोने की चमक बरकरार, इस साल दिया 67 % रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है।

दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा कि चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है। वहीं भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉण्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

- रुपया कमजोर हुआ तो 2026 में सोने की कीमत पांच से 16% चढ़ सकती हैं

रुपये की कमजोरी ने सोने की कीमतों में और इजाफा किया

सोने की कीमत में आई तेजी के कारणों पर कलंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है। वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का महत्वपूर्ण कारक रही हैं। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। अगले साल के परिदृश्य के बारे में कलंत्री ने कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन की 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

लेह, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल और भी बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन उन्होंने जानबूझकर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया का विकल्प चुना। सिंह ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया।

रक्षामंत्री सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था। मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था। इतना बड़ा ऑपरेशन मजबूत कनेक्टिविटी से ही संभव हो पाया। इसलिए, कनेक्टिविटी को केवल नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन और रडार तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा की रीढ़ माना जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर वह देश के किसी भी कोने में सशस्त्र बलों से मिल पाते हैं, तो यह मजबूत संचार नेटवर्क और कनेक्टिविटी की वजह से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संचार को सिर्फ बुनियादी ढांचे के लिहाज से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक बहुत व्यापक शब्द है। शांति, सद्भाव और समाज की समझ के लिए संचार जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास लद्दाख समेत सभी सीमावर्ती इलाकों के साथ संचार और कनेक्टिविटी को मज़बूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती इलाकों के समग्र विकास के लिए पूरे उत्साह से काम कर रही है।

लेह में परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य लोग

बेहतर कनेक्टिविटी सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के साथ आर्थिक विकास को भी दे रही गति

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, हमारे सशस्त्र बल और बीआरओ जैसे संगठन आपके साथ खड़े हैं। हमें बस इस संबंध को मजबूत करते रहना है ताकि हमारे संबंध किसी बाहरी तत्व से प्रभावित ना हो। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी ना सिर्फ सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति दे रही है। वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि मजबूत संचार और कनेक्टिविटी नेटवर्क एक प्रमुख कारक रहे हैं, जिसे सरकार की विकास-समर्थक नीतियों और राष्ट्रव्यापी सुधारों का समर्थन प्राप्त है।

5,000 करोड़ से हुआ परियोजनाओं का निर्माण

रक्षामंत्री ने भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

विशाल गीता पाठ में लाखों लोग शामिल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से साधुओं एवं साध्वियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने कोलकाता के ''ब्रिगेड परेड ग्राउंड'' में आयोजित भागवत गीता पाठ समारोह में भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं ने कार्यक्रम स्थल पर गीता की प्रतियों से एक स्वर में श्लोक पढ़ा। इस कार्यक्रम में भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रमुख सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्र पॉल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। स्वामी प्रदीप्तानंद तथा धीरेंद्र शास्त्री सहित प्रमुख हस्तियां भी समारोह में शामिल हुईं।

''पंच लाखो कोंठे गीता पाठ'' (एक साथ पांच लाख गीता पाठ) नामक इस कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के भिक्षुओं और आध्यात्मिक नेताओं का समूह है। बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं सहित उत्साही भीड़ ने शंखनाद और जयघोष के बीच भगवान कृष्ण का नाम जपते हुए जयकारे लगाए। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सभा को संबोधित करते हुए भागवत गीता का पाठ किया तथा शांति और अहिंसा की बात की। प्रदीप्तानंद ने कहा कि लाखों लोगों का एकत्रित होना स्वतःस्फूर्त था और इसमें किसी राजनीतिक दल की कोई भूमिका नहीं थी।

कोलकाता में आयोजित गीता पाठ में शामिल साधु-संत।

कबीर करेंगे एक लाख लोगों संग कुरान ख्वानी

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को कहा कि वह फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' (कुरान पढ़ना) का आयोजन करेंगे। मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद की नींव रखने वाले कबीर ने कहा कि वह सभी प्रतिभागियों को मांस और चावल का भोज देंगे। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में कहा कि मैं फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' करूंगा। इसके बाद मस्जिद का निर्माण होगा।

लोकसभा में चर्चा के दौरान नेहरू की असलियत आएगी सामने : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा- कांग्रेस ने पटेल, आंबेडकर, बोस की विरासत को समाप्त करने की कोशिश की

भाजपा ने रविवार को कहा कि राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की वर्षगांठ पर लोकसभा में होने वाली चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू की ''असलियत'' सामने आ जाएगी। पार्टी ने सोनिया गांधी के इस आरोप को लेकर उन पर निशाना साधा कि सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिर्फ नेहरू की विरासत को जीवित रखने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीम राव आंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की विरासत को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष से नेहरू-गांधी परिवार को बढ़ावा देना बंद करने को कहा। पुरी से भाजपा सांसद ने दिल्ली में कहा कि जहां तक नेहरू की विरासत को खत्म करने का सवाल है, तो 'नेशनल हेराल्ड' मामले में जमानत पर बाहर आए तथाकथित वर्तमान गांधी परिवार के अलावा उनकी विरासत को सबसे बेहतर तरीके से कौन खत्म कर सकता है। उनका इशारा सोनिया और उनके बेटे राहुल गांधी की ओर था। गांधी परिवार का नाम लिए बिना पात्रा ने कहा कि हाल में उनके खिलाफ 'नेशनल हेराल्ड' पर कथित रूप से कब्जा करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। 'नेशनल हेराल्ड' की शुरुआत नेहरू ने की थी।

पात्रा ने कहा कि अगर वे नेहरू की विरासत को कलंकित नहीं कर रहे हैं, तो फिर ऐसा करने की कोशिश कौन कर रहा है? जब कल संसद में 'वंदे मातरम' पर चर्चा होगी, तो मुझे लगता है कि नेहरू जी की असलियत सभी के सामने आ जाएगी, वह फिर से बेनकाब हो जाएंगे।

वांगचुक की पत्नी की याचिका पर आज होगी शीर्ष सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत उनके पति को हिरासत में लिए जाने को अवैध और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाली मनमानी कार्रवाई बताया गया है। इस मामले की सुनवाई संभवतः न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ करेगी।

पीठ ने 24 नवंबर को मामले की सुनवाई उस वक्त टाल दी थी जब केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वांगचुक की पत्नी के जवाब पर अपना पक्ष रखने (रिज्वाइंडर) के लिए मोहलत मांगी। शीर्ष अदालत ने 29 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी की संशोधित अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। संशोधित अर्जी के मुताबिक, हिरासत का आदेश पुरानी प्राथमिकी, अस्पष्ट आरोपों और अनुमानों पर आधारित है, इसका हिरासत के कथित आधारों से कोई सीधा या करीबी संबंध नहीं है और इसलिए इसका कोई कानूनी या तथ्यात्मक औचित्य नहीं है...।

जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को नकारा : शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री ने किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के हर कोने में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के आगामी चुनावों में जनता के समर्थन से बड़ी जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा की कि 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की भी मेजबानी करेगा।

1,500 करोड़ में बने तीन खेल परिसर सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अहमदाबाद नगर निगम के कार्यक्रम में शाह ने कहा कि भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बिहार में हाल के विधानसभा चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा तथा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी बड़ी जीत दर्ज करेंगे, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। शाह ने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर 2025 तक...यह भाजपा के लिए लगातार जीत का समय रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र भाई लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कई दशकों के बाद एक रिकॉर्ड बनाया।

अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों से मिलते केंद्रीय मंत्री अमित शाह।

2030 में राष्ट्रमंडल और 36 में ओलंपिक की करेंगे मेजबानी

अहमदाबाद के लोगों से शाह ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार रहने की अपील की। शाह ने कहा कि खेल सुविधाओं, कोचिंग व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, शहर के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और आवास सुविधाओं को देखते हुए, 2030 राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होंगे।" उन्होंने कहा, "यह भी तय हो गया है कि 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल शहर में आयोजित किए जाएंगे। अहमदाबाद में 13 अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होने हैं। और तैयार हो जाइए, क्योंकि 2036 ओलंपिक भी अहमदाबाद में ही आयोजित होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी से निकले लावा के तीन फव्वारे

होनोलुलु। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने रविवार को कहा कि हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी में 38वें विस्फोट के दौरान लावे के तीन फव्वारे फूटे हैं जिनमें से एक फव्वारा 1,200 फीट की ऊंचाई तक जा रहा है। मौजूदा विस्फोट के दौरान पहली बार लगभग बराबर आकार के तीन फव्वारे फूट निकले हैं। यूएसजीएस ने कहा, वर्तमान में तीनों छिद्रों से फव्वारे निकल रहे हैं। दक्षिणी फव्वारा लगभग 1200 फीट ऊंचा है जबकि दो फव्वारे 500 फीट के आस पास हैं। इन फव्वारों में से दो उत्तरी छिद्र से और एक दक्षिणी छिद्र से है। यह तिहरा फव्वारा एक अत्यंत दुर्लभ घटना है और इस विस्फोट के दौरान ऐसा पहली बार देखा गया है। किलाउआ विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। यह हवाई द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है।

अमेरिका का नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान ढोंग: क्यूबा

हवाना। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने कहा कि होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को दी गई माफी यह दर्शाती है कि अमेरिकी सरकार की ओर से घोषित नशीले पदार्थों के विरुद्ध युद्ध एक ढोंग है। नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य आरोपों में संयुक्त राज्य अमेरिका में 45 साल जेल की सजा पाने वाले हर्नांडेज को ट्रंप प्रशासन से आधिकारिक माफ़ी मिलने के बाद सोमवार को रिहा कर दिया गया था। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि अमेरिका का तथाकथित ड्रग-विरोधी अभियान वेनेजुएला की वैध सरकार को उखाड़ फेंकने का एक बहाना है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह माफी अमेरिकी सरकार और उसकी एजेंसियों की नशीले पदार्थों के एक विशाल बाजार के साथ मिलीभगत को उजागर करती है, जो उनके ही अपने ही देश में लाखों लोगों की जान ले रहा है।

अमेरिका से 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 खरीदेगा रोमानिया

चिसिनाउ। रोमानिया अमेरिका से 6.5 अरब डॉलर में 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 विमान खरीदने जा रहा है। रोमानियाई रक्षा मंत्रालय की डिफेंस रोमानिया न्यूज़ वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में कहा कि यह देश के इतिहास का सबसे महंगा समझौता होगा। एफ-35 खरीद कार्यक्रम को पूरी तरह रक्षा मंत्रालय के बजट से फंड दिया जाएगा। इसे पहले ही राष्ट्रीय रक्षा की सर्वोच्च परिषद से मंज़ूरी मिल चुकी है। अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद यह सौदा दस्तावेज़ीकरण के आखिरी चरण में है। इससे पूर्व, रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रोमानियाई सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण दो चरणों में किया जाएगा।

भारत हमास को आतंकी संगठन घोषित करे तो पड़ेगा बड़ा प्रभाव

यरुशलम, एजेंसी

- **इजराइली विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा- दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर**

इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को बेहतरीन करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर मौजूद हैं।

इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, इजराइल भारत के साथ-साथ बाकी दुनिया पर भी हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए दबाव डाल रहा है। अधिकारी ने कहा कि भारत अगर हमास को सूचीबद्ध करता है तो इसका एक मजबूत वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ये और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी।

विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के अनंत अवसर हैं। आईएमईसी परियोजना के बारे में अधिकारी ने कहा, इजराइल के लिए यह एक बहुत ही अच्छी पहल। हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। फिलहाल, दो देश ऐसे हैं जो हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं - जॉर्डन और इजराइल।

इंडिगो संकट के कौन जिम्मेदार

भारतीय विमानन क्षेत्र के इतिहास में 2 दिसंबर 2025 का दिन काले अध्याय के रूप में जुड़ गया। इसी दिन से देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानें रद्द होनी शुरू हुईं और यह सिलसिला अब तक बरकरार है। इस बीच हर दिन सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश-विदेश के हजारों यात्री देश के अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंस गए। कुछ यात्रियों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई असंभव थी। इस पूरे घटनाक्रम से पूरी दुनिया में भारतीय विमानन की साख धराशायी हो गई, हैरतअंगेज यह भी रहा कि कोई जिम्मेदारी लेने आगे नहीं आया। इस घटनाक्रम ने भारत में हवाई यात्रा के नए जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। सरकार ने अपने कुछ उन फैसलों को रद्द किया है जिन्हें संकट का प्रमुख कारण कहा गया, लेकिन इसे भविष्य में दोबारा ऐसा संकट खड़ा न होने की गारंटी नहीं माना जा रहा है।

हवाई यात्रा के नए जोखिम

संकट के प्रमुख कारण

- डीजीसीए की ओर से पायलटों के आराम के घंटे बढ़ाने और उड़ान के घंटों को सीमित करने के सख्त नियमों से एयरलाइन के रोस्टर पर प्रभाव पड़ा।
- इंडिगो ने महीनों बाद भी पर्याप्त पायलटों और चालक दल की भर्ती नहीं की, जिसके चलते नियमों के लागू होते ही कर्मचारियों की भारी कमी हो गई।
- एयरलाइन ने लागत कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी रखने में रुचि नहीं दिखाई और नए नियमों के अनुसार परिचालन में विफल हो गई।

जिम्मेदारी और सवाल

- डीजीसीए ने सीधे तौर पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को योजना, निरीक्षण और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण चूक के लिए जिम्मेदार ठहराया है।
- एयरलाइन अपने मौजूदा नेटवर्क के लिए नए मानदंडों के तहत जरूरी चालक दल की संख्या का सही अनुमान लगाने और प्रबंधन करने में विफल रही।
- विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि डीजीसीए को नियमों को चरणबद्ध तरीके से लागू करते समय एयरलाइंस की तैयारियों पर बेहतर निगरानी रखनी चाहिए थी।
- भारतीय विमानन बाजार में गहरी संरचनात्मक विफलता, जहां तीव्र विकास के साथ बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन में निवेश तालमेल नहीं बैठा पाए हैं।

भविष्य के जोखिम

- भारत के घरेलू यात्री यातायात में इंडिगो की 60% से अधिक हिस्सेदारी है, इस एयरलाइन में कोई भी व्यवधान बड़े प्रभाव छोड़ सकता है।
- यह एकाधिकार और प्रणालीगत विफलता का उदाहरण है, एक एयरलाइन पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में फिर संकट खड़ा कर सकती है।
- ताजा संकट के दौरान छोटे मार्गों पर भी टिकट की कीमतें 1.5 लाख रुपये से अधिक हो गईं, इससे यात्रियों के शोषण की मंशा उजागर हुई।
- पायलट यूनियनों और पूर्व नियामकों ने आरोप लगाया है कि एयरलाइन प्रबंधन ने परिचालन व्यवस्था की कीमत पर स्टाफ के हित की अनदेखी की।

अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रभाव

- हवाई अड्डों पर फंसे यात्रियों और अव्यवस्था के वीडियो सोशल मीडिया के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल हुए।
- भारतीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की कमजोरी उजागर हुई जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए किस्म की चिंताएं पैदा हुईं।
- विदेशी यात्रियों और एयरलाइनों के बीच भारतीय घरेलू बाजार की विश्वसनीयता पर सवाल उठने की आशंका भी पैदा हुई।

बेनिन में सैनिक विद्रोह, तख्तापलट करने की कोशिश विफल, गोलीबारी

सरकारी टीवी पर राष्ट्रपति को हटाने का एलान, सशस्त्र बलों ने पाया नियंत्रण

कॉन्टोनू, एजेंसी

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन में रविवार को घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है। सैनिकों के एक समूह ने इससे पहले विद्रोह शुरू करते हुए सरकारी टीवी पर आकर राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को बर्खास्त करने का एलान किया। इस बीच राष्ट्रपति आवास के पास गोलीबारी भी हुई लेकिन बाद में गृहमंत्री ने घोषणा की कि तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है।

गृह मंत्री अलास्साने सेइदोउ ने कहा, रविवार, सात दिसंबर, 2025 की सुबह, सैनिकों के एक छोटे समूह ने देश और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, बेनिनी के सशस्त्र बल और उनका नेतृत्व गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहे और इस स्थिति का सामना किया। उन्होंने तख्तापलट की कोशिशों को विफल कर दिया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में सिलसिलेवार तरीके से तख्तापलट होते रहे हैं। इस सिलसिले में यह सबसे ताजा मामला है।

इससे पहले बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिए सरकार के तख्तापलट की घोषणा की थी। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाए जाने की घोषणा की। समूह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल तिगरी को सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सरकारी टीवी पर तख्तापलट का एलान करते बेनिन की सेना के अधिकारी।

आजादी मिलने के बाद कई बार हो चुके हैं तख्तापलट

वर्ष 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन ने तख्तापलट की कई घटनाओं को देखा है। ताजा घटनाक्रम में राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन 2016 से सत्ता में थे और अगले साल अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उन्हें पद छोड़ना था। टैलोन की ही पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुआल्ड वडाग्नि को चुनाव जीतने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। देश में तेज होती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अगबोडजो की उम्मीदवारी को निर्वाचन आयोग ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनके पास पर्याप्त प्रायोजक नहीं थे। इस घटना के बाद से बेनिन में राजनीतिक उथलपुथल बढ़ने लगी थी। पिछले महीने देश की विधायिका ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया था तथा कार्यकाल सीमा दो ही रखी थी। इससे राजनीतिक उथलपुथल ने और जोर पकड़ा। इसी के बाद नतीजा अचानक तख्तापलट की कोशिशों के रूप में सामने आया।

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों का आर्थिक समुदाय और अफ्रीकी संघ, इस घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। यह प्रयास ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति टैलोन अगले साल अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद पद छोड़ने वाले थे। इस घटना से बेनिन में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

राष्ट्रपति आवास पर तड़के हमला, राष्ट्रीय चैनल पर किया कब्जा

तख्तापलट के प्रयास की शुरुआत राजधानी पोर्टो-नोवो में राष्ट्रपति तालोन के आधिकारिक आवास पर तड़के हुए हमले से हुई। इसके तुरंत बाद, खुद को 'पुनर्निर्माण के लिए सैन्य समिति' कहने वाले सैनिकों ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर कब्ज़ा कर लिया और राष्ट्रपति तालोन को सत्ता से बेदखल करने की घोषणा कर दी। साल 2016 से सत्ता में शीर्ष पर रहे राष्ट्रपति तालोन के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे देश के शासक की वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रम बना हुआ है। हालांकि, इन्हीं खबरों के बीच राष्ट्रपति पैट्रिस तालोन के कार्यालय की ओर से एक बयान में रविवार को दावा किया गया कि वे सुरक्षित हैं और सरकारी बलों ने स्थिति पर काबू पाने के साथ तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। बेनिन के गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में तख्तापलट का प्रयास किया गया था लेकिन सेना की मदद से इसे नाकाम कर दिया गया। इस बीच, राजधानी में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कुछ खबरों में कहा गया है कि राष्ट्रपति आवास के पास स्थित 'कैंप गेज़ो' में गोलीबारी हुई है। पूरे दिन स्थिति साफ नहीं हो सकी। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से इस स्थिति पर चिंता जताई गई है।

शंघाई में अत्याधुनिक भवन में पहुंचा भारत का वाणिज्य दूतावास

बीजिंग। भारत ने शंघाई स्थित अपने वाणिज्य दूतावास के नए अत्याधुनिक भवन का रविवार को उद्घाटन किया। भारत ने चीन के मुख्य व्यापारिक केंद्र स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया है।

शंघाई वाणिज्य दूतावास चीन के पूर्वी क्षेत्र में भारत के तेजी से बढ़ते व्यापारिक समुदाय की सेवा करता है, जहां यिवू जैसे शीर्ष व्यापार और व्यवसाय केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय व्यवसाय मौजूद हैं। चांगनिंग जिले के प्रमुख डॉनिंग सेंटर में 1,436.63 वर्ग मीटर में फैले विशाल नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने किया। यह भवन पिछले भवन के आकार की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। वाणिज्य दूतावास 8 दिसंबर को नए परिसर से काम शुरू कर देगा। रावत ने 1992 के बाद पहली बार वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि भारत और चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों को निशाने पर लिया, तनाव और बढ़ा

टोक्यो, एजेंसी

- **जापान ने चीन के समक्ष जताया विरोध, खतरनाक कृत्य बताया**

चीनी विमानवाहक पोत लिया ओनिंग से उड़ान भरने वाले सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया, इस पर जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस घटना से दोनों देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और गहराता दिखने लगा है।

रडार लॉक का मतलब है कि किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर रडार लॉक किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ उड़ान भरी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि रडार लॉक करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया है और इसे एक खतरनाक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ऐसी घटना का होना अत्यंत निंदनीय है। हमने चीनी पक्ष के समक्ष सख्त विरोध जताया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने मांग की है।

अमूर्त विरासत संस्कृति की सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति : जयशंकर

लाल किला परिसर में यूनेस्को की बैठक में बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि परंपराएं, भाषाएं, संगीत, शिल्प कौशल और अमूर्त विरासत के अन्य रूप कई मायनों में संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति हैं, जो सभी की साझा संपत्ति होती हैं और कई लोग इसका संरक्षण करते हैं।

यहां लाल किला परिसर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण पर यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान जयशंकर ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि शांति और समृद्धि की साझा खोज में विरासत को पोषित करना और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीएच) का 20वां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक लाल किले में आयोजित होगा।

यह पहली बार है कि भारत यूनेस्को पैनल के किसी सत्र की मेजबानी कर रहा है। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के महानिदेशक खालिद अल-एनानी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा उपस्थित थे। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एएसआई द्वारा संरक्षित एक स्मारक है।

दिल्ली में यूनेस्को की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर।

शांति वार्ता के बीच रूस ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर भी किया कब्जा

मॉस्को, एजेंसी

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसके त्सेन्ट्र बैटलग्रुप ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर कब्जा कर लिया है। यह समूह दिमित्रोव में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई कर रहा है और डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक में ग्रिशिनो क्षेत्र को सैनिकों से मुक्त करा रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि त्सेन्ट्र बैटलग्रुप की इकाइयों ने 'डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक की रोवनोये बस्ती को आजाद कराने का काम पूरा कर लिया है। रूसी सेना ने इस क्षेत्र के एक और गांव को घेर लिया है। बैटलग्रुप ने दावा किया है कि शनिवार को विभिन्न मोर्चों पर उसके अभियान में 480 यूक्रेनी सैन्यकर्मी मारे गए हैं। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, जबकि युद्ध खत्म करने के लिए शांति वार्ता तेज हो गई है, जिसमें मियामी में यूक्रेन-अमेरिका के बीच विस्तृत बातचीत भी शामिल है।

रूसी हमलों में एक की मौत: रविवार रात रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है।

बंकरों-चौकियों के निर्माण में सेना ने शुरू किया थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

गंगटोक, एजेंसी

- **भूभाग डिजाइन ,उन्नत छलावरण जरूरतों के अनुरूप है ये तकनीक**

भारतीय सेना ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के सहयोग से सिक्किम के अग्रिम इलाकों में बंकरों, संतरी चौकियों और सुरक्षात्मक संरचनाओं के त्वरित निर्माण के लिए 'ऑन-साइट थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग' प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। रक्षा विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह क्षमता पहले ही अन्य अभियानगत क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित कर चुकी है और अब सिक्किम के 'त्रिशक्ति कोर' ने इसका प्रभावी उपयोग शुरू किया है। बयान में कहा गया, स्वदेशी 'रोबोटिक थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटर' रोबोटिक आर्म, सर्कुलर मिक्सर, पिस्टन पंप और जनरेटर से लैस है। इसे वाहनों से पहाड़ी इलाकों में तीव्र गति से लाया-ले जाया जा सकता है।

बयान में कहा गया है कि थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग अनुकूलित डिजाइन, विस्फोट और बैलिस्टिक प्रतिरोध में वृद्धि, अधिक दाब-सहनशीलता, बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण, स्थानीय सामग्री के प्रभावी उपयोग और सामरिक रूप से स्वीकार्य समय-सीमा के भीतर तेज निर्माण सहित कई परिचालन लाभ प्रदान करती है। यह भू-भाग-विशिष्ट डिजाइन और उन्नत छलावरण आवश्यकताओं के भी अनुरूप है।

कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण इलाकों में तेज, टिकाऊ और मिशन-केंद्रित आधारभूत संरचना विकसित करने में सक्षम 'ऑन-साइट 3डी प्रिंटिंग' का निरंतर उपयोग सेना की इंजीनियरिंग और परिचालन क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 16.03 तक तत्पश्चात पंचमी।

मेष – आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है। अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें।

वृष – आज घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

मिथुन – आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

कर्क – आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम होगा।

सिंह – आज आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

कन्या – आज फाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है।

तुला – आज सहकर्मियों के साथ आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। रुचि पूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

वृश्चिक – आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। दोस्तों के साथ बिजनेस पार्टनरशिप को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक व्यर्थ करेंगे।

धनु – आज आप कोई नया कार्य आरंभ करने से बचें। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी, इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है।

मकर – आज तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे। आपके प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी।

कुंभ – आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं।

मीन – आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ट व मधुर होंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें।

आज का पंचांग

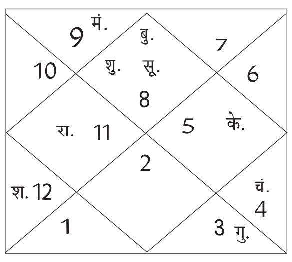

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 09 दिसंबर 02.52 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

सुडोकू -184

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3	4				
4			1					
				9				
2								
				2				
	1							
		5	8					

सुडोकू - 183 का हल

1	9	2	3	7	4	5	6	8
7	8	4	6	2	5	1	9	3
5	6	3	1	8	9	7	4	2
4	7	1	2	6	8	9	3	5
8	2	9	7	5	3	4	1	6
3	5	6	4	9	1	2	8	7
9	4	5	8	3	7	6	2	1
2	3	7	9	1	6	8	5	4
6	1	8	5	4	2	3	7	9

“जरूरत से ज्यादा अभ्यास करना इंग्लैंड को भारी पड़ा। टीम के लिए एशेज की ऐतिहासिक ट्रॉफी को हासिल करने के लिए सीरीज के बचे हुए तीनों टेस्ट मैचों को जीतना जरूरी है।
–ब्रेंडन मैकुलम, इंग्लैंड के मुख्य कोच

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अयोध्या, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

हाईलाइट

निशानेबाजी विश्व कप में सिमरनप्रीत ने जीता स्वर्ण पदक

दोहा : युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया। ऐश्वर्य ने इस तरह इस खेल में सभी संभावित विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पदकों का सेट पूरा कर लिया। इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फख्र महसूस कराया।

टेनिस से संन्यास लेंगी सोराना सिर्स्टिया

बुखारेस्ट (रोमानिया) : रोमानिया की महिला टेनिस खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि वह 2026 सीजन के बाद टेनिस से संन्यास लेगी। 35 साल की रोमानियाई खिलाड़ी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि डब्लयूटीए टूर पर उनका 20वां सीजन का आखिरी साल होगा। सिर्स्टिया ने लिखा मुझे टेनिस बहुत पसंद है। मुझे इसका अनुशासन, रूटीन, कड़ी मेहनत पसंद है। मुकाबला और एड्रेनालाईन मेरी आत्मा को एनर्जी देते हैं। लेकिन जिदगी में हर चीज की तरह, इसका भी अंत होना है।

सारस्वत ने जीता पहला सुपर 100 खिताब

गुवाहाटी : राजस्थान के संस्कार सारस्वत ने रविवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स के पुरुष एकल फाइनल में मिथुन मंजूनाथ को तीन गेम में हराकर अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता। जोधपुर के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने स्मैश की बौछार करके पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मंजूनाथ को 21-11, 17-21, 21-13 से हराया। भारतीय खिलाड़ियों के बीच यह फाइनल 50 मिनट तक चला। हालांकि विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा को महिला एकल फाइनल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से 18-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह उप विजेता रहीं।

मंधाना और पलाश ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की

मेहंदी की रस्म के दौरान की तस्वीर। फाइल फोटो

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुच्छल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मुच्छल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद

- निजता बनाए रखने की अपील की, 23 नवंबर को होनी थी शादी

सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं।

मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है : मुच्छल

मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुच्छल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया। मुच्छल ने कहा मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने लिखा यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वास पर कायम रहते हुए इसका सामना करूंगा। मुछाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे असत्यापित दावों को बढ़ावा देने से पहले विचार करें।

मंधाना की 23 नवंबर को मुच्छल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक बेहद निजी इंसान करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और उन्हें इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें। भारत के आगामी अंतर्राष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है।

उन्होंने कहा मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है मैं लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी।

युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन अविश्वसनीय

मुख्य कोच गौतम गंभीर बोले- सीनियर खिलाड़ियों के अलावा अन्य की भी प्रशंसा जरूरी

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है, लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया जबकि रोहित में दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते

टी-20 क्रिकेट मैच से पहले भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचे कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया।

गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा इस श्रृंखला में अर्शदीप, प्रसिद्ध और हर्षित का प्रदर्शन अविश्वसनीय रहा।

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा : बांगड़

विशाखापत्तनम : भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है।

रोहित से मजाकिया बातचीत के बाद कुलदीप ने कहा, 'डीआरएस लेने में गलत रहता हूं'

विशाखापत्तनम : बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के मामले में उनका आकलन सही नहीं होता है। उन्होंने यह बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले गए तीसरे वनडे के दौरान सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ डीआरएस को लेकर मजाकिया बातचीत के संदर्भ में कही जिसकी काफी चर्चा हो रही थी। पहली स्लिप में क्षेत्ररक्षण करते हुए रोहित ने कुलदीप को अपील करने और कप्तान केएल राहुल पर डीआरएस लेने का दबाव बनाने से रोकने के लिए कम से कम तीन बार हस्तक्षेप किया और इस दौरान वह मुस्कुरा रहे थे। कुलदीप ने बीसीसीआई के वीडियो में कहा साफ जाहिर है कि डीआरएस लेने के मामले में मेरा आकलन सही नहीं रहता। मुझे लगता है कि एक डीआरएस मेरे लिए आरक्षित रहता है। उन्होंने कहा एक गेंदबाज होने के कारण आपको हमेशा यह लगता है कि यह आपका विकेट है, यह आउट है। लेकिन रोहित भाई, केएल भाई, वे विकेट के पीछे खड़े होते हैं इसलिए उन्हें बेहतर अंदाजा होता है कि गेंद स्टंप्स को छोड़कर जा रही है या नहीं। गेंद की ऊंचाई और प्रभाव के बारे में उन्हें बेहतर जानकारी होती है।

बिस्बेन टेस्ट मैच जीतने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट में भी शानदार जीत

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ब्रिस्बेन टेस्ट

- एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा। इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा। फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम तब दो विकेट पर 63 रन पर थी और जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वह नौ गेंद पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे। जेक वेदरल्ड 17 रन बनाकर नाबाद रहे। गस एटकिंसन ने ट्रेविस हेड (22) और मार्नस लाबुशेन (3) के विकेट लिए। इंग्लैंड की हार के लिए कुछ रणनीतिक मुद्दे जिम्मेदार रहे जिसमें गेंदबाजी आक्रमण की लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने में विफलता, कैच छोड़ने तथा फिर से तेजी से खेलते हुए रन बनाने की कोशिश में विकेट गंवाने के लिए टीम की काफी आलोचना हुई है। स्टोक्स ने हालांकि संयम से खेलते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिलाई लेकिन यह बहुत कम थी।

हम दबाव का सामना नहीं कर पाए हैं: स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली आठ विकेट से करारी हार पर कहा कि हम दबाव का सामना नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि हम कमजोर नहीं है और वापसी के लिए जरूरत पड़ने पर जोश दिखाना होगा। मैच के बाद स्टोक्स ने कहा कि हम मैच में दबाव का सामना नहीं कर पाये। इंग्लैंड को सीरीज में बने रहे के लिए और अधिक संघर्ष करना होगा।

ट्रॉफी के साथ इंटर मियामी की टीम। एजेंसी

मेसी ने इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी

- थॉमस मुलर के साथ प्रतिद्वंद्विता में लियोनेल ने बाजी मारी

थॉमस मुलर ने लियोनेल मेसी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है, लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली।

मुलर और मेसी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया।

मेसी ने मैच के बाद कहा तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं।

साक्षात्कार

एफआईएच अध्यक्ष बोले- ओलंपिक की मेजबानी दूर की बात नहीं

भारत सरकार का फोकस खेलों पर : तैयब इकराम

चेन्नई , एजेंसी

भारत की मेजबानी में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी का दावा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के फोकस को देखते हुए ओलंपिक की मेजबानी अब दूर की बात नहीं है । भारत को दो दशक बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है जो 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे जिसे 2036 ओलंपिक की भारत की दावेदारी पुख्ता करने के लिये एक अहम कदम माना जा रहा है। यहां जूनियर हॉकी विश्व कप से इतर भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में भारत की ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बारे में पूछने पर इकराम ने कहा ,'' हमें इस तरह की उम्मीदवारी पसंद है और यह अच्छा भी है क्योंकि इसमे अलग हितधारक और प्रतिस्पर्धी होंगे । राष्ट्रमंडल खेल 2030 भी भारत में हो रहे है।

उन्होंने कहा इस समय भारत सरकार का फोकस खेलों और खेलों की मेजबानी पर है लिहाजा ओलंपिक की मेजबानी बहुत दूर की बात नहीं है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बजट में कटौती के लिये कई खेलों को रोस्टर से हटाया गया है जिनमे हॉकी भी शामिल है लेकिन एफआईएच अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी होगी। उन्होंने कहा अगले साल होने वाले खेल राष्ट्रमंडल खेल के लिये काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं । लेकिन हॉकी राष्ट्रमंडल का हिस्सा रही है और हमेशा रहेगी । हमारी राष्ट्रमंडल खेल से लगातार अच्छी बातचीत हो रही है और 2030 में हॉकी की और मजबूती से वापसी होगी। व्यावसायिक दृष्टि से भारत को वैश्विक हॉकी का महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए एफआईएच अध्यक्ष ने कहा कि खेल को क्रिकेट या बाकी खेलों की तरह लोकप्रिय बनाने के लिये भारत बड़ा मंच है और यही वजह है कि यहां पिछले एक दशक में काफी वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किये गए हैं। भारत में 2016 पुरुष जूनियर विश्व कप (लखनऊ), 2014 चैम्पियंस ट्रॉफी (भुवनेश्वर), 2018 सीनियर पुरूष विश्व कप (भुवनेश्वर), 2023 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर और राउरकेला) के अलावा महिला और पुरूष एशिया कप और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया गया है।

इकराम ने कहा यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा एफआईएच समानता, विविधता और समावेशिता का पक्षधर रहा है । यह हमारा प्रोजेक्ट और थीम है जो सिर्फ समान संख्या में अधिकारियों या खिलाड़ियों को लेकर नहीं है बल्कि सामर्थ्य निर्माण के बारे में भी है ताकि भविष्य में मजबूत महिला अधिकारी , खिलाड़ी और नायक निकल सके । यह एफआईएच की सशक्तिकरण और जुड़ाव की नीति के काफी करीब है।

भारत हॉकी का घर , यहां लोग खेलों से करते हैं प्यार

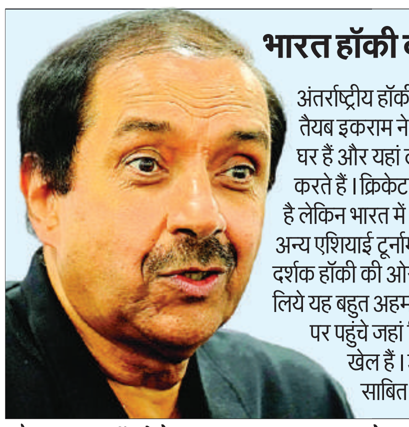

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा भारत हॉकी का घर हैं और यहां लोग खेलों से प्यार करते हैं। क्रिकेट यहां काफी लोकप्रिय है लेकिन भारत में एफआईएच और अन्य एशियाई टूर्नामेंटों की मेजबानी से दर्शक हॉकी की ओर भी आ रहे हैं। मेरे लिये यह बहुत अहम है कि हॉकी उस स्तर पर पहुंचे जहां क्रिकेट जैसे दूसरे खेल हैं। उन्होंने कहा भारत यह साबित करने के लिये सबसे बड़ा मंच है और यह हो रहा है । हमे सबसे ज्यादा दर्शक संख्या भारत से मिल रही है जो यह अपने आप में सब कुछ कहता है। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पहली बार महिला अंपायरों की नियुक्ति की गई है और इकराम ने इसे लैंगिक समानता की एफआईएच की मुहिम का अहम कदम बताया। उन्होंने कहा यह खेलों में महिला सशक्तिकरण की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और संयुक्त राष्ट्र की मुहिम का हिस्सा है ।

अर्जेंटीना पर रोमांचक जीत से स्पेन पहली बार फाइनल में

जूनियर हॉकी विश्व कप

चेन्नई, एजेंसी

स्पेन ने रविवार को यहां एक कड़े मुकाबले में दो बार के चैंपियन अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर पहली बार एफआईएच जूनियर विश्व कप फाइनल में जगह बनाई।

स्पेन ने मैच की शुरुआत में ही दबदबा बनाते होते हुए पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और मारियो मेना ने रिबाउंड पर गोल करके बढ़त बना ली। एक मिनट बाद अर्जेंटीना को भी अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे इस मौके का फायदा नहीं उठा पाए। स्पेन ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और 17वें मिनट में एक शॉर्ट कॉर्नर हासिल किया जिसे अर्जेंटीना के गोलकीपर जोकिन एस रुइज ने शानदार तरीके से बचा लिया। अर्जेंटीना ने आखिरकार 21वें मिनट में पेनल्टी पर जुआन फर्नांडीज के गोल से बराबरी कर ली। स्पेन ने 56वें मिनट में अल्बर्ट सेराहिमा के गोल से मैच जीत लिया। वहीं, बेल्जियम ने पिछले चरण की उप विजेता टीम फ्रांस को 3-2 से हराकर पांचवें-छठे स्थान के लिए होने वाले क्लासिफिकेशन मैच में जगह बनाई । बेल्जियम के लिए मैथिस लॉवर्स, मैक्सिमिलियन लैंगर और ह्यूगो लाबुचेरे ने गोल किए।

अर्जेंटीना के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते स्पेन के खिलाड़ी। एजेंसी

जर्मनी से नहीं जीत पाई भारतीय टीम

भारतीय हॉकी टीम जूनियर विश्व कप के सेमीफाइनल में जर्मनी से 1-5 से हार गई। कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से मुकाबला होगा।